मूल्य - 20

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

अंगिराऽसि जंगिडः

वर्षः 119, अंकः 04, अप्रैल-2026 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

5 अप्रैल को फरीदाबाद में आयोजित, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

की त्रैमासिक बैठक और हरियाणा प्रदेश सभा की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

केनरा बैंक Canara Bank
Syndicate

SCAN & PAY

UPI ID: 19689546024572a@cnrb

BHIM UPI
BHARAT INTERFACE FOR MONEY UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

प्रधान- श्री रामपाल शर्मा

सम्पादक- रामभगत शर्मा

शुभलाभ
GREEN VALLEY
2&3 BHK LUXURIOUS FLAT & SHOPS

शुभलाभ
VINTAGE VILLA
6 BHK Luxurious Villas

THE VINTAGE शुभलाभ
3 BHK Premium Living

शुभलाभ
HERITAGE
3 | 4 BHK Heritage Living & Penthouse

शुभलाभ
SQUARE
Showrooms | Corporate Entertainment

शुभलाभ GROUP

AHMEDABAD

THE VINTAGE
Naroda- Dehgam Road
Opp. Shyam Valencia Bungalow
New Naroda, A'bad-382230

Nilesh Sharma 96388 00449
Anurag Sharma 83201 68811

शुभलाभ
HEIGHTS
2 | 3 BHK Premium Living

SENTOSA
ROYAL BUNGALOW
4 BHK Royal Living Homes

PALATE
RESTAURANT & BANQUET

GRAND
Neelkanth
banquet & restaurant
100-1000 Capacity Banquet

FITNESS FUEL
365 Days Open, Luxurious Gym

5 अप्रैल को फरीदाबाद में महासभा की त्रैमासिक बैठक और हरियाणा प्रदेश सभा और महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह की कुछ झलकियां

INTERIO CRAFT

MERGER OF **ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS**

With its existence over three and half decades,we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

Our Management Team

Rampal Sharma | Deepak Sharma | Jagmohan Sharma | Amith Sharma

Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

OUR SERVICES

ON SITE

- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

OFF SITE

- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

Reach us:

Corporate Office: No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

Some of our Valuable Clients

''जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका'' के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वांगीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यात्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

पंजीकृत सं. एस.-27/1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाष:- 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा ''जांगिड'' - 09844026161

महामंत्री-पं.सांवरमल ''जांगिड'' - 09414003411

सम्पादक-पं.रामभगत शर्मा ''जांगिड'' - 09814681741

सह सम्पादक-पं.प्रहलाद राय शर्मा ''जांगिड''- 08140229679

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता	रुपये
प्लैटिनम सदस्य	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	51,000/-
रजत सदस्य	25,000/-
विशेष सम्पोषक	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 , (IFSC Code: SBIN0006814)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, मुण्डका, नई दिल्ली-41) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम **''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा''** अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है। महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है। दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

अरूण कुमार (अनिल जांगिड)
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810988553

॥ ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

अनुक्रमणिका

03. 5 अप्रैल को फरीदाबाद में महासभा की त्रैमासिक बैठक और हरियाणा प्रदेश सभा और महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह की कुछ झलकियां
07. संपादकीय...
09. प्रधान की कलम से...
11. महासभा कार्यकारणी की आगामी त्रैमासिक मीटिंग..
12. महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और पूर्व प्रधान कैलाश..
13. महासभा में महिलाओं को अंहम भूमिका निभाने के...
16. हरियाणा प्रदेश के, समाज के बच्चों को बेहतर शिक्षा...
18. विधायक मूल चंद शर्मा का समाज के उत्थान के लिए..
20. अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की गरिमामय..
21. हरियाणा प्रदेश महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी का शपथ..
23. राम नवमी मनाने का उद्देश्य तभी सार्थक होगा, जिस....
25. फरीदाबाद -प्रदेशाध्यक्षों की त्रैमासिक मीटिंग का सार..
32. प्रदेशसभा मध्य प्रदेश कार्यकारणी की त्रैमासिक मीटिंग..
33. महीसागर जिला सभा कार्यकारणी का शपथ ग्रहण..
35. राजस्थान फाउंडेशन के अंतर्राष्ट्रीय चैप्टर्स की वर्चुअल...
36. महासभा प्रधान रामपाल शर्मा का ग्राम फरड़ोद.....
37. भविष्य को सुन्दर बनाना है तो, मन को नियंत्रित रखते..
38. आत्मा से एकांत में संवाद करे, सभी उलझने दूर हो...
39. प्री वेडिंग शूट और सामाजिक व्यवस्थाएं-- एक चिंतन
40. श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़ गंज में, भगवान श्री राम का...
42. अद्वितीय प्रतिभा के धनी..... डॉक्टर लोकेश जांगिड...
43. एपोस्टल ऑफ ह्यूमैनिटी" अवार्ड -के डॉ. शशिकांत शर्मा
44. देवलिया कलां के साहिल जांगिड भारतीय सेना में....
45. डॉ. नीरु जांगिड ने संघर्ष और उत्कट जिजीविषा से,.....
46. हरीथी जांगिड ने ताइक्वांडो में स्वर्ण पदक हासिल किया.
47. बागपत निवासी अंकुर शर्मा, जिला समाज कल्याण....
48. रिद्धिमा जांगिड ने 10 वीं कक्षा में राजस्थान में 99.67....
49. सुल्तान आर्य, जांगिड धर्मशाला जींन्द के निर्विरोध प्रधान
50. 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में सर्वश्रेष्ट परिणाम प्राप्त करने..
51. 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में सर्वश्रेष्ट परिणाम प्राप्त करने..
52. कविता और जांगिड पत्रिका में, ज्ञानवर्धक लेख..
53. महासभा के एक लाख रुपये के प्लैटिनम ..
59. शपथ ग्रहण समारोह के बाद बने हुए एक लाख रुपये के..
60. वैवाहिक विज्ञापन....
61. 5 अप्रैल को फरीदाबाद में महासभा की त्रैमासिक बैठक और हरियाणा प्रदेश सभा और महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह की कुछ झलकियां

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)
शुभ लाभ ग्रुप
कृष्णा इंटीरियर
भारत व्हील
शर्मा एंड कंपनी
भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही है वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही है, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही है। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ है तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते है कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती है।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्वानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें! बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे है। जिससे हमेशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है - तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6) अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

- सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय-------

सम्पादक, राम भगत शर्मा

मानव जीवन में, समस्याओं से भागना नहीं, अपितु उनका समाधान खोजना सीखना होगा

जिस व्यक्ति ने, इस जीवन और प्रकृति को भली भांति समझ लिया है, ऐसे विवेकशील, ज्ञानी और बुद्धिमान व्यक्ति, अपने जीवन में आने वाली सभी समस्याओं और बाधाओं का सहजता और सरलता से मुकाबला करते हुए, अपने लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर रहता है। **भगवान ने इस संसार की रचना की है और सभी समस्याओं के साथ - साथ उनके समाधान का रास्ता भी निर्धारित किया है, लेकिन यह समाधान, केवल ऐसे व्यक्ति को ही मिल सकता हैं जो, सत्यनिष्ठा पूर्वक ईमानदारी से प्रयास करता है। मेरा मानना है कि जीवन की ऐसी कोई भी समस्या नहीं है, जिसका इस प्रकृति के पास समाधान ही न हो। समस्या चाहे कितनी ही बड़ी क्यों न हो लेकिन उसका कोई न कोई समाधान तो अवश्य होता है।**

इस जीवन में समस्या का हल करने का केवल एक ही मूल मंत्र है और वह मूलमंत्र है, उस समस्या से डरकर भागने की अपेक्षा **उस समस्या को मूलरुप से समझने का प्रयास करें और उसका डटकर सामना करते हुए, उसके समाधान के लिए विभिन्न माध्यमों से , प्रयास करना चाहिए तभी उसके सार्थक परिणाम सामने आ सकते हैं।**

जीवन में आपने कई बार यह देखा होगा कि जब व्यक्ति के जीवन में कोई भी दुःख आता है तब **वह दुःखों का सामना करने की अपेक्षा हिम्मत हार जाता है और जितना वह दुःखों से दूर भागने का प्रयास करेगा, दुःख उतना ही उसके अन्तःकरण में हावी होता जायेगा।** स्वामी विवेकानंद का दुःख के बारे में एक स्पष्ट कथन हैं कि **जीवन में, सुख और दुःख इस जीवन के दो पहलू हैं। सुख के समय एक व्यक्ति अंहकार के वशीभूत होकर, किसी से अपेक्षा नहीं रखता है इसके विपरीत जीवन में दुःख आने पर उसके जीवन का सन्तुलन बिगड़ने लगता है।** इस जीवन में आने वाले दुःख, एक प्रकार से बंदरों की तरह होते हैं, जो डर कर पीठ दिखाने वाले का पीछा किया करते हैं, जबकि जो हिम्मत और साहस के साथ उन सभी दुःखों का मुकाबला करता है, दुःख उसके सामने से अपने आप ही भाग जाते हैं। **इसलिए दुःख आने पर भी हताश एवं निराश होने की अपेक्षा, उस दुःख के कारण का पता लगाने के साथ ही उसका समाधान खोजने का स्तुत्य प्रयास करना चाहिए।** दुःख का डटकर मुकाबला करने से ही उसका निवारण किया जा सकता है।

इसलिए दुःख की परिकल्पना में, विरोधी भावों को दबाने से नहीं अपितु उस दुःख को सहज रूप से स्वीकार करने से ही एक व्यक्ति मजबूत और शक्तिशाली बनता है। इस जीवन में, प्रत्येक व्यक्ति की यह मनस्कामना होती है कि वह हमेशा मजबूत, स्पष्ट और शांत रहें, लेकिन मनुष्य भीतर से विरोधाभासों से भरा

होता है। **कभी उसमें साहस, कभी भय, कभी प्रेम और कभी उसमें क्रोध हावी होने लगता है और सबसे बड़ी समस्या तब होती है , जब हम इन विरोधी भावों को दबाने लगते हैं**। आत्म विकास का अर्थ किसी एक पक्ष को दबाना और मिटाना नहीं है, अपितु इन दोनों को समझना है। जब आप स्वीकार करते हैं कि आपके भीतर कमजोरी भी है, **तब आप सच्चे अर्थों में मजबूत बनते हैं और अपनी कमजोरियों को शक्ति में बदलने से ही, जीवन में विकास संभव है।**

इसलिए दुःख और सुख की समस्या का हल भी हृदय से ही निकलेगा, विज्ञान से नहीं। आधुनिक युग में यह दुनिया, आध्यात्मिकता और विज्ञान दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास कर रही हैं। **वास्तव में दोनों का एक ही उद्देश्य है , वास्तविकता को समझना और मनुष्य के दुःखों को कम करना।** हालांकि उन दोनों के रास्ते बिल्कुल अलग-अलग हैं। जबकि विज्ञान, विश्लेषण, तर्क तथा प्रमाण के आधार पर भौतिक जगत का अवलोकन और अध्ययन करता है, **जबकि दूसरी तरफ अध्यात्म एक ऐसा दिव्य और अलौकिक शक्ति से परिपूर्ण मार्ग है, जो मन की भावनाओं और चेतना की गहराई में उतरकर, करुणा, संवेदना, आंतरिक परिवर्तन की खोज करता है।**

किसी भी दुःख का स्थाई निदान विज्ञान के पास नहीं है, क्योंकि विज्ञान तर्क और वितर्क के आधार पर प्रश्नों के उत्तर खोजने का प्रयास करता है और विज्ञान एक सहज और सरल प्रश्न पूछता है कि यह क्या है ? और यह कैसे काम करता है। **लेकिन इसके विपरीत, दुःख आने पर अध्यात्म का मार्ग उसको भीतर से शक्तिशाली बना देता है।** दुःख आने पर मन सहज और स्वाभाविक रूप से ही प्रश्न पूछता है कि इसका अर्थ क्या है और मुझे इस दुःख से कैसे छुटकारा मिल सकता है।

बौद्ध परंपरा में विश्वास को, तर्क और अनुभव की कसौटी पर रखने की प्रेरणा दी जाती है, जबकि विज्ञान दूरबीन और सूक्ष्मदर्शी का सहारा लेता है तो दूसरी तरफ अध्यात्म ध्यान और आत्म निरीक्षण का ही सहारा लेता है। फिर भी, विज्ञान अकेले यह साबित नहीं कर सकता है और नहीं बता सकता कि हमें कैसे जीना चाहिए। **इसी प्रकार से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उन्नत तकनीक की दौड़ में भी, हम आज आधुनिक युग में गंभीर नैतिक प्रश्नों से जूझ रहे हैं।** अध्यात्म इसी दिशा में करुणा , धैर्य , क्षमता और संतोष जैसी गुणों का विकास करता है जो हमारी सांझी धरोहर और मानवता का आधार है।

इसलिए इस आधुनिक युग में, सुख और मानसिक तथा आध्यात्मिक शांति हासिल करने के लिए, जो भी जीवन में समस्या आती है, उससे भागने की अपेक्षा, उसका गहनता से अध्ययन करते हुए, इसका समाधान खोजने का स्तुत्य प्रयास करना चाहिए। यह समस्या केवल एक तकनीक से हल नहीं होगी, अपितु इसके लिए चेतना और संवेदनशीलता का विकास आवश्यक है। विज्ञान समस्याओं को केवल समझ सकता है, लेकिन उन्हें मानवीय दृष्टि से हल करने की प्रेरणा हृदय के अन्तःकरण से ही आती है।

******

प्रधान की कलम से.....

महासभा प्रधान- रामपाल शर्मा

सबसे पहले तो मैं, देश और समाज के उज्ज्वल भविष्य, उन सभी 10 वीं और 12 वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को हृदय के अन्तःकरण से हार्दिक बधाई और मुबारकबाद देता हूँ, जिन्होंने हाल ही में, इन कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बेहतर अंक हासिल करके, अपनी बहुआयामी प्रतिभा का लोहा मनवाया है और इसके साथ ही 31 मार्च को सत्य और अहिंसा के पुजारी श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी के 2625 वें जन्म कल्याणक दिवस की भी महासभा परिवार की तरफ से बधाई देता हूँ। उन्होंने, सत्य, अंहिसा, करुणा, संयम और तप तथा ब्रह्मचर्य का पालन करने का संदेश दिया, जो आज भी उतना ही सार्थक और समीचीन है। इसके साथ ही 2 अप्रैल को मनाए गए, अंजनी पुत्र और पवन पुत्र हनुमान के जन्मोत्सव की भी बधाई देता हूँ। राम भक्त हनुमान जी को , भगवान शिव का 12वां रुद्र अवतार भी माना जाता है।

प्रधान,रामपाल शर्मा

इस दौरान पिछले महीने, 6 मार्च को केन्द्रीय लोक सेवा आयोग द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा और इसकी अनुषांगिक सेवाओं का, जो परिणाम घोषित किया गया है, उस परीक्षा परिणाम में, इस समाज के युवाओं को बड़ी निराशा ही हाथ लगी है। इस वर्ष ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज के माध्यम से, कुल 1050 पद भरे गए हैं, लेकिन उस सूची में, दुर्भाग्यवश एक भी जांगिड और सुथार समाज के युवा का नाम नजर नहीं आया। लेकिन कई बार किसी का नाम प्रतीक्षा सूची में भी आ जाता है और इसलिए बाद में आने वाली सूची से भी उम्मीद नहीं छोडनी चाहिए।

वास्तव में मैं इस बात को आज तक समझ नहीं पा रहा हूँ कि , राजस्थान और हरियाणा प्रदेश में, इस समाज के लोगों की आबादी, दूसरे प्रदेशों से कई गुना अधिक है और इसको ध्यान में रखते हुए ही, उनसे यह उम्मीद रखना कोई बुरी बात भी नहीं है। **लेकिन जहां तक मुझे याद है, राजस्थान में सन् 2014 में लोकेश कुमार जांगिड के बाद कोई भी आई ए एस अधिकारी डायरेक्ट नहीं बना है। हाँ, राजस्थान का , एक आई पी एस और दो आई आर एस अधिकारी अवश्य ही बने हैं।** जहां तक हरियाणा का प्रश्न है, हरियाणा में **सन् 2014 में जलज शर्मा के बाद 2021 में अंजलि शर्मा आई ए एस अधिकारी बनी है और उसके बाद दो आयकर विभाग में, साक्षी शर्मा और प्रशांत शर्मा सहायक आयुक्त और एक रेलवे विभाग में तथा एक वाणिज्यिक मंत्रालय में लगा है। लेकिन इसको भी मैं , कोई बड़ी उपलब्धि नहीं मानता हूँ।**

इस गम्भीर समस्या पर समाज के बुद्धिजीवियों को विचार करना चाहिए और **समाज के युवाओं को यू पी एस सी की परीक्षा की तैयारी के लिए और उनको मार्गदर्शन करने के लिए समाज के आई ए एस अधिकारियों, जिनमें डॉ समित शर्मा मुख्य रूप से शामिल हैं और वह मोटिवेशनल स्पीकर भी है और वह अपने अनुभव के आधार पर इस परीक्षा में सफलता के गुरु मंत्र बता सकते हैं। इसलिए सफलता का मूल मंत्र बताने के लिए महासभा के माध्यम से उनसे अनुनय विनय किया जाएगा।**

मुझे लगता है कि इस भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रति समाज के बच्चों में, अभी इतनी जागरूकता नहीं आई है। क्योंकि आजकल अधिकतर युवा, डॉ और इंजीनियर तथा जज बनने को प्राथमिकता देते हैं। मैं आपको एक छोटा सा उदाहरण, जैन और महेश्वरी समाज का देना चाहता हूँ, जिनकी आबादी देश की आबादी का कुल आधा प्रतिशत भी नहीं है, लेकिन प्रत्येक वर्ष, आई ए एस की सूची में इस समाज के कम से कम, 25-30 बच्चे इस परीक्षा को क्रेक करके अपने लक्ष्य में सफलता हासिल करते हैं। **इन्होंने एक JITO नाम की संस्था खोली हुई है, जहां उनका मार्गदर्शन किया जा रहा है**

और इसके माध्यम से ही , युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण किया जा रहा है। इसी प्रकार से, जाट समाज में आई, जागरूकता को भी, भली - भांति समझा जा सकता है। **जाट समाज ने बच्चों के लिए दो तीन होस्टल खोले हुए हैं और उनको इंडिया बुल जैसी कम्पनियां , सी एस आर के माध्यम से पैसा देती हैं।** इस बारे में मैं तो केवल इतना ही कह सकता हूँ कि जब तक समाज के बच्चों में, सकारात्मक सोच और अपना लक्ष्य निर्धारित करके, उस पर दृढ़ संकल्प के साथ आगे नहीं बढ़ेंगे तब तक, इस प्रतिष्ठित परीक्षा में , सफल होने का दिव्य स्वप्न कभी भी पूरा नहीं हो सकता है।

जीवन में, सकारात्मक सोच और संकल्प होना ही , इस जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है और यही सफलता की नींव रखती है। **इसीलिए कहा गया है कि जिस व्यक्ति की, जितनी बड़ी सोच होगी, वह उतना बड़ा लक्ष्य हासिल करने में सफल होगा। क्योंकि सोच में, अप्रतिम शक्ति है और जितनी बड़ी एक व्यक्ति की सोच होगी वह, उतनी ही बड़ी कल्पना करके फिर उसे मूर्त रूप देने के लिए सतत् प्रयास करेगा।** सकारात्मक सोच और समदर्शी दृष्टिकोण ही , एक व्यक्ति के जीवन की मूल प्रेरणा स्रोत बनकर उसका मार्गदर्शन करती है। **सकारात्मक सोच और संकल्प अमृत के समान है।** भगवान श्री राम ने लंका पर विजय के लिए जिस समय समुद्र पर पुल बनाना था वह इसे देखकर विचलित नहीं हुए बल्कि सकारात्मक सोच के साथ ही पराक्रमी नल और नील की सहायता से और भगवान शिव की आराधना करके अन्त में , सफलता हासिल की और यह , सब भगवान श्री राम के सकारात्मक दृष्टिकोण का ही परिणाम था।

समाज के भामाशाहों और दानदाताओं के सहयोग से मुंडका में, महासभा का भवन तैयार हो चुका है और **मैं चाहता हूँ कि इस भवन में, रहने के लिए ऐसे गरीब बच्चों को , प्राथमिकता दी जाए, जो पढ़ाई में अव्वल होने के साथ - साथ आर्थिक रूप से कमजोर है और जो, अपनी प्रतिभा के बल पर, आईएएस आईपीएस और अन्य सेवाओं की तैयारी करके जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं।** मैं समझता हूँ कि समाज के ऐसे बच्चों के लिए अगर महासभा कुछ भी कर पाई तो, यह महासभा का सौभाग्य होगा। **महासभा ने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक शिक्षा कल्याण कोष की स्थापना भी की है और इस कोष में समाज के लोग अपनी श्रद्धानुसार क्यू आर कोड के माध्यम से एक रुपया हर रोज से लेकर , अपनी श्रद्धानुसार दान कर सकते हैं।**

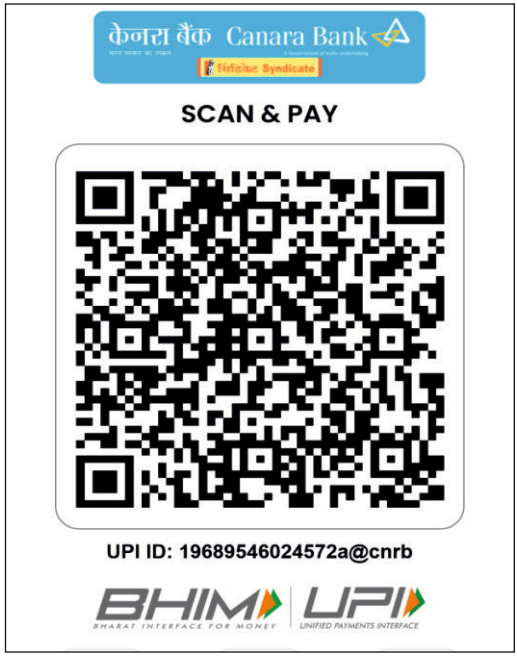

कई बार आपने सुना होगा कि तिनके के सहारे , लोहा भी तर जाता है, जो युवा होशियार होने के साथ-साथ आर्थिक रूप से कमजोर भी हैं , उनको अगर थोड़ा सा भी सहारा मिल जाए तो वह इस परीक्षा रुपी समुद्र को पार करके अपनी सफलता का परचम लहरा सकते हैं। इसलिए मुझे विश्वास है कि अगर समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों को , थोड़ी सी, भी आर्थिक मदद मिल जाए तो वह आसानी से अपना निर्धारित लक्ष्य हासिल कर सकते हैं।

****

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

विषय:- महासभा कार्यकारिणी की आगामी त्रैमासिक बैठक बेंगलुरु (कर्नाटक) में आयोजित करने बाबत

क्रमांक :- अ.भा.जां. ब्रा.म.-2955/2026 दिनांक 08/04/2026

सम्माननीय, समस्त प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, महासभा कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी गण, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली

महोदय,

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के सम्माननीय समस्त प्रदेशाध्यक्षों, प्रदेश प्रभारियों एवं महासभा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को सूचित किया जाता है कि महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आगामी त्रैमासिक मीटिंग **श्री रामपाल शर्मा, प्रधान महासभा की अध्यक्षता** में प्रदेश सभा कर्नाटक के सौजन्य से प्रदेश सभा कर्नाटक की नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के साथ दिनांक **05 जुलाई, 2026, रविवार को प्रात: 9.30 बजे से कर्नाटक राज्य के बेंगलुरु** शहर में आयोजित की जायेगी।

अतः महासभा कार्यकारिणी के समस्त पधाधिकारीगण एवं समस्त प्रदेश अध्यक्ष / प्रदेश प्रभारी उक्त त्रैमासिक मीटिंग में ससम्मान सादर आमंत्रित हैं, कृपया बैठक में समय पर पधार कर अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करते हुए महासभा को सहयोग प्रदान करें।

नोट :- मीटिंग का एजेंडा, स्थान का पूर्ण पता एवं लोकेशन, महासभा कार्यकारिणी के ग्रुप्स में शीघ्र ही आपकी सूचनार्थ प्रेषित कर दी जायेगी।

धन्यवाद।

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री - महासभा

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

विषय:- प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रभारियों की आगामी त्रैमासिक बैठक बेंगलुरु में आयोजित करने बाबत

क्रमांक :- अ.भा.जां. ब्रा.म.-2956/2026 दिनांक 10/04/2026

सम्माननीय, समस्त प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी, अंतर्गत अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा - दिल्ली

महोदय,

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के सम्माननीय समस्त प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों को सूचित किया जाता है कि प्रदेशाध्यक्षों की अगली त्रैमासिक मीटिंग **श्री रामपाल शर्मा, प्रधान महासभा की अध्यक्षता** में दिनांक **04 जुलाई, 2026, शनिवार को दोपहर बाद 4 बजे से बेंगलुरु (कर्नाटक)** के निर्धारित स्थान पर आयोजित की जायेगी।

अतः महासभा के अंतर्गत कार्यरत समस्त प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी, आप सभी ससम्मान सादर आमंत्रित हैं, कृपया मीटिंग के समय को ध्यान में रखते हुए बेंगलुरु आने कि एयर या ट्रेन टिकट उसी अनुसार बनाकर मीटिंग स्थल पर समय पर पहुंचना सुनिश्चित करें तथा मीटिंग में उपस्थित होकर अपने अपने प्रदेशों की प्रगति रिपोर्ट के साथ साथ महासभा / समाज उत्थान के लिए कोई भी बहुमूल्य सुझाव से अवगत कराकर सहयोग प्रदान करें।

नोट:- मीटिंग का एजेंडा एवं मीटिंग स्थल की लोकेशन, प्रदेश अध्यक्षों के ग्रुप्स में शीघ्र ही अपलोड कर दी जायेगी।

धन्यवाद।

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री - महासभा

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला का मुंडावर में भव्य स्वागत किया गया

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि समाज के लोग बड़े ही परिश्रमी और मिलनसार प्रवृति के धनी हैं और मुंडावर तहसील मेरी अपनी कर्मभूमि के क्षेत्र में आती है और महासभा के उप प्रधान ऊजेन्द्र जांगिड में, जो समाज सेवा और समर्पण का जज्बा है, उसको मैं सलाम करता हूँ। यहां पर जो भव्य धर्मशाला का निर्माण किया गया है, वह आपसी प्रेम, प्यार और सौहार्द की प्रतीक है। इसके लिए मैं समाज के उन गणमान्य महानुभावों को बधाई देता हूँ, जिन्होंने यह धर्मशाला रुपी पौधा लगाया है।

प्रधान रामपाल शर्मा 4 अप्रैल को महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला के साथ मुंडावर पहुंचे थे, जहां पर समाज के लोगों ने पलक पांवड़े बिछाकर उनका स्वागत करते हुए, उनको धर्मशाला मुंडावर अध्यक्ष बाबूलाल और उसकी टीम सहित खैरथल तिजारा जिला कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश की टीम के द्वारा साफा और माला पहनाकर भव्य स्वागत स्वागत किया।

रामपाल शर्मा ने उपस्थित लोगों से कहा कि मुंडावर मेरी निजी तहसील है और इस धर्मशाला को एक भव्य रुप दिया गया है और यह समाज की एक अनूठी धरोहर है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वह महासभा परिवार में अधिक से अधिक सदस्य जोड़ने का प्रयास करें क्योंकि, अकेला चना कभी भी भाड़ नहीं फोड़ सकता है इसलिए आप सभी के सक्रिय सहयोग से ही महासभा का मिशन सदस्य डेढ़ लाख पूरा हो सकता है, जब आप इसमें सक्रिय योगदान देंगे। मैंने आप लोगों के भरोसे पर ही, मिशन डेढ़ लाख सदस्यों की घोषणा की है और यह घोषणा आपके अनन्य सहयोग से ही पूरी हो सकती है।

जांगिड धर्मशाला मुण्डावर में, प्रधान रामपाल शर्मा और पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला का 4 अप्रैल को भव्य स्वागत किया गया।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने महासभा रुपी पौधा लगभग 119 साल पहले अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर नहीं लगाया था, अपितु उनकी समाज के विकास की एक सोच थी और इसी सोच को मूर्त रूप देने के लिए ही, यह महासभा रुपी पौधा लगाया था और आज हम इसकी छाया में बैठकर आनन्द की अनुभूति ले रहे हैं। मुझे भी महासभा के प्रधान पद को सुशोभित करने का अवसर दिया और महासभा का मुण्डका में बनाया गया भवन, जिसकी आधारशिला मेरे कार्यकाल में रखी गई थी और प्रधान रामपाल शर्मा ने अपने कुशल व्यवहार और दानदाताओं के सहयोग से इस यज्ञ को पूरा करने में एक अहंम भूमिका का निर्वहन किया है। मैं इस पुनीत कार्य के लिए प्रधान रामपाल शर्मा को पुनः बधाई देता हूँ।

महासभा के उप प्रधान और विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति उजेन्द्र जांगिड ने, प्रधान रामपाल शर्मा और पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला का स्वागत करते हुए कहा कि यह हमारा परम सौभाग्य है कि महासभा के दो सिरमौर और सम्माननीय प्रधान, हमें अपना आशीर्वाद देने, यहां मुंडावर में आए हैं। मैं तहसील मुंडावर की इस धरा पर हृदय की गहराइयों से आपका स्वागत करता हूँ और आशा करता हूँ कि आपका आशीर्वाद सदैव इसी प्रकार से इस समाज पर बना रहेगा।

इस अवसर की शोभा को, द्विगुणित करने वालों में, चेयरमैन सुभाष, राजेंद्र गुरुजी, सतीश जांगिड, योगेश, लोकेश खैरथल, डॉ सुरेश, ओमप्रकाश , राजेश, विजय गुरुजी, गजेंद्र पाल, महेंद्र, राजू , घनश्याम, मोनू, जवाहरलाल और मुकेश सहित काफी संख्या में जांगिड समाज के लोग शामिल थे।

महासभा के उप प्रधान, उजेन्द्र जांगिड, मुंडावर

महासभा में महिलाओं को अहम भूमिका निभाने के साथ ही सदस्यता अभियान में तेजी लाने का आह्वान।

महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, हरियाणा प्रदेश की महिलाओं का आह्वान करते हुए कहा कि हरियाणा प्रदेश में, महिलाओं की संख्या बहुत अधिक है और वह आपस में चर्चा और विचार विमर्श के बाद दूसरे प्रदेशों की, महिला प्रकोष्ठ के सदस्यों से विचार विमर्श करके महिलाओं के उत्थान के लिए और महासभा के साथ जोड़ने का स्तुत्य प्रयास करें और उनके प्रयासों को जांगिड पत्रिका में प्रकाशित किया जाएगा। उन्होंने मध्य प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती माया शर्मा का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने महिलाओं को जागृत करने के लिए बहुत ही सार्थक प्रयास किए हैं। उन्होंने हरियाणा प्रदेश की महिलाओं से आग्रह किया कि अगली बार हरियाणा प्रदेश में होने वाले, महासभा के कार्यक्रम में एक महिला कम से कम 10 महिलाओं को अपने साथ लेकर आए। **उन्होंने मातृशक्ति का आह्वान किया कि वह अपने बच्चों को बेहतर संस्कार और शिक्षा प्रदान करें, क्योंकि बच्चे की पहली गुरु उसकी माँ ही होती है और इसके साथ ही आग्रह किया कि वह अपने छोटे बच्चों को मोबाइल से दूर रखें।**

प्रधान रामपाल शर्मा, फरीदाबाद में, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की त्रैमासिक बैठक और हरियाणा प्रदेश सभा और हरियाणा प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने समारोह स्थल के परिसर में सभी गणमान्य महानुभावों की उपस्थिति में, ध्वजारोहण और उसके पश्चात भगवान विश्वकर्मा जी और महर्षि अंगिरा की आरती और पूजन किया और इसके साथ ही समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महानुभावों को भी सम्मानित किया गया।

हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई देते हुए, महासभा प्रधान ने कहा कि इस स्तुत्य प्रयास के लिए हरियाणा के सभी, महासभा परिवार से जुड़े हुए प्रतिष्ठित महानुभाव बधाई के पात्र हैं और इस निर्वाचित होने की प्रकिया का श्रीगणेश, धारूहेड़ा में प्रदेश अध्यक्ष के लिए, उम्मीदवारों सहित पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के साथ हुई एक बैठक में, पहली बार सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष बनाने के प्रयास की पहल की गई थी, ताकि सर्वसम्मति से हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हो सके और इसमें पक्ष - विपक्ष के महानुभाव उपस्थित थे। इसके बाद 3 जनवरी को नामांकन दाखिल करने के बाद, जांगिड शिरोमणि सभा के अध्यक्ष रमेश सरपंच और महासभा के पूर्व महासचिव अनिल एस जांगिड ने, प्रदेश अध्यक्ष का निर्विरोध चुनाव करवाने में अंहम भूमिका निभाई। मैं हरियाणा प्रदेश के, महासभा से जुड़े परिवार के सदस्यों को बधाई और मुबारकबाद देता हूँ, जिन्होंने यह ऐतिहासिक निर्णय 24 साल बाद लिया है और **आपको याद होगा कि 28 दिसम्बर को रायपुर छत्तीसगढ़ में हुई , महासभा की त्रैमासिक बैठक में भी, मैंने हरियाणा प्रदेश के लोगों से अपील की थी कि वह अबकी बार हरियाणा प्रदेश में , जनवरी में होने वाले प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव निर्विरोध करने का प्रयास करें और मुझे खुशी है कि आपने मेरे अनुनय विनय को स्वीकार करते हुए, प्रदेश अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड का निर्विरोध चुनाव करके पिछले 24 साल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक नया इतिहास रचाया गया है।**

मैं, आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि, **जिस समय आपके इस मुख्य सेवक को दूसरी बार 8 दिसम्बर 2025 को निर्विरोध महासभा का प्रधान बनाया गया था उस समय भी महासभा के पिछले 30 साल का रिकॉर्ड तोड़ा गया था।** मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि आपके इस मुख्य सेवक के कार्यकाल के दौरान, **अब तक सभी 9 प्रदेशों के अध्यक्ष निर्विरोध रुप से निर्वाचित हुए हैं और इसका श्रेय मैं, समाज के उन बुद्धिजीवियों और महासभा द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारियों द्वारा किए गए, सार्थक प्रयासों को देता हूँ, जिनके कारण ही यह इतिहास रचना संभव हो पाया है। मैं उन सभी चुनाव अधिकारियों को भी बधाई देता हूँ।** महासभा के अन्तर्गत आने वाले, प्रदेश जिला, तहसील और शाखा अध्यक्षों का सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त

करने का केवल मात्र एक ही लक्ष्य है कि समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द की भावना बलवती बनी रहे और इससे समाज के पैसे की भी बचत होगी। हालांकि इससे महासभा को आर्थिक नुकसान हुआ है, क्योंकि इससे इतने अधिक सदस्य महासभा से नहीं जुड़ पाते है, लेकिन पैसे की अपेक्षा समाज में आपसी सहयोग और सौहार्द तथा प्रेम और विश्वास ही वह ताकत है, जो पैसे की अपेक्षा अधिक है, जो एक समाज को आगे बढ़ने के लिए अभिप्रेरित करती है। **उन्होंने उपस्थित महानुभावों से विनम्र अनुरोध किया कि वह अधिक से अधिक सदस्यों को महासभा रुपी परिवार से जोड़ने का प्रयास करें ताकि महासभा के मिशन डेढ लाख का लक्ष्य , शीघ्र से शीघ्र हासिल किया जा सके। महासभा के डेढ़ लाख मिशन प्रभारी रामजी लाल जांगिड के साथ अजमेर के रहने वाले ब्रह्मदेव जांगिड को सदस्य मिशन डेढ लाख का सहप्रभारी नियुक्त किया गया है।**

प्रधान रामपाल शर्मा ने बल्लभगढ़ के विधायक और पूर्व मंत्री पंडित मूल चंद शर्मा से अनुनय विनय किया है, फरीदाबाद में सभी समाजों के पास अपने भवन या जमीन है, लेकिन जांगिड समाज के पास यह सुविधा नहीं है। इसलिए फरीदाबाद में जांगिड समाज को भवन निर्माण के लिए जगह दिलवाने का कष्ट करें, यह समाज आपका सदैव ही आभारी रहेगा। उन्होंने कहा कि श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज समाज की ऐतिहासिक एक धरोहर और यह समाज की आन बान और शान है और समाज की 120 वर्ष पुरानी एक अनमोल विरासत है और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन नहीं बना था, उससे भी पहले का यह ऐतिहासिक मंदिर है। यह मन्दिर दिल्ली प्रदेश की आत्मा है। **उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि वह आज से 48 साथ पहले, दिल्ली में पहली बार गए थे और उसके बाद तो, मेरा भगवान विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज में निरन्तर ही आना जाना लगा रहा है और इस मन्दिर से मेरा विशेष रूप से आत्मिक लगाव है।** उन्होंने कहा कि अब नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा है और **वैसे तो इस बात की आंशका बहुत ही कम है कि इस पहाड़गंज के भगवान विश्वकर्मा के मन्दिर के बारे में शायद ही कोई भी, किसी प्रकार का रेलवे मंत्रालय की तरफ से कोई नोटिस आए।** लेकिन फिर भी, किसी प्रकार की अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण , अगर कोई नोटिस भी आता है , तो शाखा सभा से लेकर महासभा तक के सभी पदाधिकारी मिलकर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक अपनी समस्या को पहुंचायेंगे। **उन्होंने याद दिलाया कि इस बारे में, सांसद रामचन्द्र जांगड़ा के नेतृत्व में, पहाड़गंज मन्दिर समिति का एक प्रतिनिधिमंडल, पिछले महीने ही, केन्द्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी कुमार वैष्णव से मिला था और उन्होंने इस प्रतिनिधि मंडल को विश्वास दिलाया था कि इस मन्दिर को कोई भी नुकसान नहीं होने दिया जाएगा।**

प्रधान ने कहा कि महासभा का कार्यालय सत्तीमठ पर स्थानांतरित करने पर विचार किया जा रहा है। **वहां पर एक छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है, जो जल्दी ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा से आग्रह किया कि वह इस कार्य को जल्दी से जल्दी करवाने का भरसक प्रयास करें, क्योंकि उनका 10 महीने का कार्यकाल शेष बचा है और इससे पहले यह उल्लेखनीय उपलब्धि आपके नाम हो जानी चाहिए।** इसके साथ ही भामाशाहों और दानदाताओं से अपील की, कि **वह इस समाज उत्थान के कार्य में 11 लाख, 21 लाख और 51 लाख रुपए की सहायता करके पुण्य के भागी बन सकते हैं और इसके अतिरिक्त जिन दान दाताओं ने महासभा भवन के निर्माण के समय जितनी भी राशि, दान स्वरूप देने की घोषणा की थी, वह राशि भी शीघ्र ही महासभा के खाते में जमा करवाने का कष्ट करें।**

मुण्डका में बनाए गए, महासभा भवन को किराए पर देने पर विचार किया जा रहा है और इस बारे में, उपस्थित समाज के लोगों से आग्रह किया कि अगर उनकी दृष्टि में कोई बेहतर किराएदार हों तो, इस मामले में सहायता करें।

उन्होंने हरियाणा के पूर्व मंत्री और बल्लबगढ़ के विधायक मूलचंद शर्मा और आदमपुर के विधायक द्वारा इस समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए महासभा परिवार की तरफ से हृदय के अन्तःकरण से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपने, इस समारोह की शोभा को द्विगुणित किया है और आपके द्वारा दिए गए मार्ग दर्शन पर चलते हुए, यह समाज प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा। प्रधान रामपाल शर्मा ने, इसके साथ ही फरीदाबाद जिला सभा द्वारा की गई, ठहरने और कार्यक्रम के आयोजन के लिए की गई बेहतरीन व्यवस्था करने के लिए भूरि - भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि यह लोगों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ने में कामयाब रहा। फरीदाबाद जिला सभा का पुनः हृदय से आभार और धन्यवाद।

इस समारोह में, महासभा के मुख्य संरक्षक भंवरलाल कुलरिया, महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम

जांगिड, महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड, महासभा के कोषाध्यक्ष अनिल जांगिड (अरुण कुमार), राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने भी अपने सारगर्भित विचार व्यक्त करते हुए फरीदाबाद जिला सभा द्वारा इस प्रकार का, भव्य आयोजन करने के लिए आभार व्यक्त किया और नई कार्यकारिणी और महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी के सफल कार्यकाल की मनोकामना करते हुए, समाज के बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के साथ ही बेहतर संस्कार देने की भी वकालत की गई।

हरियाणा के नवनियुक्त अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड ने भाव विह्वल होते हुए कहा कि, आप सभी ने इस कार्यक्रम में शामिल होकर न, केवल इसकी गरिमा बढ़ाई, अपितु, हरियाणा प्रदेश का मान - सम्मान भी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि विशेषकर **प्रधान रामपाल शर्मा ने जिस प्रकार से अपने उन्मुक्त भाव से समाज के कल्याण के लिए जो सारगर्भित विचार व्यक्त किए हैं, उनका पालन करने से ही, समाज को एक नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। इसके साथ ही मैं हरियाणा प्रदेश में 24 साल बाद , निर्विरोध रुप से अध्यक्ष चुन कर समाज ने मुझ पर अगाध विश्वास व्यक्त किया है और मेरे कंधों जो भार डाला है, उस भार को हम सभी मिलकर ही उठा सकते हैं और एक साथ मिलकर, समाज के विकास के लिए कार्य करेंगे** और मैं, प्रदेश और महासभा की आंकाक्षाओं पर हमेशा ही खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करूंगा। आपका स्नेह और प्यार इस प्रदेश सेवक पर , सदैव ही इसी प्रकार से बना रहे। इसके साथ ही मैं अपनी कार्यकारिणी के कर्मठ और समर्पित कार्यकर्ताओं का भी, आभार व्यक्त करता हूँ। जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में तन - मन और धन से यथा सम्भव भरपूर सहयोग दिया और **अतिथि देव भव: की** पालना करते हुए अतिथियों की सेवा की, फिर भी अगर कोई भी कमी रह गई हो तो हरियाणा प्रदेश सभा और जिला सभा फरीदाबाद इसके लिए क्षमा प्रार्थी है। अन्त में, मैं जिला सभा अध्यक्ष फरीदाबाद चरणपाल जांगिड, जिला सचिव राजेंद्र जांगिड एवं कार्यकारिणी के समस्त सदस्यों का धन्यवाद करना चाहूँगा जिन्होंने अपने अथक प्रयासों से, इस भव्य और गरिमापूर्ण आयोजन को सफल बनाने में अमूल्य योगदान दिया। आप सभी का पुनः हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने उपस्थित होकर समारोह की गरिमा को द्विगुणित किया।

हरियाणा प्रदेश सभा, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ और जिला सभा फरीदाबाद द्वारा आयोजित इस समारोह को चार चांद लगाने वालों में, बल्लबगढ़ के विधायक और पूर्व मंत्री मूल चंद शर्मा,आदमपुर के विधायक चन्द्र प्रकाश जांगिड, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रवि शंकर शर्मा, महासभा के मुख्य संरक्षक भंवरलाल कुलरिया, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड, महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा और कार्यालय अधीक्षक ऋषि प्रकाश जांगिड, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण कुमार शर्मा, सह संपादक प्रहलाद राय शर्मा, प्रसिद्ध उद्योगपति पी .एल शास्त्री और भामाशाह राजेश शर्मा, महासभा के पूर्व महामंत्री अनिल एस जांगिड, महासभा के सदस्यता मिशन डेढ़ लाख प्रभारी रामजी लाल जांगिड और सहप्रभारी ब्रह्मदेव जांगिड, हरियाणा प्रदेश सभा के अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड, हरियाणा प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र नम्बरदार, प्रदेश महामंत्री टेकचंद जांगिड, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा, पहाड़गंज विश्वकर्मा मंदिर के प्रधान गंगादीन जांगिड, महामंत्री देशराज जांगिड, कोषाध्यक्ष रामकिशन शर्मा, उत्तरप्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा, उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, छतीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष भोलाराम शर्मा, मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार शर्मा, हरियाणा महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सुमन जांगिड, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, महासभा के आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सत्यपाल वत्स, सेवा निवृत्त जज जयसिंह जांगिड, अनुशासन समिति के सदस्य एडवोकेट एन एल जांगिड, उच्च स्तरीय समिति के सदस्य एडवोकेट पुखराज जांगिड, आबकारी एवं कराधान विभाग के पूर्व संयुक्त आयुक्त, आर के केश्वानिया, पूर्व पुलिस अधीक्षक फूल कुमार शर्मा और पूर्व अधीक्षक अभियंता सोहनलाल शर्मा, राजस्थान प्रदेश सभा के महामंत्री कैलाश शर्मा, फरीदाबाद जिला महामंत्री राजेंद्र प्रसाद जांगिड, विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष और सदस्य, कोर कमेटी, उच्च स्तरीय समिति के सदस्य, राजनैतिक सलाहकार समिति और विधि सलाहकार समिति के सदस्य पत्रकार हरिराम जांगिड, महासभा के मीडिया प्रभारी राजेश शर्मा, धीरज शर्मा, महेश जांगिड, जांगिड पत्रिका के प्रकाशक रमेश शर्मा, अनुशासन समिति के सदस्य, प्रदेश कार्यकारिणी और महिला कार्यकारिणी के सदस्य, हरियाणा प्रदेश के जिला अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष और शाखा अध्यक्ष तथा मातृशक्ति और युवाओं ने इसमें भाग लेकर इसकी गरिमा को चार चांद लगाने में कार्य करते हुए इसे सफलता के अंजाम तक पहुंचाया। विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

हरियाणा प्रदेश के, समाज के बच्चों को बेहतर शिक्षा और संस्कार देने का दायित्व प्रदेश अध्यक्ष का है

आदमपुर विधायक, चन्द्र प्रकाश जांगिड

आदमपुर के विधायक और पूर्व आईएएस अधिकारी, चंद्र प्रकाश जांगिड ने, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष, हनुमान प्रसाद जांगिड से कहा कि उनसे समाज को बहुत सी उम्मीदें हैं और उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष से आग्रह किया कि उनको समाज की भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला कल्याण और समाज को संगठित करने का कार्य करने पर विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है और इसके साथ ही प्रदेश में, विशेष रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं पर अधिक कार्य करने की महत्ती आवश्यकता है, क्योंकि शिक्षा ही एक ऐसा मूल मंत्र है, जिससे समाज और देश का विकास संभव है और इसके इसके साथ ही, अपने बच्चों को बेहतर संस्कार प्रदान करें, ताकि आने वाली पीढी के भविष्य को उज्ज्वल और सार्थक बनाया जा सके।

विधायक चन्द्र प्रकाश जांगिड ने, यह विचार 5 अप्रैल को, फरीदाबाद में, हरियाणा प्रदेश सभा के सौजन्य से आयोजित अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की त्रैमासिक बैठक और हरियाणा प्रदेश सभा की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर, उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। **उन्होंने हरियाणा प्रदेश सभा की कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ भी दिलवाई और कार्यकारिणी के सदस्यों को संकल्प करवाया कि वह ऐसा कोई कार्य नहीं करेंगे, जिससे समाज का अहित होता हो।** फरीदाबाद पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड और इसकी टीम के सदस्यों ने स्वागत करते हुए भावभीना स्वागत किया। समारोह का श्रीगणेश झण्डारोहण और भगवान विश्वकर्मा और ऋषि अंगिरा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि करके प्रधान रामपाल शर्मा सहित समाज के प्रबुद्ध लोगों द्वारा पूजा अर्चना के साथ किया गया।

हरियाणा प्रदेश के अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड और उसकी टीम को बधाई देते हुए चन्द्र प्रकाश जांगिड ने कहा कि हनुमान प्रसाद जांगिड को, सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है और हरियाणा में एक लम्बे समय 24 साल बाद, सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है और इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए, समाज के अग्रणी लोगों, जिनमें महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और सभी प्रदेश अध्यक्षों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारा हमेशा प्रयास होना चाहिए कि चाहे महासभा प्रधान हो या प्रदेश अध्यक्ष, इनका चुनाव सर्वसम्मति से किए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। समाज के सभी गणमान्य व्यक्तियों ने अथक प्रयास करके, हनुमान प्रसाद जांगिड को सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष बनाने में अमूल्य योगदान दिया है। एक बार पुनः उनको मेरी तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएं।

विधायक ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष से, प्रदेश के लोगों को बहुत सी उम्मीदें होती हैं और उनको, उन सभी उम्मीदों पर हमेशा ही, खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करना चाहिए और इसके साथ ही उन्होंने महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, के अधिकतर प्रदेश अध्यक्षों के निर्विरोध निर्वाचित करवाने के निर्णय का भरपूर स्वागत करते हुए कहा कि समाज में उन्होंने एक स्वस्थ परंपरा और परिपाटी का प्रचलन शुरू किया है और सर्वसम्मति के माध्यम से न केवल समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने में मदद मिलती है, अपितु समाज का पैसा भी बचता है। उन्होंने कहा कि नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को, समाज को संगठित करके एक नई दिशा देने का हर सम्भव प्रयास करने की नितान्त आवश्यकता है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि हमारे बुजुर्गो ने हमें जो संस्कार दिए हैं, उनको आत्मसात करते हुए ही, युवा पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करना है, इसमें चाहे, शिक्षा या स्वास्थ्य, महिला कल्याण और युवाओं को रोजगार दिलवाना शामिल है और इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को, सत्य निष्ठा पूर्वक तरीके से पालन करते हुए अपना दायित्व निर्वहन करना है।

प्रदेश अध्यक्ष की शालीनता, सौम्य और सद्व्यवहार की प्रशंसा करते हुए, चन्द्र प्रकाश जांगिड ने कहा कि उनका व्यक्तित्व सरलता और सहजता का प्रतीक है और आप इस समाज को, बहुत आगे ले जा सकते हो और इसके साथ ही हरियाणा प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए हुए सभी जिला अध्यक्षों का भी स्वागत और अभिनन्दन करता हूँ। मेरी सभी से यही करबद्ध प्रार्थना है कि सभी आपस में मिलकर समाज में, आपसी भाईचारा बनाए रखते हुए, समाज के उत्थान के लिए सत्य निष्ठा पूर्वक तरीके से कार्य करें और इसके साथ ही अपनी पुश्तैनी जड़ों से हमेशा ही जुड़े रहें और समाज के गरीब भाईयों की यथा संभव मदद करें, ताकि वह भी समाज की मुख्य धारा में शामिल हो सकें।

हरियाणा के पूर्व मंत्री और बल्लबगढ़ के विधायक मूल चंद शर्मा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए, आदमपुर के विधायक चन्द्र प्रकाश जांगिड ने, मूलचंद शर्मा का समाज की तरफ से हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि, आज वह हमारे मेहमान हैं और हमारे लिए यह गौरव का क्षण है। फरीदाबाद जिला जांगिड सभा द्वारा, **समाज का भवन निर्माण करने के लिए जमीन उपलब्ध करवाने के लिए समाज के लोगों की मांग का उल्लेख करते हुए, उन्होंने पूर्व मंत्री मूलचंद शर्मा से कहा कि हमारे समाज को भवन निर्माण के लिए प्लाट दिलवाने के मामले में, जहां पर भी चलना होगा मैं, मूलचंद शर्मा साथ चलने के लिए तैयार हूँ, लेकिन समाज की यह मांग हर हाल में पूरी होनी चाहिए।**

उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज ने, अपने परिश्रम और पुरुषार्थ से सभी जातियों में अपनी एक विशेष पहचान बनाई है और **यही कारण है कि इस समाज को 35 बिरादरियों के द्वारा बड़े ही, मान-सम्मान से देखा जाता है। जिस समय राष्ट्र निर्माण की बात आती है तो, इस समाज का राष्ट्र निर्माण में भी अमूल्य योगदान है।** उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि वह कई जिलों में डी सी और मंडल आयुक्त भी रहे हैं, लेकिन उनके दरवाजे समाज के लोगों के लिए सदैव ही खुले रहते थे और वह हमेशा ही, समाज के लोगों के लिए हर समय उपलब्ध रहते थे और जहां तक हो सकता था वह उनकी हर संभव सहायता करने का हमेशा ही स्तुत्य प्रयास करते थे।

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, हरियाणा के पूर्व मंत्री और बल्लबगढ़ के विधायक मूलचंद शर्मा, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रवि शंकर शर्मा, अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड, महासभा के मुख्य संरक्षक भंवरलाल कुलरिया, गुरूग्राम के उद्योगपति पी एल शास्त्री, महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड, महासभा के कोषाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा, महासभा के कार्यालय अधीक्षक ऋषि प्रकाश जांगिड, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा, सह संपादक प्रहलाद राय शर्मा, शिरोमणि सभा के चेयरमैन लीलू राम जांगिड, पूर्व जज जयसिंह जांगिड, फरीदाबाद के जे बी जे ग्रुप के एम डी और भामाशाह राजेश जांगिड, पहाड़गंज विश्वकर्मा मंदिर के प्रधान गंगादीन जांगिड, महामंत्री देशराज जांगिड, कोषाध्यक्ष रामकिशन शर्मा, महासभा के आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सत्य पाल वत्स, प्रदेश अध्यक्षों में, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला, छतीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष भोला राम शर्मा, दिल्ली प्रदेश- प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा, उत्तरप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा, उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड और हरियाणा प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र नम्बरदार, हरियाणा महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती सुमन जांगिड, पूर्व पार्षद और महासभा के उच्च स्तरीय समिति के सदस्य, हिसार से ओमप्रकाश जांगिड, हरियाणा प्रदेश प्रभारी हिसार के अजय कान्त जांगिड, विधि सलाहकार समिति के सदस्य एडवोकेट एन एल जांगिड, पूर्व संयुक्त आयुक्त आर के केशवानिया, सिंचाई विभाग के पूर्व अधीक्षक अभियंता सोहनलाल शर्मा, पूर्व पुलिस अधीक्षक फूल कुमार जांगिड, पत्रकार हरिराम जांगिड, राजेश जांगिड, मीडिया प्रभारी, धीरज शर्मा और महेश शर्मा, जांगिड पत्रिका के प्रकाशक, रमेश कुमार शर्मा, कोर कमेटी, उच्च स्तरीय समिति, विधि सलाहकार, राजनैतिक सलाहकार समिति के सदस्य और विभिन्न प्रदेशों के प्रभारी और हरियाणा प्रदेश के जिला अध्यक्षों सहित मातृशक्ति और युवा भारी संख्या में शामिल थे। ********

जांगिड समाज ने विश्व में कला कौशल और निर्माण के क्षेत्र में ख्याति अर्जित की है।

विधायक मूल चंद शर्मा का समाज के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान।

हरियाणा के पूर्व केबिनेट मंत्री और बल्लबगढ़ के विधायक मूलचंद शर्मा ने जांगिड समाज के लोगों का आह्वान किया कि वह एकजूट होकर समाज के उत्थान के लिए कार्य करें, ताकि समाज आशातीत प्रगति कर सके। उन्होंने जांगिड समाज के लोगों की भूरि -भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि **जांगिड समाज ने हमेशा ही दुनिया को एक नई दिशा देने का कार्य किया है और सामाजिक एकता, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य करते हुए अमूल्य योगदान दिया है और भविष्य में भी इसी सत्य निष्ठा और समर्पण की भावना से ओत-प्रोत होकर कार्य करते हुए समाज को आगे बढ़ाने का स्तुत्य प्रयास करेंगे।**

विधायक मूल चंद शर्मा, 5 अप्रैल को फरीदाबाद में आयोजित, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की त्रैमासिक बैठक और हरियाणा प्रदेश सभा की नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे।

पूर्व मंत्री ने, प्रदेश अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड और उसकी कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कहा कि नव गठित कार्यकारिणी जांगिड समाज के विकास और संगठन को मजबूत करने के लिए सभी मिलजुल कर कार्य करेंगे और आगे आने वाली पीढ़ी को कैसे बेहतर संस्कार दिए जाए इस पर फोकस करना चाहिए। मैं आपके समाज पर भरोसा करता हूँ कि मैंने ऐसा शरीफ समाज नहीं देखा है और इस समाज को कभी लड़ते झगड़ते हुए नहीं देखा है और यह पूर्व जन्म के संस्कार हैं। उन्होंने कहा कि मेरा इस समाज से विशेष लगाव है और मैं पहले भी आपके समाज के समारोह में आ चुका हूँ। मैं आपको अपने परिवार का सदस्य समझता हूँ , क्योंकि आपने चुनाव में हमेशा ही मेरा साथ दिया है और आपके समाज की कृपा से तीन बार विधायक बनने का अवसर प्राप्त हुआ है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि जांगिड समाज के लोग आने वाली पीढ़ी को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम करेंगे। आपके समाज ने अपने परिश्रम और पुरुषार्थ से कला कौशल और निर्माण के क्षेत्र में ख्याति अर्जित की है, वह इसका एक ज्वलंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस समाज के बहुत से बच्चे सरकारी नौकरियों में लग रहें हैं और इसके अतिरिक्त जांगिड समाज धार्मिक क्षेत्र में भी सक्षम है। मैं जांगिड समाज के अनेक कार्यक्रमों में गया हूँ। मेरा बहुत मान सम्मान किया गया है।

जांगिड समाज द्वारा फरीदाबाद में, भवन निर्माण के लिए, हरियाणा सरकार के माध्यम से जमीन उपलब्ध करवाने की प्रधान रामपाल शर्मा की मांग का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि आपके समाज द्वारा यह मांग पहले भी रखी गई थी और मैं इस मंच से आपको विश्वास दिलाता हूँ कि आप मुझे फरीदाबाद में भवन निर्माण के लिए उचित जगह ढूंढ कर बतला दो, मैं इस मामले में, आपकी पूरी मदद करने का भरोसा दिलवाता हूँ। इसके लिए चाहे मुझे कुछ भी करना पड़े। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी कोई जगह ढूंढकर बताओं जहां पर भी भवन बन सकता है।

समारोह स्थल पर पहुंचने पर विधायक मूल चंद शर्मा का , हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड और उसकी टीम के सदस्यों और जिला सभा फरीदाबाद के महासचिव राजेंद्र जांगिड और जिला सभा की कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों द्वारा पलक पांवड़े बिछाकर उनका भावभीना स्वागत किया गया और उनको साफा, शाल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में,आदमपुर के विधायक चन्द्र प्रकाश जांगिड, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रवि शंकर शर्मा, महासभा के मुख्य संरक्षक भंवरलाल कुलरिया, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड, प्रतिष्ठित उद्योगपति पी एल शास्त्री, रमेश सरपंच कासन, भामाशाह राजेश कुमार (जे.बी.जे), महेंद्र जांगिड , महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड और पूर्व महामंत्री अनिल एस जांगिड, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा और कार्यालय अधीक्षक ऋषि प्रकाश जांगिड, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण कुमार शर्मा, सह संपादक प्रहलाद राय शर्मा, हरियाणा प्रदेश सभा के अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड, कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र नम्बरदार, महामंत्री टेकचंद जांगिड, कोषाध्यक्ष मा.स्वराज जांगिड, मुख्य चुनाव अधिकारी सुनील जांगिड, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्येंद्र जांगिड, उपाध्यक्ष ज्ञान सिंह जांगिड पलवल, हरियाणा महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सुमन बाला जांगिड, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष, बाबूलाल शर्मा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, मध्यप्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला, उत्तराखंड के अध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा, उत्तरप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा,

छतीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष भोला राम शर्मा, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार शर्मा, सेवा निवृत्त जज जयसिंह जांगिड, अनुशासन समिति के सदस्य एडवोकेट एन एल जांगिड, आबकारी एवं कराधान विभाग के पूर्व अतिरिक्त आयुक्त, आर के केशवानिया, पूर्व पुलिस अधीक्षक फूल कुमार शर्मा और अधीक्षक अभियंता सोहनलाल शर्मा, पहाड़गंज विश्वकर्मा मंदिर के प्रधान गंगादीन जांगिड, महामंत्री देशराज जांगिड, कोषाध्यक्ष रामकिशन शर्मा, फरीदाबाद के प्रसिद्ध उद्योगपति धनपत जांगिड, रतन लाल शर्मा, धनसिंह शर्मा, धर्मपाल शर्मा, रामकरण जांगिड, सतीश वामदेव, सोमदेव जांगिड, सुरेंद्र जांगिड, धर्मचंद जांगिड, राजवीर जांगिड, कैप्टन सूरजभान, दिलीप सुथार एवं धारूहेड़ा से जगन्नाथ जांगिड, गिरधारी लाल जांगिड, होडल से महेंद्र जांगिड, मोहन जांगिड, ओम प्रकाश जांगिड, डॉ मुकेश जांगिड जिला अध्यक्ष नुंह एवं वरिष्ठ जन, प्रबुद्धजन, शिक्षाविद, गणमान्य और उच्च स्तरीय कोर कमेटी, समस्त प्रदेश प्रभारी, राजनीति व विधि सलाहकार सदस्य, महासभा मीडिया प्रभारी, हरियाणा के समस्त जिला/तहसील/ब्लॉक व शाखा अध्यक्ष कार्यकारिणी ने शिरकत कर आयोजन को भव्यता प्रदान करते हुए यादगार बनाया।

आयोजन व्यवस्था में, ब्रह्मर्षि शिक्षा समिति के चेयरमैन बलबीर शर्मा, पीतांबर जांगिड जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शाखा सचिव राजेंद्र जांगिड, जयसिंह जांगिड, लाल सिंह जांगिड, रामकुमार जांगिड, शाखा अध्यक्ष बल्लभगढ़ गोविंदराम जांगिड, ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल जांगिड ओमप्रकाश बरनेला, ऋषि पाल, सुरेश जांगिड सेक्टर 55, राजू जांगिड , शाखा अध्यक्ष अशोक जांगिड और युवा ब्रिगेड से प्रतीक जांगिड प्रदेश सह कोषाध्यक्ष, वेद प्रकाश जांगिड, जोगेंद्र जांगिड, सुभाष जांगिड, नीरज जांगिड, धीरज जांगिड, हरीश जांगिड, मा.उमेश जांगिड, सचिन जांगिड, दिनेश जांगिड, लेखराज जांगिड, महेश जांगिड साहुपुरा, तरुण जांगिड अटाली, मा. इंदर जांगिड, अजीत जांगिड, किशनपाल जांगिड, वेद रतन जांगिड, लक्ष्मण जांगिड सागर पुर, जगदीश जांगिड, मदन जांगिड पन्हेरा व अन्य साथियों के सामूहिक प्रयास से आयोजन को सफलता के अंजाम तक पहुंचाया।

आयोजन में पधारने वाले समस्त अतिथि गणों का हृदय की गहराइयों से आभार व धन्यवाद। आयोजन में जाने अनजाने या भूल वश किसी आदरणीय अतिथि गण का मान सम्मान ना हुआ हो या व्यवस्था में चूक रही हो तो जिला सभा, फरीदाबाद उसके लिए क्षमा प्रार्थी है।

फरीदाबाद जिला महासिचव, राजेन्द्र जांगिड

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की गरिमामय त्रैमासिक बैठक संपन्न

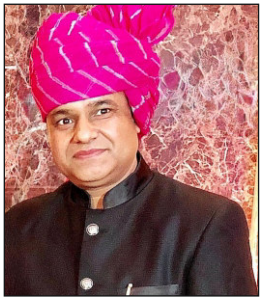

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के अंतर्गत कार्यरत प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्षों, प्रदेश प्रभारियों एवं महासभा पदाधिकारियों की चतुर्थ त्रैमासिक बैठक हरियाणा प्रदेश सभा के सौजन्य से श्री रामपाल शर्मा, प्रधान महासभा की अध्यक्षता में दिनांक 05 अप्रैल, 2026, फरीदाबाद (हरियाणा) में आयोजित की गई। बैठक के दौरान महासभा के कोषाध्यक्ष श्री अनिल जांगिड (अरुण कुमार) ने संगठन की वित्तीय स्थिति और आगामी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

महासभा के कोषाध्यक्ष श्री अनिल जांगिड (अरुण कुमार) ने अपने संबोधन में कहा कि महासभा के हिसाब-किताब में पूर्ण पारदर्शिता बरती जा रही है, क्योंकि महासभा पर जितना अधिकार उनका है, उससे अधिक अधिकार महासभा परिवार के प्रत्येक सदस्य का है। उन्होंने सर्वप्रथम प्रधान श्री रामपाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें समाज की 119 वर्ष पुरानी महासभा का कोषाध्यक्ष बनाकर गौरव प्रदान किया गया है, जिसके लिए वे सदैव आभारी रहेंगे। महासभा की त्रैमासिक बैठक में कोषाध्यक्ष श्री अनिल जांगिड (अरुण कुमार) द्वारा महासभा की आय-व्यय का विस्तृत, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी विवरण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि 1 दिसंबर 2025 से 31 मार्च 2026 तक महासभा की आय एवं व्यय का संपूर्ण विवरण सभी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

अपने संबोधन में उन्होंने महासभा की वर्तमान आर्थिक स्थिति, आय के प्रमुख स्रोतों तथा विभिन्न मदों में किए गए व्यय का तथ्यपूर्ण एवं स्पष्ट विवरण देते हुए संगठन में वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि बड़ी-बड़ी संस्थाओं में कभी-कभी कुछ लोग भ्रम फैलाने हेतु दुष्प्रचार करते रहते हैं, इसलिए पारदर्शिता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि महासभा के प्रधान श्री रामपाल शर्मा की भी यही सोच है कि प्रत्येक कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया जाए, और उसी के अनुरूप महासभा में पारदर्शिता का यह मापदंड अपनाया गया है।

इस अवसर पर यह भी अवगत कराया गया कि महासभा आयकर अधिनियम की धारा 80G के अंतर्गत पंजीकृत है, जिसके तहत महासभा को दी गई दानराशि पर दानदाताओं को नियमानुसार कर में छूट (Tax Exemption) का लाभ प्राप्त होता है। इससे समाज के सदस्यों में सहयोग एवं सहभागिता की भावना को और अधिक प्रोत्साहन मिलता है।

प्रस्तुत किए गए लेखा-जोखा की जानकारी को उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों द्वारा सराहा गया। उन्होंने यह विश्वास दिलाया कि भविष्य में अपने कुशल व्यवहार एवं कार्यशैली के माध्यम से सभी का विश्वास एवं स्नेह प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने सभी सदस्यों का ध्यानपूर्वक सुनने के लिए पुनः आभार व्यक्त किया। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती, सामाजिक समरसता तथा आगामी योजनाओं को लेकर गंभीर एवं सकारात्मक विचार-विमर्श किया गया। सभी सदस्यों ने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए अपने-अपने महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक सुझाव प्रस्तुत किए, जिससे भविष्य की कार्य योजनाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष एवं उनकी कार्यकारिणी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं साथ ही यह आशा एवं विश्वास व्यक्त किया गया कि उनके कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश सभा निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होगी तथा समाज के उत्थान एवं कल्याण के लिए नए आयाम स्थापित करेगी।

अनिल जांगिड (अरुण कुमार) कोषाध्यक्ष,
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

हरियाणा प्रदेश, महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 5 अप्रैल को फरीदाबाद में आयोजित किया गया।

हरियाणा प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सुमन जांगिड ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में, जिस प्रकार से महिलाओं में जागृति आ रही है और प्रत्येक क्षेत्र में, चाहे वह शिक्षा, स्पेस, बैंकिंग सर्विस, अनुसंधान, सेना हो या राजनीति, सभी क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और भविष्य में जांगिड समाज की महिलाओं को भी, राजनीति के क्षेत्र में आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है, क्योंकि आज बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं आगे आ रही हैं।

महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष ने, यह विचार, फरीदाबाद में, 5 अप्रैल को अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की त्रैमासिक बैठक, हरियाणा प्रदेश सभा और हरियाणा प्रदेश महिला प्रकोष्ठ के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

श्रीमती सुमन जांगिड ने, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती सविता शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, उन्होंने मुझ पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उस विश्वास पर मैं, हर हालात में खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करूंगी। उल्लेखनीय है कि फरीदाबाद में अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली की कार्यकारिणी की त्रैमासिक मीटिंग व प्रदेश सभा, हरियाणा एवं महिला प्रकोष्ठ प्रदेश सभा, हरियाणा की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह महासभा प्रधान रामपाल शर्मा की अध्यक्षता में 5 अप्रैल को गरिमापूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ और इसमें हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड व हरियाणा महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती सुमन जांगिड द्वारा नवनियुक्त कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ भी दिलवाई गई।

उन्होंने कहा कि महिला प्रकोष्ठ प्रदेश हरियाणा की इस नवगठित कार्यकारिणी में, अम्बाला से श्रीमती उर्मिला देवी जांगिड को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हिसार से श्रीमती संतोष देवी जांगिड, गुड़गांव से स्नेह लता जांगिड, पलवल से भावना विश्वकर्मा, कैथल से कांता रानी जांगिड को उपाध्यक्ष बनाया गया है और हिसार से ललिता जांगिड को प्रदेश मंत्री व गन्नौर से मुकेश रानी जांगिड को सहमंत्री और हिसार से किरण कुमारी को कोषाध्यक्ष व महेन्द्रगढ़ से डिम्पल देवी जांगिड, नारनौंद जिला हांसी से नीलम देवी जांगिड, कोसली से पूनम जांगिड, हाजमपुर से मोनिका जांगिड, तूम्बाहेड़ी से रेखा जांगिड, सिरसा से सरोज जांगिड, महेन्द्रगढ़ से उषा देवी जांगिड, कैथल से रामकली जांगिड को संगठन मंत्री बनाया गया है। इसी प्रकार से हिसार से सुनीता जांगिड, कविता जांगिड, मीना रानी जांगिड, किरण जांगिड, महेन्द्रगढ़ से अंजू देवी जांगिड, हांसी से इन्द्रावती जांगिड को प्रचार मंत्री और बरजी देवी जांगिड को हिसार से सक्रिय सदस्य नियुक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की महिला प्रकोष्ठ की, शपथ लेने वाली सभी पदाधिकारियों का ड्रेस कोड पिक साड़ी था।

इस शपथ ग्रहण समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वाली, मातृशक्ति में, मध्य प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष माया शर्मा, महिला प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती उषा शर्मा, हरियाणा महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश मंत्री ललिता जांगिड, मेरठ जिला अध्यक्ष श्रीमती चितवन शर्मा जांगिड और उत्तराखण्ड देहरादून से महासभा की महिला प्रकोष्ठ की संगठन मंत्री, श्रीमती मोनिका जांगिड, अध्यक्ष बीना शर्मा महिला प्रकोष्ठ जवाहर कॉलोनी फरीदाबाद, उपाध्यक्ष नीलम जांगिड, सचिव आशा शर्मा, लीला शर्मा धर्मपत्नी राजेंद्र जांगिड,जिला सचिव, मीनू शर्मा, रश्मी शर्मा, पुष्पा शर्मा, कौशल शर्मा, मंजु शर्मा, सविता जांगिड, प्रियंका जांगिड, शीला जांगिड, मीना शर्मा, मिथलेश जांगिड, गीता जांगिड, राजरानी, कैलाश एवं प्रेम शामिल है, जिन्होंने उपस्थित होकर इस समारोह की शोभा बढ़ाई।

इस समारोह की अध्यक्षता महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने की और हरियाणा सरकार में पूर्व मंत्री और बल्लबगढ़ के विधायक मूलचंद शर्मा, आदमपुर के विधायक चन्द्रप्रकाश जांगिड, महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रवि शंकर शर्मा, महासभा के मुख्य संरक्षक भंवरलाल कुलरिया, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड, महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड. कोषाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा और कार्यालय अधीक्षक ऋषि प्रकाश जांगिड, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण कुमार शर्मा, सह सम्पादक प्रहलादराय शर्मा, प्रसिद्ध उद्योगपति पी एल शास्त्री और उधोगपति और भामाशाह राजेश शर्मा, हरियाणा प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र नम्बरदार, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष, बाबूलाल शर्मा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा, मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष प्रभुदयाल बरनेला, छत्तीसगढ प्रदेश अध्यक्ष भोलाराम शर्मा, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्रकुमार शर्मा, उत्तराखण्ड प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा, उत्तरप्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा, सेवा निवृत्त जज जयसिंह जांगिड, अनुशासन समिति के सदस्य एडवोकेट एन एल जांगिड, आबकारी एवं कराधान विभाग के पूर्व अतिरिक्त आयुक्त, आर के केशवानिया, फरीदाबाद के

प्रदेश महामंत्री टेकचंद जांगिड, कोषाध्यक्ष मा. स्वराज जांगिड, मुख्य चुनाव अधिकारी सुनील जांगिड, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्येंद्र जांगिड, जिला अध्यक्ष फरीदाबाद चरणपाल जांगिड, जिला महामंत्री राजेंद्र जांगिड, पहाड़गंज विश्वकर्मा मंदिर के प्रधान गंगादीन जांगिड, महामंत्री देशराज जांगिड, कोषाध्यक्ष रामकिशन शर्मा, विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष और सदस्य, कोर कमेटी, उच्च स्तरीय समिति के सदस्य, राजनैतिक सलाहकार समिति और विधि सलाहकार समिति के सदस्य पत्रकार हरिराम जांगिड, महासभा के मीडिया प्रभारी राजेश शर्मा और धीरज शर्मा, महेश जांगिड, जांगिड पत्रिका के प्रकाशक रमेश शर्मा, प्रदेश के जिला अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष और शाखा अध्यक्ष तथा मातृशक्ति और युवाओं ने इसमें भाग लेकर इसकी गरिमा को चार चांद लगाते हुए इसे सफलता के अंजाम तक पहुंचाया। विपुल धन्यवाद

हरियाणा प्रदेश मंत्री, ललिता जांगिड

राम नवमी मनाने का उद्देश्य तभी सार्थक होगा, जिस समय हम , जीवन में भगवान श्री राम के आदर्शों को आत्मसात करेंगे

महासभा के पूर्व प्रधान, कैलाश बरनेला।

भारत की इस पुण्य धरा के कण कण में देवी देवताओं का वास है और वेदों और उपनिषदों तथा पुराणों के अनुसार गाय माता में 33 कोटि देवी देवताओं का वास माना गया है। इसी धरा पर ऋषि- मुनियों ने अपनी साधना और तपोबल के माध्यम से मानवता के कल्याण का रास्ता प्रशस्त किया। समय - समय पर भगवान ने अवतार लेकर, त्रस्त मानवता को आध्यात्मिकता के द्वारा रास्ता प्रशस्त किया। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने भी भगवान के 7वें अवतार के रूप में अवतरित होकर जो आदर्श स्थापित किए, उनको आत्मसात करके ही, हम अपना जीवन सार्थक कर सकते हैं । आप सभी ने मिलकर चैत्र शुक्ल की नवमी 26-27 मार्च को भगवान श्री राम का जन्मोत्सव और अयोध्या में अवतरण दिवस मनाया और एक दूसरे को बधाई भी दी। आज ही के दिन चैत्र शुक्ल नवमी को भगवान श्री राम का, त्रैता युग में, अयोध्या में राजा दशरथ के घर में अतिप्रिय शुभ, अभिजित मुहूर्त में अवतरण हुआ था और वह समय सभी को शान्ति देने वाला था।

नौमी तिथि मधु मास पुनीता। सुकल पच्छ अभिजित हरिप्रीता।।
***मध्यदिवस अति सीत न घामा। पावन काल लोक विश्रामा*।**

आखिर , रामनवमी के मनाने के पीछे हमारा उद्देश्य क्या है ? और, जब तक उद्देश्य स्पष्ट नहीं होगा, तब तक, उस दिवस को मनाना, केवल एक औपचारिकता बनकर ही रह जाएगा। लेकिन भगवान श्री राम ने आज से हजारों साल पहले जो मर्यादा, आज्ञा पालन, सत्य व्यवहार, समानता और प्रेम तथा भाईचारे का संदेश दिया, वह आज भी उसी प्रकार से मानवता का पथ आलोकित कर रहे हैं और इसकी गरिमा और मर्यादा तभी बनी रहेगी, जब हम, उन उदात्त मूल्यों और संस्कारों का अपने जीवन में पालन करते हुए अक्षरशः लागू करेंगे।

क्या आप इस बात की परिकल्पना कर सकते हैं कि भगवान श्री राम को, उसी कैकयी की जुबान ने 14 वर्ष का वनवास दिलवा दिया, जिस राम को वह अपने बेटे भरत और शत्रुघ्न से भी अधिक प्यार करती थी, लेकिन भगवान ने अपनी माया शक्ति के माध्यम से, इस संसार को यह संदेश देना था कि माता-पिता की आज्ञा शिरोधार्य है और जिस समय, माता कैकयी ने श्री राम को राजा दशरथ को दिए गए दो वचनों के बारे में याद दिलाया, तो भगवान श्री राम सुनकर विचलित नहीं हुए, अपितु उन्होंने माता कैकयी का आभार व्यक्त किया कि एक तो उसे माता-पिता की आज्ञा का पालन करने का अवसर मिलेगा, वहीं वन में ऋषि मुनियों के दर्शन करने का सौभाग्य भी प्राप्त होगा।

भगवान श्री राम ने आध्यात्मिकता का संदेश देने के साथ ही मानवता के कल्याण के लिए जीवन में स्थापित मर्यादाओं का पालन करने का भी पाठ पढ़ाया। इसके साथ ही, धर्म की स्थापना, दुष्टों का संहार, सत्य - धर्म - मर्यादा की स्थापना , वसुदैव कुटुम्ब, संकल्प और साधना के द्वारा जीवन का उद्धार कैसे किया जाए, यह भी सिखाया । भगवान श्री राम द्वारा स्थापित उच्च और उदात्त आदर्शों और मर्यादाओं का, पालन करते हुए उन्हें अपने जीवन में उतारने की शिक्षा भगवान श्री राम के जीवन चरित्र के माध्यम से ही दी गई है और मनुष्यों द्वारा जीवन में मर्यादाओं का पालन करने से ही उनके जीवन का अन्तिम लक्ष्य पूरा हो सकता है। इस मानव जीवन में, एक आम आदमी भी अपने जीवन से जुड़ी हुई सभी मर्यादाओं का अगर भली - भांति पालन करे तो सौभाग्य और विशेष सम्मान प्राप्त कर सकता है।

एक आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा हमें भगवान श्री राम की उदात्त जीवन से ही मिलती है । भगवान श्री राम एक प्रकार से कदम कदम पर मर्यादाओं से ही बंधे हुए थे और हर एक मनुष्य निरन्तर, अपने जीवन में भगवान श्री राम के उदात्त और महान विचार अपनाकर चक्रवर्ती सम्राट बन सकता है। इसके विपरीत मर्यादा के भंग होने पर इसके दुष्परिणाम भी सामने आते हैं , द्रोपदी ने दुर्योधन की हंसी उड़ाकर , रिश्तों की मर्यादा को भंग किया । कौरवों ने भी एक स्त्री की मर्यादा को तोड़ा, जिसकी परिणति महाभारत के युद्ध के रूप

में हुई।

इसी प्रकार से, रावण की बहन शूर्पणखा ने अपने आचरण की मर्यादा का उल्लंघन किया तो उसे, अपनी नाक कटवानी पड़ी। इसी प्रकार माता सीता ने भी , वनवास के दौरान लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन करते हुए, अपनी मर्यादा का उल्लंघन किया तो, रावण ने उसका अपहरण किया और इसकी परिणिति राम- रावण के युद्ध के रूप में हुई। मेरा कहने का मतलब, यह है कि अपने जीवन में सदाचार और आचरण का पालन करते हुए आगे बढ़ेगें तो, कल्याण होना निश्चित है। भगवान श्री राम ने जितनी भी लीलाएं की हैं, उन सभी लीलाओं के माध्यम से मानवता के कल्याण का एक गहरा संदेश छिपा हुआ है और इन सभी लीलाओं में निहित , उपदेशों को आत्मसात करते हुए ही, हम अपने जीवन में मोक्ष हासिल करने का मार्ग प्राप्त कर सकते हैं। इन लीलाओं से जो भी पात्र जुड़ा हुआ है, उनका जीवन भी, त्याग और संयम की एक अनूठी मिसाल है। जिस प्रकार से भरत की अर्धांगिनी माण्डवी से माँ कौशल्या ने पूछा कि भरत कहाँ पर हैं, तो उन्होंने जवाब दिया कि जब से , लक्षमण, भगवान श्री राम के साथ गए हैं तब से उन्होंने राजमहल का त्याग कर दिया है और मैं भी उनके आदेश का पालन करते हुए तपस्वी की तरह रह रही हूँ।

भगवान श्री राम को भी इसीलिए मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम कहा जाता है , क्योंकि उन्होंने मानवता को, आध्यात्मिकता का सन्देश देने के साथ - साथ मर्यादाओं और उच्च आचरण का स्वयं, पालन करने के साथ ही, दूसरों को भी उन मर्यादाओं का पालन करने की शिक्षा दी और यह धर्म की रक्षा के लिए उस समय परमावश्यक था।

अपने जीवन में भगवान श्री राम द्वारा **मानवता के कल्याण के लिए दिए गए संन्देश मर्यादा, शील और संयम का पालन करते हुए ही अपने दायित्व का भलीभांति निर्वहन करें।** मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की अनुकम्पा और आशीर्वाद आप पर सदैव ही, इसी प्रकार से बना रहे।

****

पूजा जांगिड एयर ट्रैफिक कंट्रोलर बनी और यह जांगिड समाज के लिए गर्व का क्षण:

हिसार (सुखबीर कैमरी) भारत सरकार के प्रतिष्ठित विभाग में, पूजा जांगिड ने अपनी प्रतिभा और दक्षता तथा पुरुषार्थ के आधार पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के पद पर नियुक्ति पाकर सफलता का परचम लहराया है। पूजा जांगिड ने बताया कि यह उपलब्धि मेरे माता-पिता द्वारा दिए गए , बेहतर संस्कारों और मेरे जीवन साथी डॉ. रविन जांगिड द्वारा दिए गए , विशेष प्रोत्साहन के परिणाम स्वरूप ही हासिल हुई है।

पूजा जांगिड नागरिक विमानन विभाग में , एयर ट्रैफिक कंट्रोलर बनी

पूजा जांगिड ने कहा कि अपनी कड़ी मेहनत और अटूट लगन से परिश्रम करते हुए ही , उनको एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के पद पर सीनियर एग्जीक्यूटिव ग्रेड -1 के पद पर नियुक्ति मिली है। उन्होंने कहा कि मुझे, विमानन के क्षेत्र में इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने का दायित्व मिलना, जांगिड समाज के लिए एक गौरवान्वित महसूस करने वाला क्षण है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, पूजा जांगिड को भारत सरकार के केन्द्रीय एविएशन मिनिस्ट्री में एयर ट्रैफिक कंट्रोलर नियुक्त होने पर बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता समाज की अन्य बेटियों के लिए एक प्रेरणा है कि जीवन में दृढ़ निश्चय और संकल्प के साथ आगे बढ़ने से ही किसी भी ऊंचे लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

इसी प्रकार हिसार जिला सभा ने भी पूजा जांगिड की सफलता पर बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की है और इसके साथ ही जिला हिसार के जांगिड-सुथार समाज की ओर से भी पूजा जांगिड को बहुत - बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919
रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

अंगिराऽसि जांगिड

www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2960/2026 दिनांक 17/04/2026

*** फरीदाबाद - प्रदेशाध्यक्षो की त्रैमासिक मीटिंग का सार ***

अखिल भारतीय जांगिड ब्राहमण महासभा दिल्ली के अंतर्गत कार्यरत प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्षों, प्रदेश प्रभारियों एवं महासभा पदाधिकारियों की चतुर्थ त्रैमासिक बैठक हरियाणा प्रदेश सभा के सौजन्य से दिनांक **04 अप्रैल, 2026** शनिवार को रात्रि 9.30 बजे से होटल राज मन्दिर, नीलम चौक, फरीदाबाद में **महासभा प्रधान रामपाल जांगिड की अध्यक्षता** में सम्पन्न हुई । जिसमे महासभा के मुख्य संरक्षक भंवर लाल कुलरिया, महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश चंद बरनेला एवं रविशंकर शर्मा मुख्य अतिथी थे। मीटिंग मे विभिन्न एजेंडा बिन्दुओं पर सर्व सम्मति से निर्णय लिए गये ।

उक्त मीटिंग में महासभा के निम्न पदाधिकारी, जिनमें महासभा के महामंत्री के अलावा महासभा के सह सम्पादक, वरिष्ठ उप प्रधान, कोर कमेटी सदस्य, उच्य स्तरीय कमेटी सदस्य, प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा, राजस्थान, कर्नाटक, दिल्ली, गुजरात, छतीसगढ़, उतराखंड, उतरप्रदेश, मध्यप्रदेश एवं प्रदेश प्रभारी दिल्ली, हरियाणा, उतराखंड, छतीसगढ़ तथा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली, हरियाणा व प्रदेश मंत्री राजस्थान उपस्थित रहे । उक्त मीटिंग में चर्चा हेतु विभिन्न बिन्दु एवम उन पर लिये गये निर्णयो का विवरण निम्नानुसार है:-

सर्वप्रथम महासभा महामंत्री सांवरमल जांगिड द्वारा प्रदेशाध्यक्षों / प्रदेश प्रभारियों की त्रैमासिक मीटिंग मे उपस्थित सभी प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों तथा महासभा पदाधिकारियों का गर्म जोशी के साथ हार्दिक स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन किया गया। साथ ही मीटिंग में पहली बार पधारे हरियाणा के निर्विरोध नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष का परिचय करवाते हुए उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया । तत्पश्चात महामंत्री द्वारा मीटिंग के एजेंडा अनुसार चर्चा करने हेतु विधिवत शुरुआत की गयी :-

एजेंडा नम्बर - 1 नडियाद त्रैमासिक मीटिंग दिनांक 06/12/2025 को लिए गये निर्णयों का अनुमोदन :-

महामंत्री ने मीटिंग एजेंडे की शुरुआत करते हुए कहा कि नडियाद में दिनांक 06 दिसम्बर, 2025 को प्रदेश अध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों की त्रैमासिक मीटिंग में लिए गये निर्णयों का कार्यवृत महासभा द्वारा पत्रांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2860/2025 दिनांक 22/12/2025 के तहत जारी किये जाने के साथ ही महासभा की पत्रिका माह दिसम्बर-2025 के पेज नम्बर 18 से 22 पर भी प्रकाशित किया जा चुका हैं, अत: उक्त मीटिंग के कार्यवृत का पुनः वाचन नही करके महासभा पत्रिका में प्रकाशित कार्यवृत को पढ़ा हुआ मानकर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों से नडियाद मीटिंग में लिए गये निर्णयों का अनुमोदन करने हेतु निवेदन किया गया । सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों द्वारा करतल ध्वनी के साथ उक्त निर्णयों का अनुमोदन किया ।

एजेंडा नबर- 2 महासभा कोर कमेटी मीटिंग दिनांक 10/02/2026 को लिए गये निर्णयों का अनुमोदन:-

महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की पिछली मीटिंग जो नडियाद में दिनांक **07 दिसम्बर, 2025** को आयोजित की गई थी, उसके उपरांत महासभा कोर कमेटी की सिर्फ एक ऑन लाइन ऑडियो कांफ्रेंस मीटिंग एक अत्यावश्यक मुद्दे पर निर्णय करने हेतु **दिनांक 10/02/2026** को आयोजित की गई थी जिसका कार्यवृत महासभा के पत्रांक ABJBM-224/2026 दिनांक 10/02/2026 के तहत जारी किया जा चुका है । फिर भी आपकी सुचना के लिए मैं एक बार पुनः उक्त मीटिंग का कार्यवृत आपके सम्मुख प्रस्तुत कर रहा हूँ :-

महामंत्री ने कहा, जैसा कि आप सभी को ज्ञात होगा कि महासभा के मिडिया प्रभारी नरेश शर्मा जयपुर ने भारत के विभिन्न राज्यों में स्थापित समाज की एक एक सामाजिक सम्पत्तियों का विस्तृत वीडियो डाक्यूमेंट्री रिकार्ड तैयार किया है तथा हमारे प्रधान चाहते हैं कि समाज की उक्त समस्त समाजिक संपत्तियों / धरोहरों जैसे (मंदिर, धर्मशाला, छात्रावास एवं समितियां आदि) की विडिओ डाक्यूमेंट्री मय फोटो, लोकेशन, सम्पर्क नम्बर एवं विस्तृत विवरण के साथ एक न्यूनतम राशी पर क्रय करके समाज हित में प्रचार - प्रसार करने एवं समाज बन्धुओं की जानकारी में लाने के लिए महासभा की वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाये ।

इस बाबत समाज की ऐतिहासिक सम्पत्तियों / धरोहरों का विस्तृत विवरण क्रय करने हेतु प्रधान जी ने विश्वकर्मा टुडे पत्रिका के सम्पादक नरेश कुमार शर्मा जयपुर से काफी विचार विमर्श किया तदुपरांत उसने रूपये 2500/- प्रति स्थान की समस्त विडिओ डाक्यूमेंट्री देने की सहमती प्रदान की ।

अत: कोर कमेटी के समस्त सदस्यों ने विश्वकर्मा टुडे पत्रिका के सम्पादक नरेश कुमार शर्मा जयपुर द्वारा तैयार की गई सामाजिक सम्पत्तियों के विस्तृत विवरण की डाक्यूमेंट्री महासभा द्वारा क्रय किये जाने के महासभा प्रधान के उक्त प्रस्ताव का मोबाइल ऑडियो कॉल के जरिये स्वागत एवं समर्थन करते हुए, विश्वकर्मा टुडे पत्रिका के सम्पादक नरेश शर्मा जयपुर से समाज की समस्त ऐतिहासिक सम्पत्तियों / धरोहरों जैसे (मंदिर, धर्मशाला, छात्रावास एवं समितियां आदि) का विस्तृत विवरण मय स्थान / लोकेशन की फोटो, पूर्ण डाक पता एवं विडिओ डाक्यूमेंट्री रूपये 2500/- प्रति स्थान की दर पर अविलम्ब क्रय करके समाज हित में प्रचार - प्रसार करने तथा समाज बन्धुओं की जानकारी में लाने के लिए महासभा की वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्णय का सर्वसम्मति के साथ अनुमोदन किया ।

इसके साथ ही पूर्व प्रधान महासभा कैलाशचंद्र बरनेला ने कहा कि किसी जगह की सामाजिक सम्पत्ति की डाक्यूमेंट्री बनाना छूट गई हो तो उसे भी प्राप्त की जाये एवं प्राप्त की जाने वाली समस्त संस्थाओं की लोकेशन तथा कार्यकारिणी पदाधिकारियों के नाम एवं उनके मोबाइल नम्बर आदि की जाँच करके मिलान किया जाये । पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा ने कहा कि सामाजिक संस्थाओं की काफी पुरानी सूचनाओं वाली रिपोर्ट प्राप्त करने के बजाय वर्तमान एवम अध्यतन सूचनाओं के साथ ही रिपोर्ट लेनी है ।

महामंत्री ने कोर कमेटी मीटिंग **दिनांक 10/02/2026** मे लिए गये निर्णय के अनुमोदन हेतु निवेदन किया जिस पर मीटिंग में उपस्थित समस्त प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारियों/उपस्थित अन्य पदाधिकरियों ने उक्त निर्णय का स्वागत करते हुए पुरजोर समर्थन एवं अनुमोदन किया ।

एजेंडा नबर - 3 महासभा के विगत कार्यकाल में चुनाव कार्य में उत्कृष्ट सेवा देने वाले पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान करने बाबत चर्चा :-

महामंत्री ने उक्त एजेंडा बिंदु पर बोलते हुए बताया कि महासभा कार्यकारिणी की नडियाद मीटिंग के एजेंडा बिंदु नम्बर 9 के तहत सर्व सम्मति से यह निर्णय किया गया था कि महासभा के विगत कार्यकाल 2022 से 2024 में समस्त प्रदेश अध्यक्षों एवं महासभा प्रधान के चुनावों को महासभा संविधान का पालन करते हुए नियमानुसार, शांति पूर्वक एवं पारदर्शिता के साथ सम्पन्न करवाने वाले 24 चुनाव प्रभारियों एवं महासभा के ऐसे वरिष्ठ पदाधिकारी जिनका विगत कार्यकाल में विशेष / उत्कृष्ट योगदान रहा है उन पदाधिकारियों का भी महासभा द्वारा शॉल, साफा. माला एवं अभिनंदन पत्र देकर उचित सम्मान किया जाये ताकि महासभा के अन्य पदाधिकारी /अनुभवी सदस्य भी प्रोत्साहित होकर समाज सेवा की भावना से आगे आ सकें ताकि महासभा द्वारा किए जाने वाले समाज सेवा के विभिन्न कार्यों में कार्यकर्ताओं की संख्या और अधिक बढाई जा सकें ।

मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने नडियाद मीटिंग में लिए गये उक्त निर्णय के तहत कल की मीटिंग में सम्मान किये जाने वाले विभिन्न पदाधिकारियों को अग्रिम बधाई देते हुए प्रधान के उक्त प्रस्ताव का स्वागत करते हुए एक साथ हाथ उठाकर पूर्ण समर्थन किया ।

एजेंडा नबर- 4 महासभा में पिछले चार माह के दौरान बनने वाले प्लैटिनम सदस्यों को प्रमाण पत्र एवं महासभा का PTM मेम्बर कार्ड देकर सम्मान करने बाबत चर्चा :-

महामंत्री ने बताया कि महासभा प्रधान के आदेशानुसार एवं सीकर त्रैमासिक मीटिंग में लिए गये निर्णयानुसार महासभा के विगत कार्यकाल से ही महासभा का एक लाख रूपये का प्लेटिनम सदस्य बनकर महासभा को विशेष आर्थिक सहयोग देने वाले पदाधिकारियों/ सदस्यो का महासभा द्वारा शॉल, साफा, माला एवं अभिनंदन पत्र तथा महासभा का PTM मेम्बर कार्ड देकर मीटिंग के दौरान सम्मान किया जाता है ताकि महासभा के अन्य पदाधिकारी/सदस्य भी महासभा की उच्चतम सदस्य अर्थात प्लेटिनम सदस्य बनने के लिए जागरूक एवं प्रोत्साहित हो सकें जिससे महासभा में प्लेटिनम सदस्यों की संख्या को और अधिक बढ़ावा मिल सकें । महामंत्री ने कहा कि फरीदाबाद की त्रैमासिक मीटिंग में पिछले चार माह में बने 13 प्लैटिनम सदस्यों को सम्मानित किया जाना प्रस्तावित है । इस पर मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने सीकर त्रैमासिक मीटिंग में लिए गये निर्णय के तहत वर्तमान त्रैमासिक मीटिंग में सम्मान किये जाने वाले विभिन्न प्लैटिनम सदस्यों को अग्रिम बधाई देते हुए प्रधान के उक्त प्रस्ताव का पुरजोर समर्थन करते हुए स्वागत किया ।

एजेंडा नबर- 5 महासभा के पिछले वित्तीय लेखों का ऑडिट करवाने बाबत चर्चा:-

उक्त एजेंडा बिंदु पर महामंत्री ने बताया कि पिछले काफी समय से महासभा के कई सदस्यों द्वारा बार बार यह मुद्दा उठाया जाता रहा है कि महासभा द्वारा खर्च की जाने वाली राशी की उचित ऑडिट नही होती है इसलिए महासभा प्रधान ने यह निर्णय किया है कि महासभा के पिछले तीन साल के सम्पूर्ण वित्तीय लेखों की मान्यता प्राप्त चार्टेड अकाउंटेंट से ऑडिट करवायी जाये । इसके लिये **अभिषेक अग्रवाल, (C.A.) चार्टर्ड अकाउंटेंट - पार्टनर, मैसर्स एस.जी.ए.ए. एंड कंपनी, नई दिल्ली** को अधिकृत किया गया है । साथ ही प्रधान जी महासभा एवं बांकनेर स्कूल के वित्तीय लेखा-जोखा एवं कर संबंधी कार्य करने वाली पूर्व फर्म संजय विक्रम एंड कंपनी, नई दिल्ली को हटा कर उक्त सम्पूर्ण वार्षिक लेखा-जोखा एवं कर संबंधी कार्य हेतु **अभिषेक अग्रवाल, (C.A.) को ही अधिकृत कर** दिया गया है ।

मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने वित्तीय लेखों की पारदर्शिता एवं सदस्यों की संतुष्टि के लिए प्रधान द्वारा लिए गये उक्त निर्णय का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ पुरजोर समर्थन करते हुए स्वागत किया एवं प्रधान का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया ।

एजेंडा नंबर - 6 महासभा के पेन नम्बर पर खुले हुए बैंक खातों का पूर्ण विवरण मय वार्षिक वित्तीय विवरण प्रेषित करने एवं प्रदेश अध्यक्षों को जारी रसीद बुकों को महासभा को लौटाने बाबत चर्चा:-

महामंत्री बताया कि महासभा ने अपने वित्तीय लेखा-जोखा एवं कर संबंधी कार्य करने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 से नया चार्टर्ड अकाउंटेंट नियुक्त कर दिया है जिसने सर्व प्रथम महासभा के पेन कार्ड पर खुले हुए समस्त बैंक खातों का विवरण एवं वर्ष 2025-2026 का आय-व्यव विवरण अविलम्ब प्रेषित करने हेतु बोला है ताकि महासभा की वर्ष 2025 - 26 के लेखों की दान राशि रिटर्न एवं सामान्य रिटर्न समय पर एवं सत्यता तथा समस्त दस्तावेजों के साथ भरी जा सके। लेकिन बड़े ही अफ़सोस के साथ कहना पड़ रहा है कि महासभा द्वारा अपने पत्रांक अ.भा.जां.ब्रा.म.-2895/2025 दिनांक 05/01/2026 के तहत लिखने के बावजूद भी अभी तक प्रदेश सभा हरियाणा को छोडकर किसी ने भी महासभा के पेन नम्बर पर खुले हुए बैंक खातों का पूर्ण विवरण प्रेषित नही किया है। **चार्टर्ड अकाउंटेंट ने यह भी अवगत करवाया है कि यदि किसी संस्था द्वारा 30 अप्रैल 2026 तक बैंक खाते का विवरण प्रेषित नही किया गया तो उनका बैंक खाता मई - 2026 में कभी भी बंद किया जा सकता है । महामंत्री ने यह भी निवेदन किया कि महासभा द्वारा प्रदेश अध्यक्षों को जारी रसीद बुक जो भर गई है उनको भी महासभा को अविलम्ब लौटाने का आग्रह है ।**

इस बिंदु पर बोलते हुए **पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा** ने कहा कि जो संस्थाए अपने बैंक खातों का विवरण एवं वार्षिक वित्तीय विवरण प्रेषित नही करें उनके खिलाफ महासभा द्वारा कार्यवाही करते हुए वकील का लीगल नोटिस जारी किया जाना चाहिए ।

पूर्व प्रधान कैलाशचंद्र बरनेला ने कहा कि संस्थाओं को बैंक खातों का विवरण एवं वित्तीय विवरण देने तथा महासभा द्वारा प्रदेश अध्यक्षों को जारी रसीद बुक जो भर गई है उनको महासभा को वापस करने में क्या दिक्कत है । समस्त संस्थाओं को प्रदेश अध्यक्षों के माध्यम से बैंक खातों का विवरण एवं वित्तीय विवरण तथा भरी हुई रसीद बुक वापस करने बाबत निर्धारित समय तक प्रेषित करने हेतु कड़ाई से निर्देशित किया जाना चाहिए ।

इस बिंदु पर सभी प्रदेश अध्यक्षों के विचार सुनने एवं गहन चर्चा करने के उपरांत महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि महासभा के अधीनस्थ जिन संस्थाओं ने महासभा के पेन नम्बर पर बैंक खाता खुलवाया हुआ है उनको बैंक खाते का पूर्ण विवरण मय वार्षिक वित्तीय विवरण के साथ अपनी प्रदेश सभाओं के माध्यम से महासभा को अविलंब प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया जाता है । महासभा द्वारा सदस्यता राशि का रिफंड भी सम्बन्धित संथाओं को किया जाना है अगर महासभा को उपरोक्त विवरण नही मिले तो महासभा द्वारा भेजी जाने वाली सदस्यता राशि रिफंड मे भी दिक्कत आयेगी । **साथ ही महासभा द्वारा मनोनीत चार्टर्ड अकाउंटेंट भविष्य में जो भी कार्यवाही करेगा उसके लिए वो संस्थाए स्वयं जिम्मेदार होंगी ।**

समस्त प्रदेश अध्यक्षों ने महासभा प्रधान के निर्देश का एक स्वर में समर्थन करते हुए अपने अपने प्रदेश में महासभा पेन नम्बर पर खुले हुए बैंक खातों का विवरण एवं वार्षिक वित्तीय विवरण निर्धारित समयावधि तक महासभा को प्रेषित करने का आश्वासन दिया ।

एजेंडा नंबर -7- अन्य कोई विषय प्रधान जी की अनुमति से:-

1. नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के विस्तार के कारण पहाड़गंज विश्वकर्मा मन्दिर भवन में संभावित तोड़ फोड़ करने एवं रेलवे द्वारा मन्दिर की निर्धारित भूमि का अधिग्रहण करने बाबत चर्चा :-

उक्त मीटिंग में प्रधान की अनुमति से महामंत्री ने मन्दिर समिति से प्राप्त फीड बेक के आधार पर बताया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सौंद्रियकरण एवं विस्तार का कार्य जोरों से चल रहा है तथा रेलवे के विभिन्न अधिकारी बार बार मन्दिर परिसर में आकर विश्वकर्मा मन्दिर की निर्धारित भूमि एवं भवन का अधिग्रहण करने बाबत चर्चा करते रहते है जबकि सरकारी रिकोर्ड एवं उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उक्त मन्दिर परिसर का कब्जा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बनने से भी पहले से ही हमारे समाज के पास है, फिर भी मन्दिर समिति को सम्भावित अधिग्रहण मामले में सावचेत रहते हुए साथ ही प्रमुख वकीलों कि राय के अनुसार ठोस एवं सुदृढ़ फैसला लेकर एवं तुरंत अग्रिम कार्यवाही करनी चाहिए ।

इस विषय पर महासभा कोर कमेटी के सदस्य **ओम प्रकाश शर्मा** ने बताया कि यह माना कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के विस्तार का कार्य जोरों से चल रहा है फिर भी जब तक मन्दिर समिति को रेलवे ऑथोरिटी की तरफ से कोई नोटिस नही आता है तब तक मन्दिर समिति को कोई कार्यवाही नही करनी चाहिए । **पूर्व प्रधान कैलाशचंद्र बरनेला** ने मन्दिर भूमि अधिग्रहण बाबत बताया कि रेलवे ऑथोरिटी मन्दिर की जितनी भूमि व भवन का अधिग्रहण करेगी उस भूमि का अच्छा मुवावजा देने के साथ ही साथ मन्दिर भी बनवाकर देती है। अत: हम रेलवे से मन्दिर की सम्पूर्ण भूमि एवं भवन का अधिकतम मुआवजा लेकर एक अच्छी लोकेशन पर ज्यादा भूमि खरीदकर मन्दिर अपने अनुसार बना सकते है। उन्होंने यह भी कहा कि मन्दिर भूमि से सम्बन्धित समस्त राजकीय दस्तावेज एवं भवन निर्माण से सम्बन्धित सभी पेपर / बिल आदि एकत्रित करके जबाब के लिए तैयार रखने चाहिए ।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने इस विषय पर कहा कि मन्दिर समिति को रेलवे का नोटिस आने के बाद अपने वकील के माध्यम से सम्पूर्ण दस्तावेजों के साथ हमारे समाज का मालिकाना हक बताते हुए नोटिस का जबाब देना चाहिए। **उतरप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा** ने भी राजनीतिक रूप से दो ऐसे प्रभावशाली लोगों के नाम बताये जिनके जरिये भी यदि आवश्यक हो तो उक्त मामले को प्रस्तुत किया जा सकता है ।

पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा ने कहा कि मन्दिर भवन एवं जगह के लिए रेलवे ऑथोरिटी जो मुवावजा राशि या जगह देती है उसी पर सहमत होकर अच्छी लोकेशन पर जगह लेनी चाहिए । साथ ही उन्होंने कहा कि मन्दिर समिति की तरफ से उक्त केस के लिये श्री के. डी. शर्मा एवं श्रीमती आराधना शर्मा को वकील निर्धारित करना चाहिए ।

छतीसगढ़ प्रदेश प्रभारी धर्म चंद शर्मा ने माननीय उच्च न्यायालय के 2006 के एक निर्णय का हवाला देते हुए कहा की यदि रेलवे स्टेशन बनने से पहले का अपना मन्दिर है तो उसे कोई नही हटा सकेगा और यदि मन्दिर रेलवे स्टेशन बनने के बाद बना है तो उसे आमजन की सुविधाओं के लिए हटाया जा सकता है फिर भी सभी क़ानूनी पहलुओं को देखते हुए नोटिस का जबाब देना चाहिए ।

अंत में महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने सभी के विचार एवं सुझाव सुनने के बाद यह कहा कि मन्दिर समिति को सम्पूर्ण दस्तावेज प्राप्त करके तथा अपने वकील को दिखाकर उनके निर्देशानुसार अग्रिम रूप से तैयार रहना चाहिए। लेकिन मेरा मानना है कि जब तक रेल ऑथोरिटी से कोई नोटिस नही आता है तब तक मन्दिर समिति को कोई भी अग्रिम कार्यवाही नही करनी चाहिए । जिसका उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने पूर्ण समर्थन करते हुए अनुमोदन किया ।

2. महासभा पत्रिका सदस्यों को नही मिलने बाबत चर्चा:-

उतरप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा ने महासभा की मासिक पत्रिका सदस्यों को नही मिलने का मामला उठाया, जिस पर **गुजरात प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा** ने कहा कि मासिक पत्रिका को प्रिंट करवाकर डाक से भेजने की बजाय सोशल मिडिया के जरिये सभी सदस्यों को भेजनी चाहिए । लेकिन महासभा के **पूर्व प्रधान कैलाशचंन्द्र बरनेला** ने कहा कि महासभा के वरिष्ठ सदस्यों को भी मासिक पत्रिका भेजी जानी चाहिए ।

इस मामले में **महामंत्री ने** स्पष्ट करते हुए कहा कि महासभा के जिन सदस्यों की पत्रिका नही मिलने की शिकायत मिलती है, यह चाहे मेल, फोन या व्हाट्सएप्प पर प्राप्त हुई हो, उनको प्रति माह डाक से पत्रिका प्रेषित की जाती है। इसके साथ ही **रायपुर मीटिंग** में लिए गये निर्णयानुसार महासभा में रजिस्टर्ड समस्त संस्थाओं एवं समस्त प्रदेश अध्यक्षों को भी अलग से मासिक पत्रिका भेज रहे है ।

महामंत्री ने यह भी बताया कि महासभा द्वारा एक ऐसा मोबाइल सॉफ्टवेर ऐप बनवाया जा रहा है जिसके माध्यम से जो सदस्य स्मार्ट मोबाइल उपयोग करते है उनको प्रति माह इंटरनेट के माध्यम से पत्रिका भेज दी जायेगीं, परन्तु इससे पूर्व महासभा के सभी सदस्यों के सही सही मोबाइल नम्बर होना अति आवश्यक है जिसके लिए समस्त प्रदेश अध्यक्षों से निवेदन है कि आप अपने अधीनस्थ जिला / तहसील / शाखा सभाओं के जरिये सभी सदस्यों के मोबाइल नम्बर अपडेट करवाने का कष्ट करें ताकि उनको मोबाइल ऐप पर मासिक पत्रिका भेजी जा सकें। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि महासभा की वेबसाइट पर प्रति माह मासिक पत्रिका को अपलोड किया जाता है, इसे कभी भी महासभा की साइट से डाउनलोड किया जा सकत है ।

3. दिल्ली के बसंत कुञ्ज सतीमठ में निर्माणाधीन छात्रावास भवन बाबत चर्चा:-

दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष धर्म पाल शर्मा ने अत्यंत हर्ष के साथ सूचित करते हुए बताया कि मैंने बीमार होने से पूर्व संकल्प लिया था उसी के तहत दिल्ली के बसंत कुञ्ज में स्थित सती मठ के छात्रावास भवन में दिल्ली प्रदेश सभा की कार्यकारिणी तथा सती मठ मन्दिर के पदाधिकारियों के पूर्ण सहयोग से **सभी 20 कमरों में फर्श, दरवाजे, चोखट एवं खिडकियों की मरम्मत कार्य और नवीन निर्माण एवं संशोधित नक्शे के आधार पर सिविल कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है** तथा आशा करते है कि अगले छ: माह के भीतर उक्त निर्माण कार्य पूर्ण हो जायेगा । साथ ही प्रदेश सभा दिल्ली का कार्यालय भी सतीमठ के नव निर्मित भवन में जल्दी ही शिफ्ट कर लेंगें ।

महासभा के **पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा** ने कहा कि बसंत कुञ्ज दिल्ली के मध्य भाग में स्थित होने के कारण यदि सम्भव हो तो महासभा का कार्यालय भी सती मठ में ही शिफ्ट कर दिया जाये, जिस पर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने निर्माण एवं मरम्मत कार्य समाप्त होने के उपरांत अमल करने का पूर्ण आश्वासन दिया ।

उन्होंने अपने उद्बोधन में यह भी बताया कि सती मठ के छात्रावास भवन में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष एवं उनकी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के अथक प्रयास एवं पूर्ण सहयोग से प्रदेश सभा दिल्ली के नाम से बिजली का नया कनेक्शन लग गया है जिस पर मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने **दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा एवं सहयोग करने वाले समस्त समाज बन्धुओं को बहुत बहुत बधाई देते हुए उनका आभार ज्ञापित किया ।**

इसके साथ ही दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कोई भी सामाजिक संस्था का निर्माण/ मरम्मत का कार्य समाज के पूर्ण आर्थिक सहयोग के बिना सम्पूर्ण नही हो सकता इसलिए मैं आप सभी दिल्ली प्रदेश के भामाशाहों एवं महासभा प्रधान जी से निवेदन करता हूँ कि सती मठ के छात्रावास भवन के निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक सहायता देकर दिल्ली प्रदेश के उक्त कार्य में सहयोग प्रदान करें। **जिस पर मीटिंग में उपस्थित महासभा प्रधान रामपाल शर्मा एवं पूर्व प्रधान कैलाशचंद्र बरनेला तथा दिल्ली प्रदेश के समस्त उपस्थित पदाधिकारियों ने पूर्ण आर्थिक सहयोग करने के साथ ही महासभा से भी जितना सम्भव हो सकेगा आर्थिक सहयोग करने का भरोसा दिलाया।**

महामंत्री ने सदन में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करने हेतु निवेदन किया जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने करतल ध्वनी के साथ उक्त प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करते हुए अनुमोदन किया।

अंत मे **महासभा महामंत्री** द्वारा उपस्थित सभी प्रदेश अध्यक्षों / प्रदेश प्रभारियों / उच्च स्तरीय कमेटी / कोर कमेटी सदस्यों तथा महासभा के अन्य पदाधिकारियों को मीटिंग में अपना अमूल्य समय निकालकर भाग लेने एवं अपने महत्वपूर्ण सार्थक एवं उपयोगी सुझाव देने के लिए आभार,धन्यवाद एवं कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए प्रधान जी की अनुमति से भगवान श्री विश्वकर्माजी के जयकारे के साथ मीटिंग समाप्ति की घोषणा की गई।

प्रतिलिपि :- सभी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :-
समस्त प्रदेशाध्यक्ष / प्रदेश प्रभारी एवं महासभा पदाधिकारी गण, पंजाब राजस्थान, हरियाणा, उतराखंड, महराष्ट्र, गोवा, गुजरात, पश्चिम बंगाल तेलंगाना, कर्नाटका, तमिलनाडु, छतीसगढ़, मध्यप्रदेश, दिल्ली, उतरप्रदेश

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री - महासभा

आद्य गुरु शंकराचार्य के 21 अप्रैल को प्रकटोत्सव दिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं।

सनातन धर्म के परम गौरव, सनातन दर्शन के महान प्रवर्तक और सन्त परम्परा के महान् द्योतक आदि गुरु शंकराचार्य की 21अपैल को प्रकटोत्सव दिवस मनाया गया। आदि गुरु शंकराचार्य ने केवल 8 वर्ष की आयु में चारों वेद कंठस्थ कर लिए थे और उन्होंने चारों दिशाओं में देश में चार प्रमुख मठ (पीठ) स्थापित किए थे। वह भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत के सशक्त पुरोधा हैं और जब तक उनके बारे में सम्यक जानकारी समाज के लोगों तक नहीं पहुंचेगी तब तक उनके साथ न्याय नहीं किया जा सकता है। वह केवल 32 वर्ष की आयु में इस संसार को छोड़कर चले गए थे। उन्होंने हिन्दू धर्म का पुनर्जागरण किया और देश के चारों कोनों, उत्तर, दक्षिण और पूर्व पश्चिम में चारों मठ स्थापित किए। उत्तर में ज्योतिर्मठ बद्रीनाथ, दक्षिण में श्रृंगेरी शारदा पीठ (कर्नाटक) पूर्व में गोवर्धन मठ (पुरी) और पश्चिम में द्वारका शारदा मठ (गुजरात) शामिल हैं।

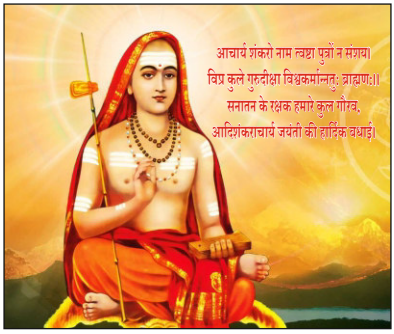

प्रधान रामपाल शर्मा ने भरोसा दिलाया कि समाज की इस महान विभूति के बारे में, भविष्य में, महासभा के माध्यम से प्रचार - प्रसार किया जाएगा। क्योंकि आज हमारे अपने समाज में ही, शायद एक-दो प्रतिशत लोग ही ऐसे हैं, जो इस महान विभूति के बारे में विस्तार पूर्वक जानते हैं और सबसे सुखद आश्चर्य यह है कि, अन्य समाजों के लोग, जो आदि गुरु शंकराचार्य के विचारों से प्रभावित होकर उनके अनुयायी बनें हैं। वह उनकी जन्म जयंती मनाने के साथ ही, उनके द्वारा दिए गए आध्यात्मिकता के आवरण को आत्मसात करते हुए और उनके जीवन, विचारों और योगदान से प्रेरणा ग्रहण करते हुए अपना जीवन सार्थक बना रहे हैं।

इसलिए हमारे लिए यह एक आत्ममंथन का और गम्भीर विचारणीय विषय है कि, समाज के बच्चों को आदि गुरु शंकराचार्य के बारे में, समुचित जानकारी उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। आओ, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि इस महान विभूति और सन्त परम्परा के द्योतक, आदि गुरु शंकराचार्य के विचारों को आत्मसात करते हुए, समाज के लोगों को भी, इस दिशा में जागृत करें। हम सभी मिलकर ही, इस महान विभूति के आदर्शों और सिद्धान्तों के प्रति समाज को जागृत कर सकते हैं और यह भी सत्य है कि जब तक हमें अपनी ही जाति, अपने ही महापुरुषों के बारे में पर्याप्त ज्ञान नहीं होगा, तब तक समाज में उनके बारे में जनचेतना जागृत नहीं होगी।

मैं समाज के सभी संगठनों, महासभा, से जुड़े बुद्धिजीवियों और जागरूक साथियों से विनम्र अपील करता हूँ, कि हमें अपने महापुरुषों के जीवन, उनके विचारों और उनके योगदान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए संगठित प्रयास करने होंगे, तभी हमारे समाज का भविष्य उज्ज्वल होगा।

महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा

सेवा संगठन संस्कार

प्रादेशिक सभा मध्यप्रदेश

सम्बध्दता :- अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली- पंजी. क्र. एस.27/1919
प्रादेशिक कार्यालय :- 34 ए, आदर्श मैकेनिक नगर, भमोरी, इन्दौर म.प्र. 452010

प्रभुदयाल जांगिड (बरनेला)
अध्यक्ष (प्रदेश सभा म.प्र.)
9826174822

अनिल शर्मा
महामंत्री
9303109547

रतनलाल जांगिड़
कोषाध्यक्ष
9630705878

कपिल शर्मा
अध्यक्ष - युवा प्रकोष्ठ
9424863703

श्रीमती माया शर्मा
अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ म.प्र.
9425123058

प्रद्युम्न कमाडु रतावजिया
मुख्य चुनाव प्रभारी
9827814339

क्रमांक:- ABJBM/PS/MP/2025/165 दिनांक 19/04/2026

प्रतिष्ठा में,

सम्माननीय महासभा एवं प्रदेशसभा के समस्त पदाधिकारीगण,
अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ / अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ तथा समस्त
जिला अध्यक्ष प्रदेश सभा मध्यप्रदेश

विषय :- प्रदेशसभा मध्यप्रदेश कार्यकारिणी की त्रैमासिक मीटिंग सूचना

महोदय.

सम्माननीय, महासभा, प्रदेश सभा मध्यप्रदेश के समस्त पदाधिकारीगण, अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ एवं समस्त जिला अध्यक्षों को सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि प्रादेशिक सभा मध्यप्रदेश कार्यकारणी की अगली त्रैमासिक मीटिंग एवं जिला सभा मंदसोर की नव गठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह **दिनांक 24 मई, 2026 रविवार को प्रातः 9:15 बजे** से **कुशाभाऊ ठाकरे प्रेक्षागृह, राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोतर महाविधालय, मन्दसौर** मे प्रदेशाध्यक्ष श्री प्रभुदयाल जी जांगिड़ (बरनेला) की अध्यक्षता में आयोजित किया जायेगा तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासभा प्रधान श्री रामपाल जांगिड होंगें, जिसमे आप ससम्मान सादर आमंत्रित है।

त्रैमासिक मीटिंग का एजेंडा निम्नानुसार है:-----

(1) गत मीटिंग में लिए गए निर्णयों का अनुमोदन।
(2) जिन जिला अध्यक्षों के चुनाव हो चुके है उनका महासभा में रजिस्ट्रेशन करवाने पर चर्चा।
(3) समस्त जिला अध्यक्षों द्वारा पिछली तिमाही की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
(4) समाज को "अन्य पिछड़ा वर्ग" की अनुसूची में शामिल करवाने बाबत कार्यवाही से अवगत कराना।
(5) राष्ट्रीय जातिगत जनगणना के सम्बन्ध में महासभा पत्र क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-636/2025 दिनांक 14/07/2025 की अनुपालना हेतु चर्चा ।
(6) महासभा के पेन नम्बर पर खुले हुए बैंक खातों का विवरण महासभा को प्रेषित करने बाबत चर्चा
(7) महासभा की सदस्यता में वृद्धि के लिए प्रदेश पदाधिकारियों के लक्ष्य निर्धारित करने पर चर्चा।
(8) प्रदेश सभा का कार्यालय भवन बनाने बाबत चर्चा
(9) अन्य कोई विषय प्रदेशाध्यक्ष जी की अनुमति से।

मीटिंग में उपरोक्त विषयों पर चर्चा कर समुचित निर्णय लिया जाना है। अतः कृपया अपने बहुमूल्य विचारों एवं सुझावों से अवगत करवाये तथा समाजोत्थान के कार्यों को नई दिशा देने में आपकी सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करते हुए सहयोग प्रदान करें । समस्त आमंत्रित पदाधिकारी गण मीटिंग में समय पर पधारने का कष्ट करे।

समाज सेवार्थ.....

अनिल शर्मा

(अनिल शर्मा)
महामंत्री
प्रदेश सभा-मध्यप्रदेश

महीसागर जिला सभा कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह 22 मार्च को आयोजित किया गया

गुजरात प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि समाज के प्रत्येक सदस्य को आज यह संकल्प लेना चाहिए कि उसके द्वारा महासभा रूपी परिवार में , कम से कम पांच सदस्य जोड़े जाएंगे, क्योंकि किसी भी समाज के संगठन से ही उसकी राजनैतिक ताकत का अहसास करवाया जा सकता है। जिसका संगठन जितना मजबूत होगा, उतनी ही उस समाज की राजनीति में भागेदारी सुनिश्चित हो सकेगी। इसलिए इस संकल्प को पूरा करने के लिए आपको आज से ही कार्य शुरू कर देना चाहिए ताकि महासभा का संगठन और मजबूत तथा सुदृढ़ हो सके और राजनीति के क्षेत्र में भी यह समाज अपनी एक विशेष पहचान बना सके। प्रदेश अध्यक्ष ने यह विचार, माहीसागर जिला अध्यक्ष, महावीर प्रसाद जांगिड एवं उनकी कार्यकारिणी को 22 मार्च को, माँ माही नदी की पावन धरा, लुणावाड़ा में आयोजित एक समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाने के उपरांत उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने नई कार्यकारिणी के सदस्यों का आह्वान किया कि वह निस्वार्थ भाव से समाज सेवा करते हुए लोगों की अपेक्षाओं और भावनाओं पर खरा उतरते हुए समाज को , एक मजबूत कड़ी के बंधन में बांधते हुए, अपना नया रिकॉर्ड कायम करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने नई कार्यकारिणी को समाज को और अधिक उचाईयो पर ले जाने और संगठन को और मजबूत करने की ओर आगे बढने के लिये सफलता की सफलता के बधाई ज्ञापित की। **उन्होंने महीसागर जिला अध्यक्ष की टीम को इस समारोह के सफल आयोजन के लिए भी बधाई दी।** समारोह का शुभारंभ करने से पहले, भगवान श्री विश्वकर्मा जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके पूजा अर्चना की गई और इसके पश्चात् गायत्री मंत्र के सस्वर उच्चारण से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो गया। अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया।

महीसागर जिला सभा , गुजरात का शपथ ग्रहण समारोह 22 मार्च 2026 को आयोजित किया गया

गुजरात प्रदेश सभा के पूर्व अध्यक्ष कैलाश चंद्र जांगिड ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि **आप सभी लोगों के सहयोग और समर्थन से ही मेरे कार्यकाल के दौरान गुजरात प्रदेश महासभा द्वारा सबसे अधिक प्लैटिनम सदस्य बनाने का गौरव हासिल करने में सफल रहा और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में, आप लोगों की अहम भूमिका रही है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वह महासभा परिवार में अधिक से अधिक सदस्य जोड़ने के लिए आगे आए, क्योंकि यह महासभा परिवार जितना बड़ा होगा उतनी ही , आपकी ताकत बढ़ेगी।**

उन्होंने भावुक होते हुए याद दिलाया कि वर्ष 2023 में, महासभा द्वारा गुजरात प्रदेश के अध्यक्ष के रूप में , **आपके इस समाज सेवक को,सर्वश्रेष्ठ प्रदेश अध्यक्ष का पुरस्कार देकर महासभा सभा द्वारा सम्मानित किया गया था और यह विशेष सम्मान, एक प्रदेश अध्यक्ष का नहीं , अपितु आप सभी लोगों का सम्मान था, क्योंकि आपने हर कदम पर कंधे से कन्धा मिलाकर इस सेवक का साथ दिया था** और इसके लिए आप सभी कार्यकर्ता और प्रदेश सभा के सदस्य बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने न केवल भरपूर सहयोग दिया, अपितु गुजरात प्रदेश की छवि को भी सारे देश में, अपनी एक विशेष पहचान बनाने का मौका मिला। उन्होंने गुजरात प्रदेश के लोगों से आग्रह किया कि वह आपस में एकता, भाईचारे और सद्भाव को बनाए रखते हुए आगे बढ़े, क्योंकि एक और एक मिलकर ही 11 होते हैं। **उन्होंने आह्वान किया कि हम मिलकर ही, गुजरात प्रदेश सभा का भवन बना सकते और मैं उम्मीद करता हूँ कि प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, के कार्यकाल में इस प्रदेश सभा भवन को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।** इसके साथ ही मैं, आप सभी का एक बार पुनः आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने मुझे यहां बुलाया और मान सम्मान दिया।

गुजरात प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद कुमार जांगिड, ने उपस्थित मातृशक्ति का आह्वान किया कि, **वह अपने बच्चों के बेहतरीन और उच्च संस्कार प्रदान करें, क्योंकि बच्चे एक कच्चे घड़े के समान होते हैं और उनको कैसे भी ढाला जा सकता है। इसके साथ ही बच्चों को शिक्षित करने में भी माँ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि बच्चे की पहली शिक्षक उसकी माँ ही होती है इसलिए शिक्षा प्रदान करने में एक माँ की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है** इसलिए माता को

अपने बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ संस्कार प्रदान करने पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के प्रतिभावान और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से हमारे परिवार, भाई राकेश कुमार जांगिड, दिनेश कुमार जांगिड और बहन रेखा देवी जांगिड ने मिलकर **श्रीमती संतोष देवी राधेश्याम चैरिटेबल ट्रस्ट का गठन किया है।** उन्होंने कहा कि इस ट्रस्ट के माध्यम से अभी तक 19 बच्चों को 7 लाख 43 हजार 560 रुपए की वित्तीय सहायता सहयोग के रूप में उपलब्ध करवाई गई है और **मुझे खुशी है कि भगवान ने इस परिवार को समाज के उदीयमान प्रतिभाओं की सेवा करने का यह अवसर प्रदान किया है। मैं समझता हूँ कि यह सब कुछ, परमपिता परमात्मा की प्रेरणा और अनुकंपा का ही प्रसाद है और उसी के आशीर्वाद और प्रेरणा से इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। मैं समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को विश्वास दिलाता हूँ कि जो भी पात्र और योग्य छात्र -छात्राएं होंगी, उनको 24 घंटे के भीतर ही इस ट्रस्ट द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि वह अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकें।**

कार्यक्रम की अध्यक्षता, महीसागर जिला अध्यक्ष महावीर प्रसाद जांगिड ने की। **महीसागर जिला सभा अध्यक्ष के रूप में महावीर प्रसाद जांगिड को प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार शर्मा ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई।** इसी प्रकार, लुणावाडा के **पवन कुमार शर्मा को जिला युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष नियुक्त किया गया है** तथा इसके साथ ही एक 14 सदस्यीय युवा कार्यकारिणी का भी गठन किया गया है। प्रदेश युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष नीलेश कुमार जांगिड द्वारा उनको पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई। इसी प्रकार **महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष, श्रीमती ललिता देवी को बनाया गया है और इसके साथ ही उसकी 7 सदस्यीय महिला कार्यकारिणी को भी, जिला अध्यक्ष द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।**

मालचंद जांगिड को **गुजरात प्रदेश सभा का राजनैतिक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मालचंद जांगिड का प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा और प्रदेश महामंत्री मानाराम सुथार द्वारा साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण करके, बधाई दी गई** और उन्होने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि मालचंद जांगिड के अनुभव का लाभ समाज के लोगों को मिलेगा।

जयपुर के समाज सेवी ब्रह्मदेव ने समाज में संगठन की मजबूती, नियमित बैठकें एवं समाज की जनगणना करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि समाज में संसाधनों की कमी नहीं है, केवल आवश्यकता इस बात की है कि इन संसाधनों का उपयोग सही दिशा में किस प्रकार से किया जाए। पूर्व जिला अध्यक्ष पोपटलाल (डिसा) ने अपने गुजराती उद्बोधन में कहा कि जिला अध्यक्ष बनने के तीन माह के भीतर ही कार्यकारिणी के गठन के साथ ही शपथग्रहण समारोह आयोजित करना भी संगठनात्मक दृष्टि से आवश्यक है। कार्यक्रम में लुणावाड़ा में, भगवान श्री विश्वकर्मा जी का मंदिर निर्माण एवं समाज भवन निर्माण करने का महत्वपूर्ण निर्णय भी लिया गया। इसके लिए उपस्थित समाजबंधुओं द्वारा उदारतापूर्वक दान राशि की घोषणाएं भी की गई।

कार्यक्रम का सफल संचालन ब्रह्मदेव एवं प्रदेश सभा के महामंत्री मालचंद सुथार द्वारा किया गया।

अंत में, **महीसागर जिला अध्यक्ष महावीर प्रसाद ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया और समारोह को द्विगुणित करने वाले सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।**

इस समारोह की शोभा को चार -चांद लगाने वालों में, पूर्व गुजरात प्रदेश अध्यक्ष वापी से द्वारका प्रसाद जांगिड, सूरत से वरिष्ठ समाजसेवी भंवरलाल, अहमदाबाद के वरिष्ठ समाजसेवी सुरेंद्र शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष पप्पू राम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम अवतार, अहमदाबाद से कमलेश, अहमदाबाद के जिला अध्यक्ष रवि दत्त, बड़ौदा से जिला अध्यक्ष शंकरलाल, भरूच से जिला अध्यक्ष मदनलाल, पंचमहल से जिला अध्यक्ष सांवरमल, खेड़ा से जिला अध्यक्ष नेमीचंद ,थरात से शांतिलाल ,आणंद से जिला अध्यक्ष मघाराम, तापी से जिला अध्यक्ष नारायण लाल ,अरावली से जिला अध्यक्ष अनिल कुमार तथा अरावली से महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती मीना देवी सहित महासभा, प्रदेश सभा एवं विभिन्न जिलों के अनेक पदाधिकारी, समाजसेवी, मातृ शक्ति , युवा तथा बच्चे भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गुजरात प्रदेश महामंत्री, मानाराम सुथार

राजस्थान फाउंडेशन के अंतर्राष्ट्रीय चैप्टर्स की वर्चुअल बैठक गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विदेशों में रह रहे भारतीयों और विशेषकर दुबई में रह रहे, राजस्थानी प्रवासियों को विश्वास दिलाया कि भारत सरकार के साथ साथ राजस्थान सरकार भी, अमेरिका - इजराइल और ईरान के बीच हो रहे युद्ध से चिंतित हैं। मुख्यमंत्री ने यह विश्वास, राजस्थान फाउंडेशन के सभी अंतर्राष्ट्रीय चैप्टर्स की वर्चुअल बैठक को सम्बोधित करते सभी प्रबुद्ध लोगों को दिलवाया। यह बैठक 26 मार्च को आयोजित की गई थी और यह बैठक बड़े ही सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सौहार्द पूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक एवं गरिमापूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई। इस बैठक का सबसे सुखदायक और प्रेरणादायक पहलू यह रहा कि यह बैठक संवेदनशील होने के साथ ही प्रवासी राजस्थानियों के साथ भावनात्मक जुड़ाव को परिलक्षित करने वाली भी साबित हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थानी प्रवासियों की भावनाओं का ध्यान रखते हुए उनसे वर्चुअल बैठक करके इस संकट के समय में उनका ढांढस बंधाने का कार्य किया। इस बैठक से राजस्थानी प्रवासियों में विश्वास की भावना सुदृढ़ हुई है और उनको विश्वास है कि सरकार इस संकट के समय में पूरी तरह उनके साथ खड़ी है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने, राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर्स के पदाधिकारियों से, इजरायल - अमेरिका और ईरान के युद्ध के सन्दर्भ में वर्चुअल बैठक की, अमरा राम जांगिड ने भी भाग लिया।

बैठक के दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी ने वर्तमान में खाड़ी देशों में उत्पन्न परिस्थितियों एवं तनाव के संदर्भ में गंभीरता के साथ जानकारी प्राप्त की तथा प्रवासी राजस्थानियों की सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर दुबई चैप्टर के प्रेसिडेंट श्री अमराराम जांगिड ने संयुक्त अरब अमीरात की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यूएई सरकार सहयोगात्मक रवैया अपनाए हुए है और प्रवासी भारतीयों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जा रही है। साथ ही भारतीय दूतावास द्वारा भी निरंतर सराहनीय सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी अवगत कराया कि राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर द्वारा निरंतर सक्रियता एवं समर्पण के साथ उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है, जिससे प्रवासी राजस्थानियों को हर संभव सहायता एवं समर्थन मिल रहा है।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने आश्वस्त किया कि राजस्थान सरकार एवं केंद्र सरकार हर परिस्थिति में अपने नागरिकों के साथ दृढ़ता से खड़ी है और हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही सभी चैप्टर अध्यक्षों एवं उनकी टीमों को निर्देशित किया कि वे स्वयं की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए प्रवासी राजस्थानियों की सहायता एवं मार्गदर्शन में कोई कमी न रखें।

यह बैठक एक सशक्त संदेश देती है—एकजुटता, संवेदनशीलता एवं सेवा भाव का, जो राजस्थान की समृद्ध संस्कृति एवं मूल्यों को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ करता है।

मीडिया से बातचीत के दौरान संयुक्त सचिव पेंपाराम सुथार ने बताया कि इस वर्चुअल बैठक ने विश्वभर में बसे प्रवासी राजस्थानियों के बीच समन्वय को और अधिक मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में सभी संगठनों का एकजुट रहना अत्यंत आवश्यक है तथा राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से हर प्रवासी तक सहायता और सही जानकारी पहुँचाना प्राथमिकता है।

दुबई चेप्टर के अध्यक्ष, अमरा राम जांगिड

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा का ग्राम फरड़ोद और नागौर में, पलक पांवड़े बिछाकर भावभीना सत्कार एवं अभिनंदन किया गया

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि, समाज के प्रति समर्पण की भावना और उत्कट जिजीविषा रखने वाले, भारतीय राजस्व सेवा के वरिष्ठ अधिकारी, राजस्थानी भाषा के मर्मज्ञ कवि और मूर्धन्य लेखक और बहुआयामी प्रतिभा के धनी डॉ दिनेश कुमार जांगिड (सारंग) का जीवन परिचय किसी का मोहताज नहीं है। सौभाग्यवश फरडोद गाँव, डॉ. दिनेश कुमार जांगिड 'सारंग' की जन्म भूमि है।

उल्लेखनीय है कि 2 अप्रैल को महासभा प्रधान रामपाल शर्मा और पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, समाज के एक सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गांव फरडोद में आए हुए थे और इस अवसर पर स्थानीय निवासी, राधाकिशन जांगिड ने, प्रधान रामपाल शर्मा का और जगदीश जांगिड ने, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और महासभा के मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल का साफा पहना कर हार्दिक अभिनन्दन और स्वागत किया और इस अवसर को यादगार बनाने के लिए, इसी गांव की मिट्टी में पले और बड़े हुए, गांव के आईआरएस अधिकारी केन्द्रीय जी एस टी में, अतिरिक्त निदेशक डॉ दिनेश कुमार जांगिड 'सारंग' ने अपनी लिखी पुस्तक राजस्थानी **"गीत-गंगा"** एवं बाल कविताओं की पुस्तक **"सुन मेरे बेटे प्यारे"** दोनों मेहमानों को भेंट की और डॉ दिनेश कुमार जांगिड 'सारंग' एवं फरड़ोद ग्राम के जांगिड समाज के बधुओं द्वारा दोनों का हार्दिक अभिनन्दन किया गया। प्रधान ने कहा कि कलम के धनी, दिनेश सारंग भविष्य में भी अपनी लेखनी के माध्यम से, राजस्थानी साहित्य को समृद्ध करने के साथ ही, समाज सुधार सहित अनेक विषयों के बारे में भी पुस्तक लिख कर , समाज पर एक परोपकार करेंगे।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने , इस अवसर पर भावुक होते हुए कहा कि डॉ दिनेश सारंग न केवल समाज के एक अनमोल रत्न हैं, अपितु समाज के बच्चों के प्रति उनकी सोच भी बड़ी ही सकारात्मक है और उनका बड़ा ही उद्धार दृष्टिकोण भी है। वह विश्वकर्मा युवा मंडल के माध्यम से छात्र छात्राओं को मोटिवेट भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में 03 मई 2026 को राजस्थान के सभी 41 जिलों में, विश्वकर्मा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया जा रहा है और इसके, मुख्य प्रायोजक पदम ग्रुप आफ मुम्बई है। यह कदम समाज के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में, एक सकारात्मक कदम सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि दिनेश सारंग की तरह ही, समाज के बहुत ही कम ,ऐसे उच्च अधिकारी हैं, जो समाज के लोगों की भावनाओं की कद्र करते हुए, समाज के साथ जुड़े रहना चाहते हैं, क्योंकि उन्होंने स्वयं ही, उन परेशानियों का सामना किया है और इसीलिए वह समाज के गरीब लोगों की भावनाओं को भली-भांति समझते हैं। बहुआयामी प्रतिभा के धनी डॉ. दिनेश के कुशल व्यवहार और उनकी कार्यशैली का , कम से कम मैं तो बहुत ही कायल हूँ और समाज के ऐसे बहुत कम अधिकारी हैं, जो, डॉ. दिनेश जैसे सर्वगुण सम्पन्न हैं।

इसके पश्चात प्रधान रामपाल शर्मा और पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, नागौर पहुंचे, जहां पर विश्वकर्मा युवा मित्र मंडल की टीम द्वारा प्रधान रामपाल शर्मा, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला एवं महासभा सलाहकार श्रीगोपाल चोयल का भी पलक पांवड़े बिछाकर भावभीना स्वागत किया गया। नागौर जिला के पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष राधाकिशन ने इन तीनों को माला साफा पहनाकर स्वागत किया। महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने सामाजिक स्वागत सत्कार से, अभिभूत होकर राधा किशन जांगिड, डॉ दिनेश जांगिड सारंग, एवं फरडोद ग्राम के जांगिड समाज के महानुभावों का हृदय के अन्तःकरण से आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

इस अवसर को द्विगुणित करने वालों में, जिला नागौर के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष राधाकिशन जांगिड, नागौर युवा मित्र मंडल अध्यक्ष देवानंद जांगिड, शहर भाजपा अध्यक्ष नंदकिशोर जांगिड, जगदीश जांगिड, जीवराज जांगिड, ताराचंद जांगिड, अशोक बरडवा, संजय जांगिड, गणपत जांगिड शामिल हैं। ।

नागौर जिला के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष, राधाकिशन जांगिड

भविष्य को सुन्दर बनाना है तो, मन को नियंत्रित रखते हुए, वर्तमान को सुन्दर बनाइए

हमारा मन, जितनी तेजी और गहराई से हमें नुकसान पहुँचा सकता है, उतना शायद और कोई नहीं पहुँचा सकता है। मन, हर समय बेकार और व्यर्थ की बातें, चिंता और उन चीजों के पीछे भागता रहता है, जो हमारे नियंत्रण में बिल्कुल भी नहीं हैं। जीवन में ऐसी सोच ही, हमें भीतर से कमजोर बनाती है। वर्षा कम हो या अधिक, सर्दी या गर्मी कम हो या अधिक, यह सब हमारे वश में, तो बिल्कुल भी नहीं है, लेकिन हम पहले से ही चिंता में डूब जाते हैं, कि ऐसा होना सम्भव हो सकता है। वास्तव में जो, बहु संख्यक का आदर्श है, वह हमारे लिए सही ही हो, यह कदापि आवश्यक नहीं। इसलिए दूसरों की परवाह और चिंता किए बिना ही, एक व्यक्ति को, अपनी तर्क बुद्धि और अन्त:करण से सलाह लेकर ही अपने आदर्शों का चुनाव करना चाहिए।

यह मानव जीवन सदैव ही अपनी गति से चलता है और परमात्मा का जीवन रुपी यह अनमोल उपहार, हमें परमात्मा से ,कब तक मिला है, इसके बारे में कोई भी नहीं जानता है। इसलिए हर पल को जी भर के जीना चाहिए। जीवन में हर छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी घटनाएं भी, हमें कुछ न कुछ अवश्य ही सिखला कर जाती हैं। **कबाड़ी हमारे घर से केवल , वही चीज लेता है, जो उसके काम की होती है और बाकी चीजें वह मुफ्त में भी नहीं लेता है। लेकिन इसके विपरीत , एक हम हैं कि इस संसार की हर वस्तु को, चाहे वह हमारे काम की हो या नहीं, उसे समेटना चाहते हैं, यहां तक कि अपने-अपने परिश्रम से कमाई गई संपत्ति से अवगुण और दोष भी खरीद लेते हैं।** जबकि वास्तव में हमें समझना यह है कि जीवन में हमें, केवल उतना ही रखना चाहिए, वास्तव में हमें जितने की जरूरत होती है।

एक मनुष्य को अपने जीवन में यह गांठ अवश्य ही बांध लेनी चाहिए कि उसे न तो किसी वस्तु, व्यक्ति या परिस्थिति से आसक्ति रखनी है और न, ही कभी भी विचलित और परेशान होना है और इसके अतिरिक्त न ही, क्रोध या इर्ष्या करना है। इस प्रकार की सोच को आत्मसात करने से ही, हम अनुपयोगी कूड़े करकट जैसी मानसिक गंदगी से बच सकते हैं। ब्रह्मांड बहुत विशाल है और यह मनुष्य उसका एक छोटा सा हिस्सा हैं, इसलिए सब कुछ हमारे अनुसार नहीं हो सकता है, हम न तो अतीत को बदल सकते हैं और न ही किसी का भविष्य ही पूरी तरह से लिख सकते हैं , पर इतना अवश्य है कि हम वर्तमान को, अपने प्रयासों से अधिक सार्थक और सुन्दर बना सकते हैं और आज को सुंदर बनाना ही, वास्तव में भविष्य को अधिक सुखद और उपयोगी बनाना है। मानव जीवन की इस आध्यात्मिक यात्रा में, दो सबसे बड़ी परीक्षाएं होती है। नंबर एक, सही समय की परीक्षा के समय, धैर्य बनाए रखना और कठिन परिस्थितियों में दु:खी न होने का साहस रखना। **इस जीवन में धैर्य का अर्थ है, वर्तमान में स्थिर रहना और इस बात का दृढ़ विश्वास रखना कि जो कुछ भी छिपा हुआ है वह समय आने पर निश्चित रूप से ही प्रकट होगा। इस बात को हमेशा याद रखें, कि हीरा हमेशा दबाव के सहने से ही बनता है।** इसलिए जीवन में परिस्थितियों का दबाव सहना सीखना चाहिए, **क्योंकि हीरा बनने का समय बस आने वाला ही है और परिपक्वता ही वास्तव में इस जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।**

आज मनुष्य के पास हर प्रकार के संसाधन है , **लेकिन आज मनुष्य में धैर्य कम होता जा रहा है, क्योंकि हम कोई भी चीज तुरंत चाहते हैं और इसे धैर्य नहीं , अपितु मन की अस्थिरता कहते हैं।** जब मन वर्तमान में टिक नहीं पाता है, तब वह भविष्य की तरफ भागता है। मनुष्य के जीवन में अधीरता और धैर्य कोई जन्म जात गुण नहीं है। धैर्य उस समय पैदा होता है, जब एक व्यक्ति सहज रूप से यह स्वीकार कर लेता हैं कि **कोई भी काम पूरा करने का एक समय होता है और जो व्यक्ति जीवन में धैर्य रखना सीख लेता है, उसका जीवन आनंदमय बन जाता है।** इसलिए जीवन में, सुखी रहने का केवल मात्र एक ही मूल मंत्र है और वह है, जो मन को नियंत्रित रखते हुए और धैर्य को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ता है, **वहीं जीवन में सफल होता है और यही इस जीवन की वास्तविक सच्चाई है। इसलिए कहा गया है कि भविष्य को सुन्दर बनाना है तो मन को नियंत्रित और धैर्य बनाए रखते हुए वर्तमान को सुन्दर बनाइए तभी भविष्य सुन्दर और सुखद बनेगा।**

जिला अध्यक्ष पश्चिमी दिल्ली सागरपुर, रामानंद शर्मा

आत्मा से एकांत में संवाद करे, सभी उलझने दूर हो जांएगी

आत्मा परमात्मा का ही, स्वरूप है, भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि आत्मा न कभी मरती है और न कभी जन्म लेती है और यह अशोष्य, अकलेद्य है और यह एक शाश्वत सत्य भी है और इस शाश्वत सत्य को, अपने आत्मतत्व रुपी ज्ञान के माध्यम से, जिसने जान लिया है, वह इस संसार के सभी प्रकार के बन्धनों से मुक्त होकर, उस अनन्त सत्य को प्राप्त कर लेता है, जिसे मोक्ष कहा जाता है। इस आत्मा से, संवाद करने के लिए, मनुष्य को निःस्वार्थ और निष्काम भाव से बिना हानि लाभ और दुःख सुख की चिंता करते हुए और सभी के साथ समदर्शी व्यवहार करते हुए, निर्लेप भाव से कार्य करते हुए, आत्मा के साथ तादात्म्य स्थापित करना होगा।

वेदों और उपनिषदों तथा पुराणों में आत्मा से तादात्म्य स्थापित करने के अनेक उपायों का उल्लेख किया गया है। एक सांसारिक व्यक्ति के लिए घर के किसी भी शांत और सुनसान कोने में, एक समतल आसन पर बैठकर अन्तःकरण से ध्यानस्थ होना पड़ेगा और इस ध्यान के माध्यम से ही, एक मनुष्य की आत्मा के तार परमात्मा से जुड़ सकते हैं क्योंकि आत्मा को परमात्मा का ही एक अंश माना गया है और जिसने अपने आत्म ज्ञान से परमात्मा को पहचान लिया है, फिर वह सभी प्रकार की चिताओं से मुक्त होकर परमात्मा को पाने के अपने लक्ष्य को हासिल कर लेता है।

इसलिए यह जरूरी है कि उस अनन्त ब्रह्माण्ड के सृजनकर्ता परमात्मा से तादात्म्य स्थापित करने के लिए, अपनी सभी सांसारिक इच्छाओं का परित्याग करके और एकांत में बैठकर, ध्यान केंद्रित करने से ही आध्यात्मिक मार्ग के माध्यम से परमात्मा को पहचान कर उससे जुड़ाव को महसूस किया जा सकता है, क्योंकि एकान्त ही एक वह स्थान है, जहां पर आत्मा अपने वास्तविक रूप में खिलती है और इसके विपरित शोर-गुल में, एकाग्रता भंग हो सकती है और जो सहज रूप से ही ध्यान लगाने वाले के मन को विचलित कर देती है।

इस जीवन में ध्यान एक ऐसा अमृत कलश है, जो आन्तरिक अनुभूति से तादात्म्य स्थापित करके, असीम आनन्द की अनुभूति प्रदान करता है। मनुष्य का मन बड़ा चंचल है लेकिन मन से श्रेष्ठ बुद्धि है और बुद्धि से श्रेष्ठ आत्मा है, इसलिए ध्यान लगाते समय में, आत्मा को, परमात्मा को समर्पित कर दो और फिर आपकी चिंता वह परमपिता परमेश्वर स्वयं ही करेगा। लेकिन ध्यान में भी निरन्तर रुकावटें पैदा होती रहती है. **इसलिए एकान्तवास की आवश्यकता हमारी आत्मा की सबसे बड़ी आवश्यकता हो सकती है। एकान्तवास में गर्म कम्बल पर बैठकर दोनो आंखो को बंद कर दोनो भोहों के बीच "ज्ञान केन्द्र" पर ध्यान लगाकर हम अपने भीतर अन्त: करण में (आत्मा की आवाज) को आवाज को सुन सकते हैं और विचार कर सकते हैं और आत्मा से ईश्वर से सम्बंधित आध्यात्मिक प्रश्न भी पूछ सकते हैं।** उदाहरणार्थ जैसे, मैं कौन हूँ? और कहां से आया हूँ? और मुझे इस घरा पर आकर क्या करना है? और मेरे जीवन का अन्तिम उद्देश्य क्या है? इन प्रश्नों का उत्तर केवल ध्यान और आत्मा और परमात्मा के मिलन से ही संभव हो सकता है।

आत्मा एक चेतन एवं अविनाशी ज्योति बिंदु है, जो कि मानव देह में, भृकुटी में निवास करती है और आत्मा में ही संस्कार बसते हैं। हमारा यह शरीर एक मोटर के समान है और आत्मा इसका ड्राइवर है। आत्मा को जानने के लिए आत्म साक्षात्कार करने के लिए इस प्रकार के प्रश्नों पर गम्भीरता पूर्वक विचार करने के साथ ही, इस जीवन के बारे में, भी गहराई से सोचना और इसकी वास्तविकता के बारे में जानना होगा और मैं समझता हूँ कि आत्मा को जानने की इस प्रक्रिया में, आत्मा से एकान्त में बैठकर संवाद करने का अर्थ भी यही है कि एकान्त में व्यतीत किया गया समय, हमें "आत्म-समझ" में गहराई से समझने में मददगार साबित होने के साथ ही बाहरी दुनिया की अशांति से दूर आत्म-शांति प्राप्त करने का अवसर देता है। मेरा यह स्पष्ट रूप से मानना है कि इस प्रक्रिया को, हर रोज करने से ही, आत्मा और परमात्मा का साक्षात्कार होने से, मनुष्य को अपने जीवन के, अनसुलझे रहस्यों को समझने का अवसर मिलता है और अंत में आत्मा के रहस्यों को जान कर, उस श्रद्धालु भक्त को आत्मानन्द की अनुभूति होती है।

विपुल धन्यवाद।

कवि दूलीचंद जांगिड, सतारा महाराष्ट्र

प्री वेडिंग शूट और सामाजिक व्यवस्थाएं-- एक चिंतन

आजकल हमारे देश में पिछले कुछ वर्षों से पाश्चात्य देशों के समान विवाह के पूर्व लड़के-लड़की द्वारा "प्री वेडिंग शूट" करने का चलन शुरू हो गया है। आधुनिकता के चलते विवाह बंधन में बंधने वाले हर किसी लड़के - लड़की की इच्छा होती है कि उसकी लवस्टोरी हीरो-हीरोइन की तरह बड़े पर्दे पर सबके सामने चले। यही कारण है कि विवाह से पहले प्री वेडिंग शूट भारतीय वैवाहिक कार्यक्रमो का हिस्सा बनता जा रहा है। वैवाहिक कार्यक्रम अब महीने - पन्द्रह दिन पूर्व ही प्रारंभ हो जाते हैं जो परिजनों की जेब का बोझ बढ़ाने का काम कर रहे है। प्री वेडिंग शूट करने वालों के अनुसार विवाह के बंधन में बंधने वाले पच्चीस प्रतिशत से भी अधिक जोड़े प्री वेडिंग शूट करवा रहे हैं।

प्री वेडिंग शूट मे "प्री" का मतलब पहले और"वेडिंग" का मतलब होता है शादी तथा शूट का मतलब होता है वीडियो रिकॉर्डिंग । अर्थात शादी से पहले लडके तथा लड़की द्वारा भिन्न- भिन्न जगहों पर, भिन्न-भिन्न प्रकार के पोज में फोटोशूट करवाना व वीडियो बनवाना **"प्री वेडिंग शूट"** कहलाता है। हमारे समाज मे भी प्री वेडिंग फोटो शूट की घातक बीमारी पिछले कुछ वर्षों से लगी है और यह बहुत तेजी से फैल रही हे। जिस प्रकार इंटीरियर डेकोरेटर अपना महत्व साबित करने के लिए अनेक और नये - नये कार्य बताते हैं जिससे बजट बिगड़ जाता है। उसी प्रकार से अपना महत्व साबित करने के लिए इवेंट मैंनेजमेंट वालों ने भी प्री वेडिंग शूट को पैसा कमाने का एक जरिया बना लिया है।

शादी से पहले प्री वेडिंग फोटो शूट करना केवल अमीरों का शौक है परंतु इसमें लाखों रुपए का खर्चा करके मध्यम एवं निम्नवर्गीय परिवार भी एक दूसरे की देखा - देखी इस दलदल में फंसते जा रहे हैं। गलत होने के बावजूद भी प्री वेडिंग शूट लड़के-लड़कियों को पसंद आ रहा है और अधिक लोकप्रिय होता जा रहा है। हमे अपनी खुशियों को अच्छी तरह से मनाना चाहिए यह बिल्कुल सत्य है परंतु इसमें प्री वेडिंग शूट ठीक नही क्योंकि इसने वैवाहिक संस्कारों को महत्वहीन कर दिया है।

एक ओर तो हम कहते हैं कि महंगाई बहुत अधिक हो गई है तथा जीवन निर्वाह करना मुश्किल हो रहा है दूसरी ओर अपने सामाजिक रीति-रिवाज को ताक पर रख कर "फिजूल खर्ची" में इजाफा कर रहे हैं। प्री वेडिंग शूट को विवाह के दिन बड़ी स्क्रीन पर सबके सामने दिखाया जाता है जिसमें दूल्हा - दुल्हन के अंतरंग एवं निजी फोटोग्राफ होते हैं उन्हें परिवार के बच्चे, बुजुर्ग, रिश्तेदार एवं अन्य लोग देखते हैं जो देखने में पारिवारिक एवं सामाजिक दृष्टि से किसी प्रकार अच्छा एवं शोभनीय नहीं लगता है। प्री वेडिंग शूट के लिए शर्मसार हरकतें होती हैं इसलिए इसे कोई स्वीकार नहीं कर रहा।

विवाह से पहले अपने निजी फोटो को समाज के सामने प्रदर्शित करना गलत है। इससे विवाह की मर्यादा का हनन होता है। यह हमारी वैवाहिक भारतीय परंपरा और रीति-रिवाजों के पूर्णतः विरुद्ध है और कुरीति बनकर सामने आ रही है। इस कुरीति के कारण रिश्ते भी टूटने लगे हैं। प्री-वेडिंग शूट कुरीति के रूप में समाज को हानि पहुंचा रहा है। इसे मान्यता देना अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

विवाह में दो परिवार के मिलन के साथ दो आत्माओं का मिलन है जो सृष्टि की रचना करती है। हमारे ऋषि मुनियों ने विवाह को मात्र सृष्टि की रचना के लिए एक जरिया माना, न कि विलासिता के लिए। विवाह में रस्म, रीति-रिवाजों की शूटिंग करनी चाहिए, जिससे आने वाली पीढ़ी को वैवाहिक परंपराओं के बारे में जानकारी मिले परंतु इसके विपरीत संस्कृति के संपन्न घरेलु परिवारो में प्री वेडिंग शूट के बहाने पश्चिमी संस्कृति धीरे-धीरे पनप रही है और जो अश्लीलता परोसी जा रही है वह आगे चलकर सामाजिक परिवेश के दुष्परिणाम का एक ठोस कारण बनेगी। विवाह के बाद कितनी भी फोटो कराए लेकिन विवाह से पहले प्री वेडिंग फोटो शूट और वीडियो शूट कराने से बचे। परिवार वाले भी इसे प्रोत्साहित ना करें। जब विवाह समारोह से पहले ही आप सब कुछ कर लेना चाहते हैं तो विवाह समारोह की जरुरत ही क्या है। आधुनिकता और मर्यादा दोनों को निभाते हुए विवाह संस्कार संपन्न हो इसी उद्देश्य को लेकर अनेक समाजों ने अपने यहा प्री वेडिंग शूट पर पाबंदी लगा दी है।

भविष्य में इसके दुष्परिणाम न भुगतने पड़े इसलिए हमारे समाज को भी इसके विरोध का निर्णय करना चाहिए और सामाजिक मंचों से इस कुरीति को समाप्त करने की ओर ठोस कदम उठाना चाहिए।

प्रवीण शर्मा, नीमच, मुख्य चुनाव अधिकारी महासभा

श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़ गंज में,
भगवान श्री राम का जन्मोत्सव मनाया गया और हवन - यज्ञ किया गया

श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज समिति द्वारा 26 मार्च को, भगवान श्री राम का जन्मोत्सव, चैत्र शुक्ल नवमी को बड़े ही हर्षोल्लास और सौहार्द पूर्ण वातावरण में समाज के प्रबुद्ध लोगों द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर हवन- यज्ञ भी किया गया और इस हवन में, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली की उच्च स्तरीय समिति के सदस्य एवं राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता पुखराज जांगिड एडवोकेट, महासभा के उप प्रधान सूरज डोयल, संगठन मंत्री धर्मेन्द्र बुढड एवं चेतन भदरेचा , विश्वकर्मा टुडे पत्रिका के सम्पादक और विश्वकर्मा यूट्यूब चैनल के हैड, नरेश शर्मा, महासभा के पूर्व मुख्य चुनाव अधिकारी देवमणि शर्मा द्वारा धार्मिक मन्त्रोंचार के साथ पूर्ण आहुति डालकर, भगवान श्री राम से , देश और समाज की खुशहाली की मनोकामना की गई। इस हवन से वातावरण, आध्यात्मिकता के रंग में सराबोर हो गया। **इस हवन यज्ञ के पंडित योगेश शर्मा थे, जिन्होंने विधिवत तरीके से इस हवन यज्ञ को सम्पन्न करवाया और भगवान श्री राम के जन्मोत्सव की , एक दूसरे को बधाई दी गई** और इसके बाद भगवान श्री राम दरबार में, सभी ने , पूजा और आरती करके समाज के उत्थान और प्रगति की मंगल कामना भी की।

इस मन्दिर में स्थित, भगवान श्री राम दरबार, भगवान शिव, भगवान विश्वकर्मा मंदिर और महर्षि अंगिरा के मंदिर में दर्शन करने के बाद, पुखराज जांगिड ने कहा कि मेरा इस श्री विश्वकर्मा मंदिर से अनेक वर्षों से, विशेष लगाव रहा है और, मैं, जिस समय भी दिल्ली आता हूँ तो, किसी होटल में ठहरने की अपेक्षा मैं, समाज की इस ऐतिहासिक धरोहर में ठहरना पसंद करता हूँ, **क्योंकि यहां आने पर, मुझे जो मानसिक शांति और समाज के लोगों का और विशेषकर प्रधान गंगादीन जांगिड का, जो प्यार मिलता है, उसे एक प्रकार की आत्मीयता का अहसास होता है, इसलिए मैं यहां पर, इस मन्दिर में सहज रूप से ही खींचा चला आता हूँ।** उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर, पहाड़गंज की स्थापना सन् 1921 में आज से 105 वर्ष पहले हुई थी और तब से यह मंदिर इस समाज की अमूल्य धरोहर बनकर, समाज में आपसी एकता भाईचारे का संदेश, अनवरत रूप से दे रहा है। इसी मन्दिर में, पंजाब के रामगढ़िया सिख महाराजा , जस्सा सिंह रामगढ़िया ने, रात्रि में विश्राम किया था और भगवान श्री विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना करके और भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद लेकर इसी मन्दिर से निकले और जस्सा सिंह रामगढ़िया ने, दिल्ली पर फ़तह करते हुए, दिल्ली को मुस्लिम शासको से मुक्ति दिलाई थी और तभी से ही, यह मन्दिर जांगिड-सुथार एवं सिख रामगढ़िया समाज के लोगों के लिए अगाध आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र रहा है।

भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रांगण में भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के अवसर पर रामनवमी को हवन यज्ञ किया गया

पुखराज जांगिड ने, भगवान श्री राम जन्मोत्सव पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने , अपनी लीलाओं के माध्यम से मानवता को , आपसी समन्वय, प्रेम, करुणा और भक्ति तथा मर्यादा को बनाए रखने का जो अमर संदेश दिया है, वह आज भी , उसी प्रकार से सार्थक और समीचीन है और जिसने भी अपने जीवन में भगवान

श्री राम के महान उदात्त मानवीय मूल्यों को आत्मसात कर लिया, उसका जीवन सार्थक हो जाता है।

श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रधान , विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति गंगादीन जांगिड ने याद दिलाया कि जिस दिन 22 जनवरी 2024 को, अयोध्या में, भगवान श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की जा रही थी, उसी दिन, उसी शुभ मुहूर्त में इस मंदिर में, भगवान श्री राम दरबार और कुल प्रवर्तक महर्षि अंगिरा की मूर्ति की स्थापना करके इस मंदिर की कड़ी में एक और नया अध्याय जोड़ा गया था और वह दिन, इस मंदिर के इतिहास में भी, स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है, क्योंकि इसी दिन, भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या धाम में, भगवान श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी और यह एक प्रकार का संयोग ही कहा जायेगा। उन्होंने याद दिलाया कि भगवान श्री राम दरबार की स्थापना और महर्षि अंगिरा की प्रतिमा का अनावरण , वेद मन्त्रों के उच्चारण और शंख ध्वनि के बीच किया गया था और प्राण प्रतिष्ठा का कार्य **श्री हरिहर वैदिक गुरुकलम के आचार्यों द्वारा उसी, विधि - विधानपूर्वक तरीके से उसी शुभ लग्न और उसी शुभ घड़ी में किया गया था , जिस घड़ी और नक्षत्र में, अयोध्या में, भगवान श्री राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।** अयोध्या में **उस दिन भगवान श्री राम आए और इस पहाड़ गंज में राम दरबार का शुभारंभ हुआ और इसकी कड़ी, अयोध्या में भगवान श्री राम के रामलला के मंदिर के साथ अयोध्या धाम से जुड़ गई है।**

महासभा के पूर्व मुख्य चुनाव अधिकारी सागरपुर दिल्ली के देवमणि शर्मा ने कहा कि जिस दिन इस राम दरबार का शुभ मुहूर्त में श्री गणेश हुआ था, उस दिन का भी मैं , साक्षी रहा हूँ और सांसद रामचंद्र जांगड़ा और महासभा प्रधान रामपाल शर्मा भी इस अजीब संयोग के साक्षी रहे हैं और इसी शुभ मुहूर्त में, भगवान श्री राम अपने दरबार के साथ इस मन्दिर में विराजमान हुए हैं। **उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम अब अयोध्या में दिव्य राम मंदिर में रहेंगे और आने वाले हजारों साल बाद भी लोग, 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में, भगवान श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का उल्लेख करेंगे और यह सब भगवान श्री राम जी की कृपा से ही सम्भव हो पाया है।**

विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सम्पादक और विश्वकर्मा टूडे यूट्यूब चैनल के हैड, मूर्धन्य पत्रकार और समाज के प्रति समर्पण भावना और सकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाले नरेश शर्मा ने कहा कि भगवान श्री राम घट - घट में परिव्याप्त है और उनको कहीं पर भी, बाहर खोजने की जरूरत नहीं है, अपितु आत्मचिंतन और अनन्य भक्ति और उपासना के माध्यम से उनको अपने अन्त:करण के भीतर खोजने की महत्ती जरूरत है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम, भारत के 140 करोड़ लोगों की आस्था और अगाध विश्वास के प्रतीक है और भगवान श्री राम द्वारा अपनी लीलाओं के माध्यम से मानवता को दिया गया अमर संदेश आज भी उतना ही समीचीन और सार्थक है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम, भारत की आत्मा का प्रमुख आधार और विचार है।

दिल्ली पहुंचने पर, पुखराज जांगिड, जोधपुर के महासभा उप प्रधान सूरज डोयल, संगठन मंत्री धर्मेंद्र बुढल, चेतन भदरेचा और नरेश शर्मा का, श्री विश्वकर्मा मंदिर समिति के प्रधान गंगादीन जांगिड, महामंत्री देशराज जांगिड और वेदप्रकाश शर्मा एवं समिति के सदस्यों द्वारा भावभीना स्वागत किया गया।

इस अवसर पर श्री विश्वकर्मा मंदिर समिति के महासचिव देशराज जांगिड, कोषाध्यक्ष रामकिशन जांगिड, पत्रकार सतीश शर्मा , सीता राम जांगिड, किशोरी लाल शर्मा, मन्दिर के प्रबंधक नित्यानन्द जांगिड, मन्दिर के मुख्य पुजारी जय प्रकाश गौतम, ने इस अवसर पर उपस्थित हो कर इसकी शोभा को द्विगुणित कर दिया।

सम्पादक, रामभगत शर्मा

अद्वितीय प्रतिभा के धनी और करुणा की प्रतिमूर्ति— डॉक्टर लोकेश जांगिड

महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी, प्रवीण शर्मा, नीमच

जीवन में, जो चिकित्सक सेवा भावना से अभिप्रेरित होकर, मानवता की सेवा करता है, सेवा की ऐसी प्रतिमूर्ति उस चिकित्सक को, **धरती पर भगवान का रूप' माना जाता है** और अपनी उत्कृष्ट कार्य क्षमता और बौद्धिक प्रतिभा के माध्यम से यह सिद्ध करके दिखलाया है, प्रतिभा के धनी, राजकीय मेडिकल कॉलेज, भीलवाड़ा में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत, डॉक्टर लोकेश जांगिड ने। **आधुनिक युग में डॉक्टर को भगवान का रुप माना गया है और यह कहावत अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण की भावना रखने वाले, विनम्रता और सौम्यता के प्रतीक डॉ. लोकेश जांगिड के व्यक्तित्व पर सटीक बैठती है,** क्योंकि उनमें जहां, मानवीय संवेदनाओं के साथ - साथ सहानुभूति, करुणा और समर्पण जैसे महत्वपूर्ण सहज और स्वाभाविक चिकित्सकीय गुण परिव्याप्त हैं, जो रोगियों को स्वस्थ जीवन देने के साथ ही अपने बहूमूल्य परामर्श के माध्यम से, समाज से बीमारियों को मिटाने के लिए आवश्यक होते है।

विकसित सोच के धनी, डॉ. लोकेश जांगिड की मान्यता स्पष्ट है और उनका मानना है कि, चिकित्सकीय कार्य केवल आय अर्जित करने का केवल मात्र एक साधन नहीं है, बल्कि मानवता की सेवा करने का एक पुनीत अवसर भी है और इस दौरान गरीब लोगों की जो दुआए मिलती हैं, उसका कोई भी सानी नही है। एक श्रेष्ठ चिकित्सक की पहचान केवल , उसके क्लीनिक या अस्पताल की भव्यता से परिलक्षित नहीं होती है, अपितु उसके मरीजों के प्रति मृदु व्यवहार से होती है। **एक कुशल चिकित्सक, केवल बीमारी का इलाज ही नहीं करता है, बल्कि रोगी के दु:खों को समझकर, उन्हें मानसिक और भावनात्मक सहारा भी देता है। वास्तव में, एक सच्चा चिकित्सक, गरीबों और जरूरतमंदों की चिंता ही नहीं करता है , अपितु चिकित्सकीय नैतिकता का भी कड़ाई से पालन करते हुए अपने प्रति तथा मरीजों के प्रति न्याय भी करता है।**

महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड एवं श्रीमती माया देवी जांगिड के होनहार सुपुत्र, प्रतिभा के धनी डॉ. लोकेश जांगिड स्कूल के समय से ही, एक मेधावी छात्र एवं विशेष प्रतिभा के धनी रहे हैं। उनके पिता सांवरमल जांगिड, राजकीय सेवा भारतीय दूरसंचार विभाग से उप महाप्रबंधक (वित्त) के पद से सेवानिवृत हुए हैं। उनके दादा जगदीश नारायण जांगिड भी एक सरकारी अध्यापक के पद से सेवानिवृत हुए हैं। डॉ. लोकेश जांगिड ने केन्द्रीय विद्यालय चुरू से सन् 2002 में, माध्यमिक परीक्षा एवं सन् 2004 में उच्च माध्यमिक परीक्षा 81 प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण की है। उसके पश्चात वर्ष 2004-05 में, डॉक्टर बनने के लिए मेडिकल की परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी और कठिन परिश्रम एवं लक्ष्य को प्राप्त करने के अटूट विश्वास और दृढ़ संकल्प के कारण लोकेश जांगिड ने सत्र 2006 में आल इंडिया प्री- मेडिकल प्रवेश परीक्षा में 131 वीरैंक हासिल की और एम बी बी एस में अपना चयन सुनिश्चित किया।

डॉ. लोकेश जांगिड ने राजकीय टोपीवाला नेशनल मेडिकल कॉलेज, (नायर मेडिकल कॉलेज) मुम्बई सेंट्रल से मार्च-2012 में एम बी बी एस की परीक्षा उतीर्ण करके, डॉक्टर की उपाधि हासिल की और नवम्बर 2014 में वह राजस्थान सरकार में मेडिकल ऑफिसर के पद पर नियुक्त हुए और **उनकी ज्ञान पिपासा अभी शांत नहीं हुई थी। मेडिकल ऑफिसर के पद पर कार्य करने के साथ - साथ ही, वर्ष 2018 में, उनका चयन, उच्च अध्ययन के लिए पी.जी, एम एस , ओरथो, ब्रांच में हो गया और वर्ष 2021 में राजकीय मेडिकल कॉलेज कोटा से चिकित्सा के क्षेत्र में, स्नातकोत्तर की उपाधि , एम एस ओरथो में प्राप्त की।** चिकित्सा के क्षेत्र में, स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त करने और राजकीय सेवा में होने के बाद भी, **डॉ. लोकेश जांगिड, उच्च अनुभव प्राप्त करने के लिए सहायक आचार्य (प्रोफेसर) के पद पर पदोन्नत हुए हैं और वह वर्तमान में, महात्मा गाँधी राजकीय चिकित्सालय भीलवाड़ा में, आर्थोपेडिक सर्जन, एक हड्डी जोड़ विशेषज्ञ एवं स्पाइन सर्जन के रूप में मरीजों की मनोभाव से सेवा कर रहे हैं।** उन्होंने हड्डी जोड़ सर्जरी में, महारत हासिल करने के साथ ही, वह रीढ़ की हड्डी की समस्याओं , जैसे स्लीप डिस्क, कमर दर्द , साइटिका , गर्दन दर्द एवं विभिन्न चोटों का उपचार और स्पाइनल के लिए चिकित्सा और सर्जिकल उपचार प्रदान कर रहे हैं। **डॉ. लोकेश जांगिड की निष्काम सेवा भावना, को देखते हुए ही, उनको अभी हाल ही में, सम्मानित किया गया है और यह सम्मान वास्तव में उनके कर्तव्य बोध का सम्मान है।**

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि डॉक्टर लोकेश जांगिड की नि:स्वार्थ सेवा, समर्पण और चिकित्सकीय ज्ञान के माध्यम से वह मानव जीवन की रक्षार्थ लगातार अपनी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर रहे है। **उन्होंने परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर ही, एक हड्डी रोग विशेषज्ञ के रुप में अपनी विशेष पहचान बनाई है। उनका भविष्य बड़ा ही उज्ज्वल है** और मैं चाहता हूँ कि वह इसी निष्काम भावना से सदैव ही मानवता की सेवा करते रहे। मैं उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ। *******

एपोस्टल ऑफ ह्यूमैनिटी" अवार्ड से सम्मानित हुए मेरठ के डॉ. शशिकांत शर्मा

मेरठ के प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. शशिकांत शर्मा को, होम्योपैथी चिकित्सा और समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए, 8 मार्च, 2026 को, **"एपोस्टल ऑफ ह्यूमैनिटी"** अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। **यह सम्मान डॉ. शशिकांत को, ऑल इंडिया कॉन्फ्रेंस ऑफ इंटेलेक्चुअल द्वारा 8 मार्च 2026 को मेरठ के शांति निकेतन स्कूल में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया।** इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक आल इंडिया कांफ्रेंस आफ इंटेलेक्चुअल के जनरल सेक्रेटरी प्रकाश निधि शर्मा थे और शांति निकेतन के चेयरमैन विशाल जैन तथा जयप्रकाश अग्रवाल ने इस समारोह की शोभा को द्विगुणित किया।

डॉ. शशिकांत शर्मा एपोस्टल ऑफ ह्यूमैनिटी अवार्ड से सम्मानित हुए

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व हाई कोर्ट न्यायाधीश एवं उत्तराखंड लॉ कमीशन के चेयरमैन , जस्टिस राजेश टंडन ने डॉ. शशिकांत शर्मा को यह सम्मान प्रदान किया। इस कार्यक्रम की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, विभिन्न क्षेत्रों की, अनेक प्रमुख हस्तियां भी उपस्थित रहीं।

उल्लेखनीय है कि **"एपोस्टल ऑफ ह्यूमैनिटी"** अवार्ड देश की चुनिंदा हस्तियों को उनके, उत्कृष्ट सामाजिक एवं मानवता के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए दिया जाता है। डॉ. शशिकांत शर्मा को यह सम्मान होम्योपैथी चिकित्सा क्षेत्र में उनकी विशिष्ट उपलब्धियों और समाज के प्रति उनके समर्पित कार्यों को ध्यान में रखते हुए ही प्रदान किया गया है। उन्होंने यह सम्मान अपने पिता डॉ. सुनील दत्त शर्मा को समर्पित करते हुए भावुक होते हुए कहा कि आज जो, यह अवार्ड हासिल हुआ है, वह माता - पिता द्वारा प्रदान किए गए उच्च संस्कारों और पिता के द्वारा दी गई प्रेरणा और उचित मार्ग दर्शन का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि इस पुरस्कार ने यह सिद्ध कर दिया है कि जो व्यक्ति ईमानदारी और सत्य निष्ठा पूर्वक अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित रहता है, उसको सफलता हासिल करने से कोई भी नहीं रोक सकता है।

डॉ. शशिकांत शर्मा ने, पंजाब के लुधियाना से बीएचएमएस की डिग्री हासिल की और उसके बाद , राजस्थान से, टांटिया यूनिवर्सिटी, श्रीगंगानगर से साइकेट्री में एमडी की डिग्री प्राप्त की और उनकी ज्ञान पिपासा यही पर शांत नहीं हुई और वह वर्तमान में, इसी विश्वविद्यालय से किडनी रोगों पर विशेष अनुसंधान करके पीएचडी कर रहे हैं और इतना ही नहीं, इसके अतिरिक्त उन्होंने योग में पीजीडी की डिग्री भी हासिल की है। डॉ. शर्मा के समर्पण और सकारात्मक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए और उनके उत्कृष्ट सामाजिक एवं चिकित्सकीय योगदान के लिए **पहले भी उनको कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें 2015 में एनसीआर, मेरठ रत्न अवार्ड, 2022 में ग्लोबल लीडरशिप एक्सीलेंस अवार्ड, 2023 में मेडिकल एक्सीलेंस अवार्ड तथा सन् 2024 में बिजनौर में, प्रदान किया गया हैनिमैन रत्न अवार्ड प्रमुख हैं।**

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक ऑल इंडिया कॉन्फ्रेंस ऑफ इंटेलेक्चुअल के जनरल सेक्रेटरी प्रकाश निधि शर्मा रहे। इस अवसर पर शांति निकेतन स्कूल के चेयरमैन विशाल जैन तथा जयप्रकाश अग्रवाल सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने डॉ. शशिकांत शर्मा को, होम्योपैथी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए एपोस्टल ऑफ ह्यूमैनिटी अवार्ड मिलने पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह उनकी उत्कट जिजीविषा का द्योतक है जिन्होंने होम्योपैथी के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और दक्षता के आधार पर अथक परिश्रम करके यह पुरस्कार हासिल किया है। मुझे आशा है कि वह भविष्य में भी, इसी प्रकार से अपनी असीम प्रतिभा का परिचय देते हुए, अवार्ड जीतकर समाज और देश का नाम गौरवान्वित करेंगे। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

उत्तर प्रदेश सभा अध्यक्ष, अशोक कुमार शर्मा

देवलिया कलां के साहिल जांगिड भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने

जो देश भक्त मातृभूमि का ऋण चुकाने के लिए हर समय, देश सेवा की भावना से ओत-प्रोत होता है और उसके मन में देश सेवा की भावना हमेशा ही हिलौरें लेती रहती हैं और इस देश भक्ति की भावना को साकार करके दिखलाया है, एक छोटे से गांव देवलिया कलां , जिला अजमेर के रहने वाले , साहिल जांगिड ने , जिन्होंने अनेक कठिनाइयों और संघर्षों का सामना किया, लेकिन अपने लक्ष्य से कभी भी विचलित नहीं हुए और अन्त में, राष्ट्रीय सुरक्षा एकेडमी के माध्यम से, अपने पहले प्रयास में ही भारतीय सेना में, लेफ्टिनेंट बनकर उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि, अगर कोई साधक अपना लक्ष्य निर्धारित करके और दृढ़ संकल्प, जज्बे और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का प्रयास करता है तो, वह सफलता का दामन थाम लेता है।

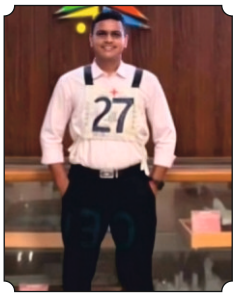

साहिल जांगिड भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने

इसलिए कहा गया है कि सफलता का कोई भी शार्टकट रास्ता नहीं है, अपितु इसे हासिल करने के लिए उत्कट जिजीविषा और कठोर परिश्रम और पुरुषार्थ करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने नाना से, जो आर्मी में थे, उनसे सीखा और बचपन में ही संकल्प कर लिया था कि, भारतीय सेना में भर्ती होकर देश सेवा करूंगा, क्योंकि मातृभूमि की रक्षा करने से बड़ा कोई भी धर्म और देशभक्ति नहीं है।

साहिल जांगिड ने कहा कि उनका जन्म पिता राजेन्द्र जांगिड और माता श्रीमती इन्दू जांगिड के घर सन 2003 में हुआ और उनके अटूट संकल्प और देश भक्ति की भावना के कारण ही यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा सेंटपाल स्कूल विजय नगर से हासिल की। साहिल बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल दर्जे का छात्र रहा है और कक्षा में हमेशा ही प्रथम आता रहा है। उसने दिन-रात पढ़ाई और कठोर मेहनत करके, इस लक्ष्य को हासिल किया है। उसने बताया कि वह हर रोज 17 किलोमीटर का बसों के द्वारा सफर तय करके अजमेर में शिक्षा ग्रहण करने जाता था और हैंडबाल का प्लेयर होने के नाते भी, उसे अभ्यास करने के लिए बसों में धक्के खाने पड़ते थे। जिस समय लोग गहरी नींद में सो रहे होते थे, उस समय वह सुबह ब्रह्म मुहूर्त में 4 बजे उठकर दौड़ लगाता था, लेकिन वह अपने लक्ष्य से कभी भी विमुख और विचलित नहीं हुआ और अन्त में, भारतीय सेना में, लेफ्टिनेंट बनकर न केवल अपने नाना का अपितु अपने माता-पिता का भी सपना पूरा किया और समाज का नाम गौरवान्वित किया है।

साहिल जांगिड की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि वह भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर अपने पहले प्रयास में ही, बिना किसी कोचिंग के सैल्फ स्टेडी करके सफलता हासिल की है। **साहिल जांगिड का मानना है कि उन्होंने भारतीय सेना पैसे के लिए नहीं, अपितु देश की सीमाओं के सजग प्रहरी बनकर देश की रक्षा करना करने के लिए ही ज्वाइन की है** और मुझे इस बात का गर्व होगा, सेना के लोग सीमाओं के सजग प्रहरी बनकर देश की रक्षा कर सकें **ताकि हमारे देश के लोग रात को चैन की नींद सो सके और इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मैंने भारतीय सेना में भर्ती होने का निर्णय लिया और परमात्मा की अनुकंपा से और माता-पिता के आशीर्वाद से मेरा भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनने का सपना साकार हो गया है।**

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, साहिल जांगिड को उसके, भारतीय सेना में , लेफ्टिनेंट बनने पर बधाई देते हुए कहा कि साहिल जांगिड की अथक मेहनत, अटूट संकल्प और देशभक्ति की भावना और जज्बे के कारण ही उनको यह ऐतिहासिक सफलता हासिल हुई है। इस उपलब्धि से न केवल उन्होंने अपने परिवार का , अपितु समाज और देश का भी नाम गौरवान्वित किया है।

मैं आशा करता हूँ कि साहिल में, देश सेवा की इस भावना का यह जज्बा और जुनून इसी प्रकार से बना रहे और वह नए - नए कीर्तिमान स्थापित करें और सदैव ही सफलता के शिखर पर आगे बढ़ता रहे। मैं साहिल जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

राजस्थान प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की पूर्व अध्यक्ष, नीलू शर्मा,जयपुर

डॉ. नीरु जांगिड ने संघर्ष और उत्कट जिजीविषा से , अभिप्रेरित होकर ही लिखी सफलता की कहानी

यह निर्विवाद रूप से सत्य है कि, जीवन में आशातीत सफलता, केवल उसे ही हासिल होती है, जो अपने पुरुषार्थ और आत्मविश्वास के बल पर सफलता की एक कहानी लिखते हैं। एक ऐसी ही प्रेरक कहानी है, जिला फतेहाबाद की रहने वाली डॉ. नीरु रानी जांगिड की, जिसने अपने जीवन के अंधेरों को चीरकर, अपनी सफलता की कहानी लिखी है। **नीरू जांगिड का मानना है कि जीवन में जो भी व्यक्ति संघर्ष की राह पर चलता है, उसके लिए रास्ते अपने आप ही बन जाते हैं और ऐसा व्यक्ति, जिसने रातों से जंग जीती है, वहीं व्यक्ति सुबह सूर्य के समान बनकर चमकता है।**

डॉ. नीरु जांगिड का मानना है कि **जीवन की असली परीक्षा उस समय नहीं होती है, जिस समय सब कुछ आपके अनुकूल हो, बल्कि जीवन की असली कहानी तब लिखी जाती है, जब परिस्थितियां आपके बिल्कुल विपरीत हों और इसके बावजूद भी आप, हार मानने से इंकार कर दें, और यही जज्बा और जुनून, उस व्यक्ति को सफलता के द्वार तक ले जाता है।** हरियाणा के एक छोटे से गांव भट्टुकलाँ, जिला फतेहाबाद में पिता राय सिंह जांगिड और माँ श्रीमती राधा देवी जांगिड के घर 1 जनवरी 1988 को पैदा हुई और माता-पिता ने खुशी मनाई थी कि उनके घर में लक्ष्मी आई है। एक गरीब परिवार में, पैदा हुई एक, साधारण सी लड़की ने, अपने उस असाधारण हौसले और संघर्ष के आधार पर , डिप्रेशन के गहरे अंधेरों को मात देकर , सफलता के सबसे ऊंचे शिखर को छुआ है और अब वह मार्च में हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित परिणाम के आधार पर हरियाणा सरकार में, शिक्षा विभाग में हिन्दी की सहायक प्रोफेसर पद पर नियुक्त हुई है।

बचपन की मेधा और शुरुआती सफर: नीरू बचपन से ही, एक होनहार और मेधावी छात्रा रही है और हमेशा ही पढ़ाई-लिखाई में उत्कृष्ट स्थान हासिल किया। अपने माता-पिता द्वारा दिए गए उच्च संस्कारों के कारण ही, आज यहां तक पहुंचा पाई है और इस सफर में मेरे परिवार ने भी हमेशा ही कदम कदम पर साथ दिया। नीरू ने साल 2004 में10वीं कक्षा में, प्रथम स्थान हासिल किया। इसके बाद सन् 2006 में उन्होंने कॉमर्स (गणित के साथ) में 12वीं की परीक्षा पास की और फिर अपने गांव से ही स्नातक की डिग्री हासिल की। लेकिन विपरीत पारिवारिक परिस्थितियों के चलते, वह नियमित रूप से आगे अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख सकीं, लेकिन अपनी इच्छा और संकल्प शक्ति को उन्होंने कभी भी कमजोर नहीं होने दिया और कभी भी हार नहीं मानी। सन् 2011 में बी.एड. की डिग्री हासिल करने के साथ-साथ, सन् 2012 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से, प्राइवेट माध्यम से अपनी परास्नातक की डिग्री हासिल की और उसकी ज्ञान पिपासा अभी भी शांत नहीं हुई थी।

लेकिन नीरू जांगिड ने ठान लिया था कि उनकी अपनी पहचान , उनके संघर्षों से नहीं, बल्कि उनकी सफलताओं से तय होगी। **इसलिए दिसंबर 2015 में उनकी इस अटूट मेहनत ने रंग दिखलाना शुरू किया और उन्होंने नैट - जेआरएफ की कठिन परीक्षा पास कर ली और इसके बाद नीरू ने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा।** उन्होंने एक के बाद एक सीटीईटी और एचटीईटी, जैसी कठिन परीक्षाएं भी सफलतापूर्वक पास की और जून 2016 में, उनका दाखिला पीएच.डी. में हो गया और **सन् 2019 नीरू के लिए एक बड़ी कामयाबी लेकर आया और उनका चयन पी जी टी (हिंदी) के सरकारी पद पर हुआ और उन्होंने यह साबित कर दिया कि एक औरत अगर अपनी जिद पर आ जाए तो वह अपना भाग्य खुद लिख सकती है** और एक तरह से जिंदगी ने भी , अब उसके लिए खुशियों के नए दरवाजे खोल दिए थे।

रुकना तो सीखा ही नहीं: नीरु जांगिड का अन्तिम लक्ष्य , एक प्रोफेसर बनना था और आखिर में, अब उसने अपना वह मुकाम हासिल कर लिया है और अब वह हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर नियुक्त हुई है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि नौकरी करते हुए 6 साल बीत चुके थे और घर पर , 5 साल की बेटी गर्विता की अहम जिम्मेदारी और एक पूर्णकालिक सरकारी नौकरी और अपने परिवार और सरकारी नौकरी में, सन्तुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ने की उत्कट जिजीविषा की आग अभी बुझी नहीं थी। इस सफ़र के दौरान पति राहुल जांगिड का भी, कदम-कदम पर भरपूर सहयोग और समर्थन मिला जो,

उनकी असली ताकत बना और माता-पिता तथा जीवन साथी के अनन्य सहयोग और प्रोत्साहन के बल पर ही उसने , अपने दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ते हुए ही सन् 2023 में हरियाणा लोक सेवा आयोग कॉलेज कैडर (असिस्टेंट प्रोफेसर) की भर्ती के लिए आवेदन पत्र दिया था और इस दौरान भी अपनी नौकरी और पारिवारिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए ही, दिन - रात परिश्रम करते हुए, मार्च 2026 में, सहायक प्रोफेसर के इस प्रतिष्ठित पद को भी हासिल कर लिया है। अब अगले ही महीने, अप्रैल 2026 में, वह अपना कार्यभार संभालने जा रही हैं। **नीरु जांगिड ने सन् 2025 में पी एच डी करके डॉ. की उपाधि हासिल की है।**

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने नीरू रानी जांगिड को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता की यह कहानी , समाज की हर उस महिला के लिए एक जीवंत मिसाल है, जो विपरीत परिस्थितियों के आगे घुटने टेकने के बजाय, उनसे लड़कर अपना मुकाम हासिल करने में विश्वास रखती हैं और यही आत्मविश्वास और अदम्य साहस, सदैव ही उसे आगे बढ़ने के लिए अभिप्रेरित करता रहा है।

***तूफानों से आंख मिलाओ, सैलाबों पर ,वार करो*,**
मल्लाहों का इंतजार छोड़ो, तैर कर दरिया पार करो

इसके साथ ही मैं, नीरु जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

हरीथी जांगिड ने ताइक्वांडो में स्वर्ण पदक हासिल किया।

जयपुर में 10 से 12 अप्रैल तक आयोजित वर्ल्ड वाइड ताईक्वाडों प्रतियोगिता में, हरीथी जांगिड ने, उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया है। हरीथी जांगिड ने यह उपलब्धि अपने कठिन लक्ष्य और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हुए हासिल की है और उसने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है।

हरीथी जांगिड, गौरव जांगिड की पुत्री अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, प्रदेश सभा राजस्थान के मुख्य सलाहकार मूलचंद जांगिड की पोत्री है। हरिथी जांगिड द्वारा अंतर्राज्यीय ताइक्वांडो मैच में जीत हासिल करके ट्रॉफी के साथ गोल्ड मेडल भी प्राप्त किया है। इससे पहले भी वह ताइक्वांडो में अनेक पदक हासिल कर चुकी है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने हरीथी जांगिड को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने यह पुरस्कार जीत कर समाज का नाम गौरवान्वित किया है और भविष्य में भी इससे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देश तथा समाज का नाम गौरवान्वित करेगी।

मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हूँ।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

बागपत निवासी अंकुर शर्मा , जिला समाज कल्याण अधिकारी बने

जीवन में जो युवा ,मन में दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के साथ अपना लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढ़ता है, उसके रास्ते में आने वाली सभी बाधाएं दूर होने के साथ ही, वह अपने निर्धारित लक्ष्य में अवश्य ही सफलता हासिल कर लेता है और सफलता हासिल करने के लिए कोई भी शार्टकट रास्ता नहीं होता है और सफलता केवल , अपने आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के आधार पर ही हासिल की जा सकती है। यह सिद्ध करके दिखलाया है, बागपत के रहने वाले अंकुर शर्मा ने, जिन्होंने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष 2024 में आयोजित की गई परीक्षा में सफलता हासिल की है और उनका चयन जिला समाज कल्याण अधिकारी के पद पर हुआ है। इसका परिणाम 30 मार्च को घोषित किया गया है।

अंकुर शर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी के पद पर चयनित हुए

अंकुर शर्मा, का जन्म 9 नवम्बर 1999 को, पिता सोहनपाल शर्मा और माता श्रीमती सरोज शर्मा के घर टीमकिया, जिला मेरठ में हुआ और इनके पिता सोहनपाल शर्मा, दिल्ली विकास प्राधिकरण से सहायक निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। अंकुर शर्मा की प्रारम्भिक शिक्षा प्राथमिक विद्यालय टीमकिया और 6-12 तक की शिक्षा लक्ष्य पब्लिक स्कूल बागपत में हुई और इन्होंने कम्प्यूटर इंजीनियर की परीक्षा, सन् 2019 में, "**मेरठ इन्स्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी**" से पास की है और संयोगवश, इन्होंने सन् 2024 में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की गई परीक्षा में, भाग लिया और अपने पहले ही प्रयास में , उन्होंने इस परीक्षा में सफलता हासिल करके जिला समाज कल्याण अधिकारी के पद पर नियुक्ति हासिल की है।

अंकुर शर्मा ने , बताया कि उनके पिता दिल्ली विकास प्राधिकरण में, एक उच्च अधिकारी रहे हैं और वह पिछले काफी वर्षों से महासभा से जुड़े हुए हैं और मेरी माँ भी एक धर्मपरायण और भगवान में आस्था और विश्वास रखने वाली है और उन्होंने ही, मुझे बेहतर संस्कार दिए हैं और माता-पिता से प्रेरणा ग्रहण करके ही , मैंने प्राइवेट क्षेत्र की अपेक्षा सरकारी सेवा के माध्यम से लोगों की सेवा करने का लक्ष्य निर्धारित किया। इसमें सफलता हासिल करने के लिए पिताजी से मार्ग दर्शन लेने के अतिरिक्त, कोई कोचिंग नहीं ली और पहले ही प्रयास में, मुझे यह सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि वह भविष्य में एक आई ए एस अधिकारी बनकर , देश के लोगों की सेवा करना चाहता है और इसके लिए अभी से ही तैयारी शुरू कर दी है और भगवान की अनुकम्पा और माता-पिता के आशीर्वाद से, इसमें भी भविष्य में मुझे अवश्य ही सफलता हासिल होगी।

अंकुर शर्मा ने, युवाओं को सफलता का मूल मंत्र बताते हुए कहा कि एक युवा को , मन से कभी भी हार नहीं माननी चाहिए, उसका अपना लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और अगर बीच में कोई बाधा आए तो , उससे हिम्मत हारने की बजाय, उनका मुकाबला करो, जिसका मन हार जाता है फिर दुनिया की कोई भी शक्ति उसे विजय नहीं दिलवा सकती है। मन से हार जाने का अर्थ है, अपने आपको ,परिस्थितियों के आगे समर्पण कर देना। जीवन के सफ़र में **मन के हारे हार है और मन के जीते ही जीत है।** जिसके पास मनोबल है वह आज नहीं तो कल , अवश्य ही विजयी होगा। किसी भी मनुष्य की वास्तविक शक्ति और सामर्थ्य तो उसका स्वयं का मनोबल ही है। इसलिए कहा गया है कि जीवन में असफलता ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, अंकुर शर्मा को, उसकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा है कि जिस प्रकार से उन्होंने अपने पहले प्रयास में ही जिला समाज कल्याण अधिकारी बनकर सफलता हासिल की है, उसी प्रकार जीवन में , भविष्य में, अथक परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर अपना एक आई ए एस अधिकारी बनने का स्वप्न भी पूरा कर सकते हैं। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

उत्तर प्रदेश सभा अध्यक्ष, अशोक कुमार शर्मा

रिद्धिमा जांगिड ने 10 वीं कक्षा में राजस्थान में 99.67 प्रतिशत अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया

पूर्व महासभा प्रधान, कैलाश बरनेला

रिद्धिमा जांगिड ने एक साधारण जांगिड परिवार में पैदा होकर, अपनी असीम प्रतिभा, बौद्धिक क्षमता और सकारात्मक दृष्टिकोण तथा विवेक के साथ अपने लक्ष्य पर फोकस करते हुए 25 मार्च को घोषित हुए, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की 10 वीं की, परीक्षा में 99.67 प्रतिशत अंक हासिल करके अपनी बहुआयामी प्रतिभा का परिचय देते हुए दूसरा स्थान हासिल करके परचम लहराया है।

रिद्धिमा जांगिड को 10 वीं कक्षा में राजस्थान प्रदेश में, दूसरे नंबर पर आने पर सम्मानित किया गया।

पिता हरगोविंद जांगिड और माता श्रीमती सन्तोष जांगिड के घर 3 दिसम्बर 2010 में, गांव पीपरवाला, जिला बूंदी में पैदा हुई रिद्धिमा जांगिड ने अपने पुरुषार्थ और विवेक का परिचय देते हुए ही सैल्फ स्टेडी के माध्यम से संस्कृत, हिंदी, विज्ञान और और गणित में 100 में से 100 अंक हासिल करके अपनी बहुआयामी और अद्वितीय बुद्धिमत्ता और दक्षता का परिचय देते हुए, परिवार, समाज और प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। रिद्धिमा का 27 मार्च को अपने गांव पहुंचने पर इस उपलब्धि को ढोल नगाड़ों के बीच डी जे के साथ जलूस निकाला गया और जगह जगह पुष्प वर्षा और पुष्प माला पहनाकर ग्रामीणों ने आशीर्वाद दिया और सभी ने उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना भी की।

रिद्धिमा जांगिड के पिता हरगोविंद जांगिड ने बताया कि मैं पिछले कई सालों से जयपुर में सरस डेयरी में ठेके पर कार्य कर रहा हूँ, लेकिन घर की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के बावजूद भी अपने बच्चों की उच्च शिक्षा को ध्यान में रखते हुए ही, मैं अपनी बेटी रिद्धिमा को द कैम्ब्रिज सीनियर स्कूल सूर्य नगर जयपुर में पढ़ा रहा हूँ , जहां पर इस वर्ष की वार्षिक फीस 38 हजार रुपए थी और अगले वर्ष यह बढ़कर 50 हजार के आसपास हो जाएगी। हालांकि प्राइवेट स्कूल की फीस भरने के लिए , मेरे पास पैसे नहीं हैं, लेकिन बच्चों की पढ़ाई के लिए पैसा कर्ज लेकर उनको पढ़ा रहा हूँ और मुझे फख्र है कि मेरी बेटी ने अपनी सभी जरुरतों को कम करते हुए, ट्यूशन फीस देने के पैसे न होने के कारण ही, घर में रहकर ही सभी विषयों की अपने आप तैयारी की और राजस्थान प्रदेश में 10 वीं कक्षा में कुल 600 अंकों में से 598 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल करके, माता पिता का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने समाज के उन लोगों का हृदय से आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने रिद्धिमा के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए अपने सामर्थ्य के अनुसार वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई है और समाज के लोगों द्वारा दिए गए अभूतपूर्व प्यार और आर्थिक सहायता के कारण ही, उच्च शिक्षा हासिल करने में रिद्धिमा को, बहुत अधिक मदद मिलेगी और वह अपने सपनों को मूर्त रूप देने में अवश्य ही सफलता हासिल करेगी।

रिद्धिमा जांगिड से, उसकी सफलता का रहस्य और प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल करने के बारे में पूछे जाने पर भावुक होते हुए कहा कि मैं एक नम्बर से पीछे रह गई, जो राज्य में प्रथम आया है, उसके 599 अंक हैं, जबकि मेरे अंग्रेजी और एस एस में 99 - 99 अंक हैं और मैं एक नम्बर से पिछड़ गई। मेरी सफलता का राज, मेरे माता-पिता के द्वारा दिए गए , **बेहतरीन संस्कार और त्याग तथा शिक्षकों का उचित मार्गदर्शन और निरन्तर मेहनत और स्पष्ट लक्ष्य ही सफलता का प्रमुख कारण है। भविष्य के लक्ष्य के बारे में, पूछे जाने पर, रिद्धिमा जांगिड ने कहा कि वह भारतीय प्रशासनिक सेवा के माध्यम से समाज और गरीबों की सेवा करना चाहती है।**

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, रिद्धिमा जांगिड को , राजस्थान प्रदेश में 10 वीं कक्षा में द्वितीय स्थान हासिल करने पर बधाई देते हुए कहा कि **उसने यह सिद्ध कर दिया कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और आत्मविश्वास और जीवन में, आगे बढ़ने की भावना प्रबल हो तो, रास्ते में आने वाली सभी बाधाएं भी आसान हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि रिद्धिमा ने अपनी गरीबी को कभी भी आड़े नहीं आने दिया , अपितु उसको अपनी ताकत बनाया और वह उन दूसरे बच्चों के लिए, एक प्रेरणा और ज्वलंत मिसाल है,** जो विद्यार्थी, आर्थिक हालत के कारण हिम्मत हार कर ,अपने लक्ष्य से विचलित हो जाते हैं। प्रधान ने विश्वास दिलाया कि रिद्धिमा जांगिड की , भामाशाहों के माध्यम से भी, आर्थिक मदद करवाई जाएगी। मैं रिद्धिमा के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने , **रिद्धिमा जांगिड को 10 वीं कक्षा में , राजस्थान प्रदेश में, द्वितीय स्थान हासिल करने पर, हृदय के अन्त:करण से हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीवन में, वही विद्यार्थी आशातीत सफलता हासिल करता है , जिसके मन में धैर्य और संयम तथा चीजों को गहराई से समझने की उत्कट जिजीविषा और आत्मविश्वास हो और रिद्धिमा ने ग़रीबी की दीवारों को लांघ कर यह साबित कर दिया कि** जहां हौसले हैं, वहां विजय अपनी दस्तक अवश्य ही देती है और प्रदेश में, दूसरा स्थान हासिल करके रिद्धिमा ने यह सिद्ध कर दिया। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य और अपने लक्ष्य में सफलता हासिल करने के अग्रिम बधाई देता हूँ।

****

सुल्तान आर्य, जांगिड धर्मशाला जींद के निर्विरोध प्रधान नियुक्त किए गए है

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा, सभी प्रदेश अध्यक्षों से लेकर शाखा स्तर तक निर्विरोध चुनाव करवाने की घोषणा की गई थी और के समाज को दिए गए इस मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही, न केवल महासभा से सम्बंधित बल्कि जांगिड समाज से सम्बंधित अन्य संस्थाओं में भी इस फार्मूले को लागू किया जा रहा है और जींद जांगिड धर्मशाला इसका जीवंत उदाहरण है। मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि प्रधान रामपाल शर्मा के कार्यकाल के दौरान अब तक महासभा के अन्तर्गत आने वाले, देश के, 9 राज्यों में, निर्विरोध रुप से प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव सम्पन्न करवाने का कार्य किया है। समाज के सभी बुद्धिजीवियों ने इस परम्परा को आगे बढ़ाते हुए ही, जींद में भी इसकी पुनरावृत्ति की गई और 12 अप्रैल 2026 को सुल्तान सिंह आर्य जांगिड को, जांगिड धर्मशाला जींद का निर्विरोध रुप से प्रधान निर्वाचित घोषित किया गया है।

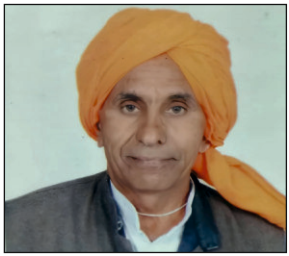

महासभा के जिला अध्यक्ष जोगेन्दर जांगिड ने बताया कि पूर्व प्रधान इन्द्र जांगिड का लगातार दो योजना के दौरान, 6 वर्ष का कार्यकाल पूरा हो गया था और नए प्रधान पद के लिए तीन उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए थे, जिनमें नंबर 1 पर, कैप्टन रमेश जांगिड, नंबर 2 पर सिवाय के रहने वाले प्रेम जांगिड और नंबर 3 पर सुल्तान आर्य जांगिड शामिल थे। लेकिन सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि इन तीनों उम्मीदवारों में से, किसी एक के नाम पर, सर्वसहमति नहीं बनने के कारण समाज किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पा रहा था।

इसलिए कैप्टन रमेश जांगिड, ने बड़ा दिल दिखलाते हुए, सर्वप्रथम सुल्तान आर्य का समर्थन कर दिया और इस के बाद फिर प्रेम जांगिड ने भी समाज के बुद्धिजीवियों की भावनाओं का ध्यान रखते हुए ही, सुल्तान आर्य का खुले दिल से समर्थन कर दिया और इन दोनों कैंडिडेटेस ने, सुल्तान आर्य का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करते हुए समर्थन करके समाज में, आपसी भाईचारे, प्रेम, सद्भाव और सहयोग की अनूठी मिसाल कायम की है। सभी लोगों द्वारा भाईचारे की अनूठी मिसाल कायम करते हुए सुल्तान आर्य को जांगिड धर्मशाला जींद का सर्वसम्मति से प्रधान नियुक्त कर दिया गया। सन 1990 में बनाई गई इस जांगिड धर्मशाला के, सुल्तान सिंह आर्य जांगिड 11 वें प्रधान बने हैं।

जांगिड समाज के, सभी लोगों द्वारा सर्वसम्मति से जांगिड धर्मशाला का प्रधान नियुक्त करने पर, भावुक होते हुए सुल्तान आर्य जांगिड ने, सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी मिलकर एक दूसरे का सहयोग करते हुए समाज को आगे बढ़ाने का स्तुत्य कार्य करेंगें और बच्चों की शिक्षा तथा उनको उदात्त संस्कार प्रदान करने पर विशेष बल दिया जाएगा और समाज के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित होकर, अपना अमूल्य योगदान देने वालों में जांगिड धर्मशाला के पूर्व प्रधान इन्द्र जांगिड, सुमेर चाबरी, जींद जिला परिषद के पूर्व वाईस चेयरमैन संदीप जांगिड, पूर्व जिला अध्यक्ष कैप्टन हरिओम जांगिड, मास्टर सूरजभान अलेवा, एडवोकेट हरिकिशन जांगिड , कैप्टन रमेश जांगिड और प्रेम जांगिड सहित अनेक प्रबुद्ध लोग शामिल हैं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, जांगिड धर्मशाला का निर्विरोध प्रधान नियुक्त होने पर बहुत-बहुत बधाई देते हुए कहा कि **विनम्रता और सौम्यता के प्रतीक और मिलनसार स्वभाव के धनी सुल्तान आर्य जांगिड ने घर-घर पैदल घूमकर, व्यतिगत रूप में , सबसे अधिक सदस्य महासभा परिवार के साथ जोड़कर अपनी सहृदयता और उदारता का परिचय दिया है।** मुझे उम्मीद है कि जिस प्रकार से आपने महासभा परिवार के सदस्यों को, महासभा के साथ जोड़ने का स्तुत्य प्रयास किया है, भविष्य में भी यह अभियान इसी प्रकार से अनवरत रूप से जारी रखेंगे। मैं आपके सु:खद और सफल कार्यकाल की मंगल कामना करता हूँ।

जींद जिला सभा अध्यक्ष, जोगेन्दर जांगिड

12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में सर्वश्रेष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले छात्र और छात्राएं

नरपत जांगिड, सरली, बाड़मेर 99.60%

सवाई जांगिड, धनाऊ, बाड़मेर 99.40%

मानसी जांगिड,बापूनगर जोधपुर, 99.20%

गरिमा , बलवंतपुरा झुंझुनूं , 99.20%

आरती जांगिड, सोटवारा झुंझुनू , 98.20%

कविन्द्र जांगिड, मालाखेड़ा, अलवर, 98%

आनंदी जांगिड, बिजयनगर 96.80%

राधिका जांगिड,शाहपुरा 96%

करन जांगिड 95.40%

ज्योति जांगिड, सोटवारा झुंझुनू , 95.20%

मेहुल जांगिड, शाहपुरा 95%

नीरज जांगिड,जोबनेर जयपुर, 95%

दिशा जांगिड, सुजानगढ़ चुरू, 94.40%

भावना जांगिड, सुजानगढ़ चुरू, 94.20%

दिव्या जांगिड, सुजानगढ़ चुरू, 92.40%

पूजा जांगिड, सुजानगढ़ चुरू, 92.40%

गौरव जांगिड, गाँव मादड़ी 91.20%

12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में सर्वश्रेष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले छात्र और छात्राओं को महासभा की तरफ से हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं..

10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में सर्वश्रेष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले छात्र और छात्राएं

रिद्धिमा जांगिड, मानसरोवर, जयपुर, 99.67%

निकुंज जांगिड, बलवंतपुरा झुंझुनू , 99.50%

आशुतोष जांगिड, बालाहेड़ी, दौसा , 99%

ममता सुथार, चामू, जोधपुर 97.67%

दिया जांगिड, श्योपुर, सांगनेर, जयपुर 97%

तनु श्री सुथार, रोहिणी नागौर, 96.17%

तोशिका जांगिड, जयपुर 95.17%

निकिता सुथार, फतूही 91.83%

रिया सुथार जांगिड 91.83%

कोमल जांगिड, गाँव नगला भरतपुर, 91.17%

करिश्मा जांगिड, जसराना 90.33%

10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में सर्वश्रेष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले छात्र और छात्राओं को महासभा की तरफ से हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं..

कविता

हम ज्ञानी हैं, विज्ञानी हैं, ऋषियों की अमर निशानी हैं।
हम युग बदलें, दुनिया बदलें, गढ़ दें वो अमर कहानी हैं।।

1. हम ऋषि अंगिरा के वंशज पावन धरती पर जन्म लिया।
जप त्याग, तपस्या कर हमने जांगिड कुल उत्तम वर्ण लिया।
हम वेद शास्त्र के ज्ञाता है, संग में सन्तों की वाणी हैं।
हम ज्ञानी हैं, विज्ञानी हैं, ऋषियों की अमर निशानी हैं।

2. हम शिल्प ज्ञान के दाता हैं, हम मंत्रों के रचयिता है।
सुन्दर भवन दिये देवों को वास्तु शास्त्र के ज्ञाता है।
पानी पर पत्थर तैरा दें, हम ऐसे शुभ वरदानी हैं।
हम ज्ञानी हैं, विज्ञानी हैं, ऋषियों की अमर निशानी हैं।

3. हर शिल्प अनौखा हैं अपना, कलिपुजों के निर्माता हैं।
चन्दा सूरज नक्षत्र नपें हम ऐसे सूत्र विधाता हैं।
हम जिधर चलें सूरज चल दे, हम रूकें हवा रुक जानी हैं।
हम ज्ञानी हैं, विज्ञानी हैं, ऋषियों की अमर निशानी हैं।

4. अम्बर में यान उड़े अपने देवों को पुष्प विमान दिये।
दैत्यों से रक्षा करने को कभी अस्त्र शस्त्र संघान दिये।
हड्डी से वज्र बना दें हम, ऐसे करतब जानी है।
हम ज्ञानी हैं, विज्ञानी हैं, ऋषियों की अमर निशानी हैं।

5. सोचो पहचान करो अपनी, हम कहाँ से कहाँ आ ठहरे हैं।
शिक्षित बन सभ्य समाज रचें, हम गूंगे हैं, ना बहरे हैं।
मिलजुल कर उत्थान करें, नफरत की आग बुझानी हैं।
हम ज्ञानी हैं, विज्ञानी हैं, ऋषियों की अमर निशानी हैं।

पूरन शर्मा
कवि एवं साहित्यकार भरतपुर (राजस्थान)
9828862194

***

पत्रिका में, ज्ञानवर्धक लेख और विज्ञापन भेजने के बारे में ।

नववर्ष के दौरान आपका जीवन, सुखद, मंगलमय हो तथा यह सुख - समृद्धि और सफलता की नई इबारत लिखने वाला हो और सभी नववर्ष सब प्रकार की खुशियों से परिपूर्ण और जाज्वलयमान तथा प्रकाशमान हो और नववर्ष के दौरान , जीवन के लिए निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के साथ - साथ आपकी प्रतिष्ठा में चहुंमुखी अभिवृद्धि हो और सर्वेश्वर परमात्मा भगवान प्रभू की असीम अनुकम्पा आप और आपके परिवार पर सदैव ही इसी प्रकार से बनी रहे , ऐसी मेरी मनस्कामना है।

इसके साथ ही समाज की प्रतिष्ठित पत्रिका जो अपने प्रकाशन के 119 वें वर्ष में प्रवेश कर गई है और **इस महायज्ञ में समाज के अनेक प्रबुद्ध लेखकों , कवियों और साहित्यकारों ने , इस पत्रिका की गरिमा को चार चांद लगाने के अपने सतत प्रयास जारी रखें तथा समाज हितेषी बंन्धुओ ने, अपने लेख, प्रतिभाओं का विवरण, विज्ञापन और समाज के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के बारे में समुचित जानकारी उपलब्ध करवाकर, इस पत्रिका की गरिमा को समृद्ध बनाने के साथ ही, इसे पाठकों के लिए रुचिकर बनाने में भी अपना भरपूर सहयोग दिया है।** इसके लिए मैं आप सभी का हृदय के अन्तःकरण की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूँ।

अतः मेरा समाज के सभी सम्मानित बुद्धिजीवियों और विद्वानों से करबद्ध विनम्रता पूर्वक निवेदन है कि अपने समाज हितेषी और सामाजिक सरोकारों से सम्बंधित लेख और समाज के महापुरुषों के बारे में तथ्यात्मक आलेख, शिक्षाप्रद कहानियां, आदि महासभा के व्हाट्सएप नम्बर- **9990070023,** संपादक जी के व्हाट्सएप नम्बर- **9814681741** या महासभा की **E-mail:** jangid.mahasabha@gmail.com पर भेजकर, इस महायज्ञ में अपनी आहुति डालने का स्तुत्य प्रयास करें और इसमें सहभागिता सुनिश्चित करते हुए, **समाज उपयोगी आलेख, और वैवाहिक विज्ञापन तथा अपने प्रतिष्ठान को लोकप्रिय बनाने वाले विज्ञापन इस पत्रिका में भेज कर अनुग्रहित करें।** महासभा परिवार के सदस्यों का भरपूर सहयोग और समर्थन ही, असली ताकत है, इससे पत्रिका के प्रकाशन में आपकी सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगी।

मेरा जांगिड पत्रिका के, सभी सम्मानित पाठकों से नम्र निवेदन है कि अपना आशीर्वाद और स्नेह इस पत्रिका के प्रति इसी प्रकार से सदैव ही बनाए रखते हुए , इसको इसी प्रकार से भविष्य में भी लोकप्रिय बनाए रखने में अपना भरपूर स्नेह और आशीर्वाद प्रदान करते रहे और मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आपका अनन्य स्नेह, प्रेम और प्यार भविष्य में भी इसी प्रकार से मिलता रहेगा। आपका विपुल धन्यवाद।

***

सम्पादक ,रामभगत शर्मा

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला, (इन्दौर)

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स, दिल्ली

श्री अशोक कुमार बरनेला, इन्दौर

श्री पी.एल.शास्त्री, गुड़गांव

श्री देबूराम जांगिड, दिल्ली

श्री रामनिवास शर्मा, दिल्ली

श्री राजेन्द्र शर्मा, इन्दौर

श्री निर्मल कुमार जांगिड, इन्दौर

श्री लीलू राम शर्मा, दिल्ली

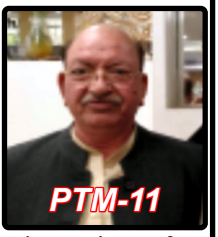

श्री रमेशचन्द शर्मा 'सरपंच', दिल्ली

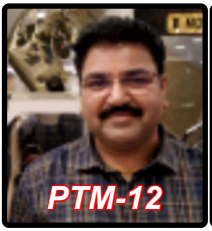

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली

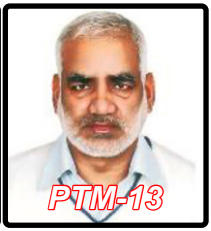

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली

श्री श्रीगोपाल चोयल, अजमेर

श्री कृष्ण कुमार शर्मा, मुम्बई

श्री विद्यासागर जांगिड, गुड़गांव

श्री सुशील कुमार शर्मा, कोलकता

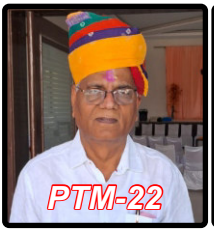

श्री सांवरमल जांगिड, सीकर

श्री रघुवीर सिंह आर्य, शामली

श्री वेदप्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री प्रभुदयाल शर्मा, देवास

श्री प्रहलादराय शर्मा, इन्दौर

श्री पूनाराम जांगिड, जोधपुर

श्री ललित जड़वाल, अजमेर

श्री मीता राम जांगिड, मुम्बई

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री यश अजय शर्मा, मुम्बई

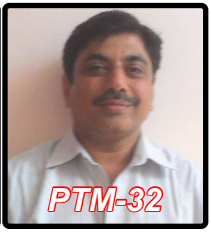

श्री रविन्द्र शर्मा, बीकानेर

श्री जवाहरलाल जांगिड, उज्जैन

श्री नरेश जांगिड, गुड़गांव

श्री भुवन जांगिड, गुड़गांव

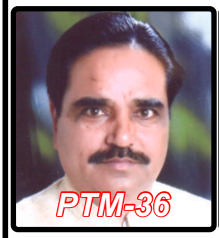

श्री कृष्ण कुमार जांगिड, गुड़गांव

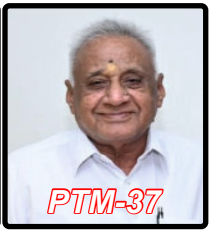

श्री किशन लाल शर्मा, नागपुर

श्री किशोर जी मोखा, नागपुर

श्री बाबू लाल शर्मा, अहमदाबाद

श्री नारायण दत्त, साड़ीवाले, दिल्ली

श्री ओमप्रकाश जांगिड, दिल्ली

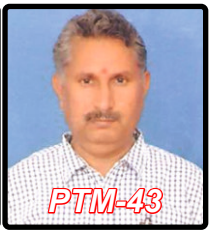

श्री धनपत शर्मा, फरीदाबाद

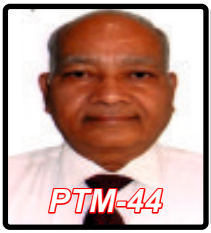

श्री सुरेन्द्र शर्मा, अहमदाबाद

श्री सत्यनारायण शर्मा, दिल्ली

श्री सोमदत्त शर्मा, दिल्ली

श्री बी.सी. शर्मा, जयपुर

श्री सुरेश शर्मा, नीमच

श्री नितिन शर्मा, इन्दौर

श्री प्रमोद कुमार जांगिड, सूरत

श्री हुकुमचन्द जांगिड, इन्दौर

श्री सत्यनारायण जांगिड, इन्दौर

श्री गजानन जांगिड, जालना

श्री अशोक कुमार मोखा, नागपुर

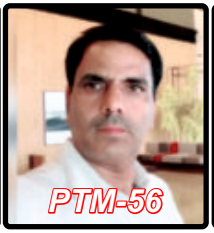

श्री घनश्याम जांगिड, बैंगलुरू

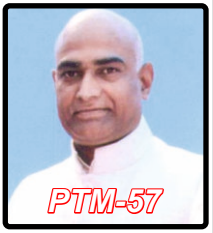

श्री देवमणि जांगिड, दिल्ली

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री फूलकुमार शर्मा, द्वारका-दिल्ली

श्री अमराराम जांगिड, जोधपुर

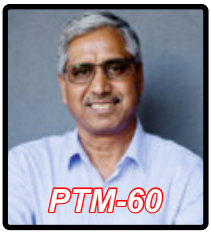

श्री रमेश शर्मा, बैंगलुरू

श्री रविशंकर शर्मा, जयपुर

श्री यादराम जांगिड, दिल्ली

श्री बाबू लाल, बैंगलुरू

श्री अशोक दतु राम, अहमदाबाद

श्री दयानन्द शर्मा, दिल्ली

श्री यशवंत नेपालिया, अजमेर

श्री राधेश्याम शर्मा, वापी

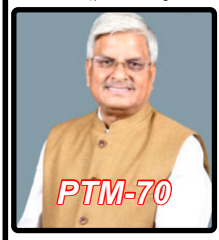

श्री रामपाल शर्मा, बैंगलुरू

श्री गोपाल शर्मा, कोरबा

श्री भंवर लाल कुलरिया, मुम्बई

श्री अमित कुमार शर्मा, जयपुर

श्री नरेश चन्द्र शर्मा, बैंगलुरू

श्री भीमराज शर्मा, जयपुर

श्री रवि जांगिड, बैंगलुरू

श्री भंवरलाल सुथार, गोवा

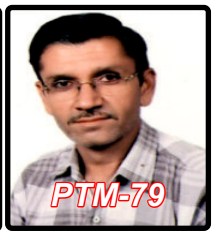

श्री रामनिवास शर्मा, भिलाई

श्री शुभम शर्मा, कोरबा

श्री नानूराम जांगिड, धुलिया

श्री प्रहलाद शर्मा, जयपुर

श्री रीछपाल शर्मा, बिलासपुर, छ.ग.

श्री धर्मचन्द शर्मा, बस्तर

श्री राधेश्याम जांगिड, रेनवाल

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कन्हैया लाल खाती, अजमेर

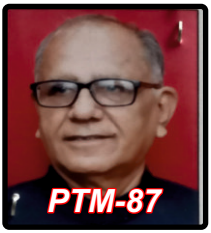

श्री कन्हैया लाल सिलक, अजमेर

श्री अनिल शर्मा, इन्दौर

श्री धन सिंह जांगिड, फरीदाबाद

श्री लालचन्द जांगिड, नारनौल

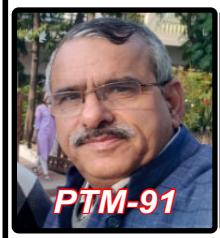

श्री रोहिताश जांगिड, औरंगाबाद

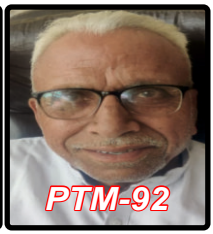

श्री सांवरमल जांगिड, बांसवाडा

श्री महावीर प्रसाद जांगिड, अहमदाबाद

श्री शंकरलाल जांगिड, जयपुर

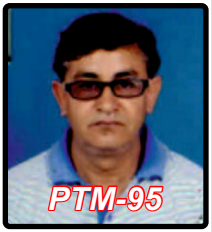

श्री संजय शर्मा, चित्तौड़गढ़

श्री जगतराम भद्रेचा, बैंगलुरु

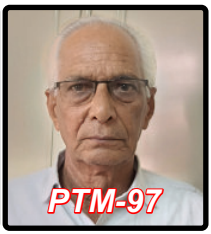

श्री पुरुषोत्तम लाल जांगिड, जयपुर

श्री अनिल शर्मा, चंडीगढ़

श्री लक्ष्मीनारायण जांगिड, गुरूग्राम

श्री नेमीचन्द जांगिड, सूरत

श्री चिरंजीलाल जांगिड, इन्दौर

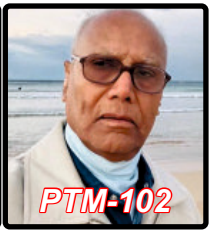

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, सूरत

श्री सत्यपाल वत्स, बहादुरगढ़

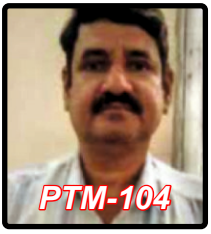

श्री सोमदत्त शर्मा, लखनऊ

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली

श्री अनिल शर्मा, तेलंगाना

श्री मुकेश जांगिड, तेलंगाना

श्री भंवरलाल जांगिड, सूरत

श्री जगदीश खण्डेलवाल, दिल्ली

श्री भंवरलाल शर्मा, पाली,राज0

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री प्रहलाद चन्द शर्मा, बैंगलुरू

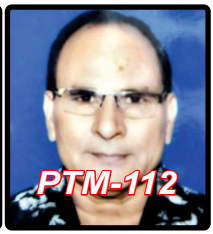

श्री नानूराम जांगिड, हिंगोली,

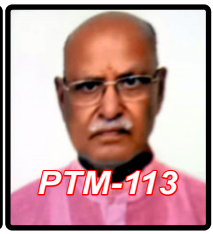

श्री रामानन्द शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

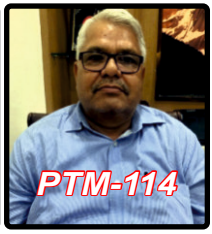

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री कैलाश जांगिड, सूरत

श्री मदन लाल शर्मा, वडोदरा

श्री गजानन्द जांगिड, सूरत

श्री हरिराम शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

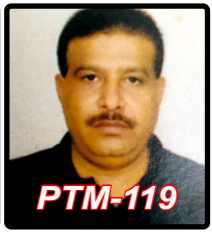

श्री सतवीर शर्मा, गुरूग्राम

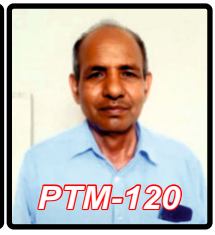

श्री किशोरी लाल शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

श्री सुनील सिद्धड़, चिड़ावा, झुंझुनू

श्री सुरेश कुमार जांगिड, नजफगढ़

श्री मोहन पंवार, सागरपुर दिल्ली

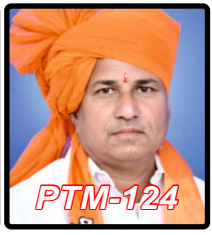

श्री रामावतार जांगिड, सरदारशहर, चूरू

श्री राजील कुमार जांगिड, सूरत

श्री सादीराम जांगिड, हनुमानगढ़,रा0

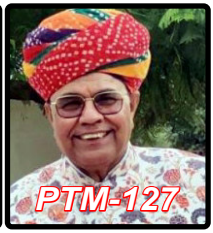

श्री मामराज मिस्त्री, सूरत

श्री सागरमल जांगिड, वडोदरा

श्री सुनील कुमार जांगिड, महाराष्ट्र

श्री महेश कुमार शर्मा, दिल्ली

श्री किशन लाल जांगिड, जयपुर

श्री एकलिंग प्रसाद सुथार, सूरत

श्री राजेश जांगिड, हैदराबाद

श्री सियाराम जांगिड, हैदराबाद

श्री रामवतार शर्मा, तिरूवल्लुर,तमिलनाडु

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री सतीश कुमार जांगिड,(किशनगढ़ बास) वलसाड

श्री शंकरलाल माकड़, हैदराबाद

श्री महेश चन्द शर्मा, साध नगर, दिल्ली

श्री राकेश जांगिड, सूरत

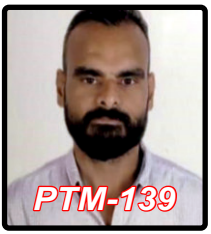

श्री देवकरण जांगिड, हैदराबाद

श्री सुभाष शर्मा, भरूच

श्री महेश शर्मा, बैंगलुरू

श्री चंद्र प्रकाश शर्मा, गांधीधाम,कच्छ

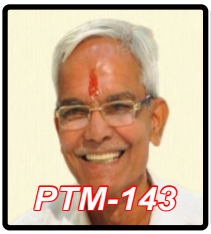

श्री सतवीर जांगिड, बैंगलुरू

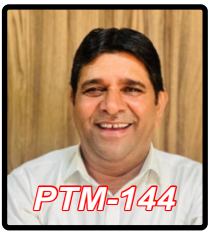

श्री महेन्द्र सिंह जांगिड, धारूहेड़ा रेवाड़ी

श्री पूरनमल जांगिड, सूरत

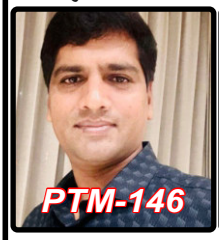

स्वर्गीय श्री नरेश शर्मा, भरूच

श्री बंशीधर जांगिड, भरूच

श्री मुकेश कुमार जांगिड, हिम्मतनगर

श्री गोपाल जांगिड, गांधी नगर

श्री राजेन्द्र कुमार डभाण, खेड़ा

श्री ओम प्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री अरूण कुमार डभाण, खेड़ा

श्री कैलाश चंद्र शर्मा, डभाण, खेड़ा

श्री मदन लाल सुथार, भरूच

श्री महेन्द्र जांगिड, भरूच

श्री कन्हैया लाल, (ओजटू वाले) बैंगलुरू

श्री शंकरलाल जांगिड, झुंझुनूं

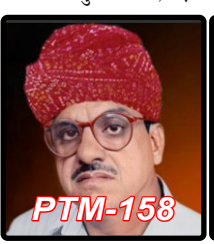

श्रीमती उषा बरड़वा धर्मपत्नी श्री आनन्द बरड़वा, कोटा राज0

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
दिल्ली
अंगिराऽसि जांगिड

शपथ ग्रहण समारोह के बाद बने हुए एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य की सूची

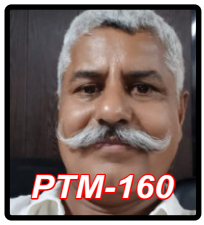

श्री देवेन्द्र शर्मा, उदयपुर, राजस्थान

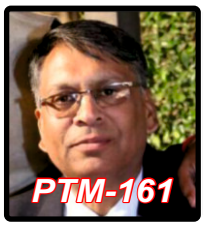

श्री नरोत्तम लाल जांगिड, फरीदाबाद, हरियाणा

श्री हजारी लाल शर्मा, जयपुर, राज0

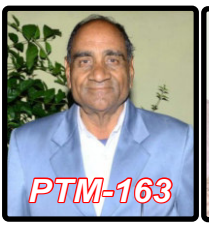

श्री भागीरथ मल जांगिड, जयपुर, राज0

श्री मदनलाल शर्मा, रायपुर छ0गढ़

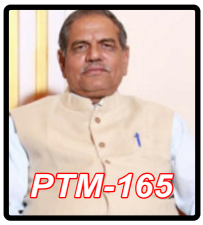

श्री पतराम शर्मा , गुरूग्राम, हरियाणा

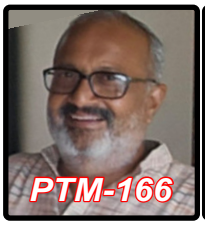

श्री बजरंग शर्मा , दुर्ग, छतीसगढ़

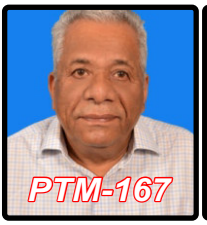

श्री विरदी चन्द शर्मा , रायपुर, छतीसगढ़

श्री ओमप्रकाश जांगिड, रायपुर, छतीसगढ़

श्री संतलाल शर्मा, बैंगलुरू, कर्नाटक

श्री जगन नाथ जांगिड, रेवाड़ी, हरियाणा

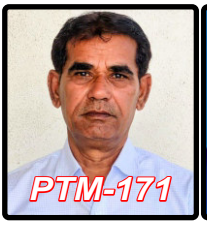

श्री राजकुमार चोयल,पोलो ग्राउंड, सीकर

श्री गोपालदास शर्मा, रायपुर, छ0गढ़

श्री विनोद कुमार शर्मा, रायपुर, छ0गढ़

श्री राधेश्याम शर्मा, जयपुर, राज0

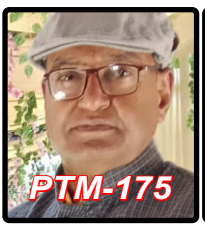

श्री प्रहलाद राय जांगिड, दूजोद, सीकर, राज0

श्री भोलाराम शर्मा, दुर्ग, छतीसगढ़

श्री रमेश शर्मा, रायपुर, छतीसगढ़

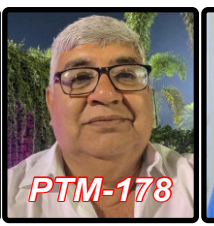

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, अहमदाबाद, गुज0

श्री नीलेश कुमार शर्मा, अहमदाबाद, गुज0

श्री अनुराग नीलेश कुमार शर्मा, अहमदाबाद, गुज0

श्री ओम प्रकाश जांगिड, वापी वलसाड, गुज0

श्री शिवपाल जांगिड, बेटमा, इन्दौर, मध्य प्रदेश

श्री उमेदराम जांगिड, वापी, वलसाड, गुजरात

श्री द्वारका प्रसाद शर्मा, वापी, वलसाड, गुजरात

शपथ ग्रहण समारोह के बाद बने हुए एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य की सूची

श्री अरुण कुमार, आया नगर,दिल्ली

श्री सुरेश जांगिड, दक्षिणी दिल्ली

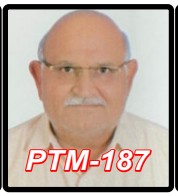

श्री श्रीराम जांगिड, बाजवा, वडोदरा, गुजरात

श्री जसाराम सुथार, पणजी, नॉर्थ गोवा

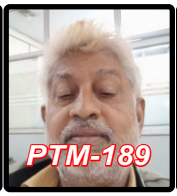

श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा, मेरठ,उत्तर प्रदेश

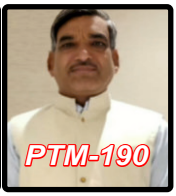

श्री रवि दत्त शर्मा, अहमदाबाद,गुजरात

वर चाहिए

1. Wanted a suitable match (PG Doctor preferably) for Jangid Brahmin girl **D.O.B-** 10.01.1997, Ht-5'4", **Permanent Residence:** Village - Kheri Saffa, PO - Kharak Bhura, Tehsil - Uchana Distt. - Jind (Haryana) – 126115, **Present address:** Noida (UP) **Educational Qualification:-**MD (2022-25) - Anaesthesiology & Critical care from SMS Medical College, Jaipur, Rajasthan, and MBBS (2015-20) from BPS Govt. Medical College, Khanpur Kalan (Sonipat), Haryana. **Job Details:** Senior Resident at Dr. Sampurnanand Medical College, Jodhpur (Raj) since February 2026. **Family Details:** Father's profession: Senior Manager - Quality, Chambal Fertilisers and Chemicals Ltd., Delhi Mother's profession: Home maker **Gotra Self**-Bhere, **Mother's Gotra:** Tyongrah, **Dadi's Gotra:** Jale, **Nani's Gotra:** Khandelwall **Contact Details:** Father: K.K. Jangra- 9411876458

2. Wanted a suitable match for healthy & pleasant personality J.B. girl, D.O.B.- 06/03/1996, Birth Time: 01:15 PM, Ht.- 5'1", Birth Place: Bikaner, residence in Jodhpur Rajasthan, Education- B.Tech(Electronics & Communication) **Shasan: Motiyar, Kalunia, Mandan, Jadwal**, **Contact-** Mr. Naresh Motiyar,(Retd. XEn RRVPNL)- 9214406908

3. Wanted a suitable match for Jangid Brahman girl from Udaipur, Rajasthan. DoB - 20 July 1999, Place of Birth - Ahmedabad, Time of Birth - 08:51 AM, Height - 5' 3". Education - MSc in Psychology from Bangalore University, Certificate in Management Essentials from IIM Shillong. Working as Talent Fulfillment Associate (HR) with "ACCENTURE" since 4 years. Gotra - self (Dayma), Mother (Gwalia), Nani (Hinunia), Dadi (Bhavdel) Preference for Defence services officer and pure vegetarian family.Contact:-Grandfather - Col Sohan Lal, Father - Col Chandra Shekhar, (9649919592, 9099759592)

वधु चाहिए

1. Wanted a suitable match for Jangid Brahmin boy **D.O.B-** 11.09.1999, Ht-6'0", **Permanent Residence:** Village - Kheri Saffa, PO - Kharak Bhura, Tehsil - Uchana Distt. - Jind (Haryana) – 126115, **Present address:** Noida (UP). **Educational Qualification:-**M Tech (2022-24) - Production & Industrial Engineering from National Institute of Technology, Kurukshetra (Gold Medalist) B Tech (2017-21) - Mechanical Engineering from JSS Academy of Technical Education, Noida, Uttar Pradesh **Job Details:**Profession: Senior Manufacturing Engineer in John Deere India Pvt. Ltd, Pune (Mah), **Family Details:** Father's profession: Senior Manager - Quality, Chambal Fertilisers and Chemicals Ltd., Delhi Mother's profession: Home maker **Gotra Self**-Bhere, **Mother's Gotra:** Tyongrah, **Dadi's Gotra:** Jale, **Nani's Gotra:** Khandelwall **Contact Details:** Father: K.K. Jangra- 9411876458

2. जांगिड ब्राह्मण परिवार में सुंदर सुशील गृह कार्य में दक्ष मध्यम परिवार से विवाह के लिए कन्या चाहिए। सूरत (गुजरात) में परिवार सेटल्ड है , लड़का (पुत्र) वर्तमान में इनफ़ोसिस पुणे में सॉफ्टवेर इन्जिनियेर है, उम्र- 27 वर्ष, जन्म -09.10.1997. दहेज़ बंधन नहीं । रुचिकर परिवार अन्य जानकारी और गौत्र के लिए कृपया संपर्क करें – आर. के. शर्मा (सीनियर इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, सूरत) फ़ोन -7778061060

3. Wanted a suitable match for Jangid Brhamin Boy from Alwar, Rajasthan. D.O.B.-06/10/1994, Ht-5'8'', Educational Qualification- BTech(ECE) from BKBIT Pilani, M.A.(Economics) from PDSU Sikar, Job Details: Assistant Manager in Govt Bank (Mumbai). Father's Profession- Professor(Govt College Neemkathana), Elder Brother-O.S. (Indian Railway); Prefered Jaipur Zone, Ajmer, Rewari, M.Garh districts. Gotra-Dahmiwal, Samriwal, Dosodiya, Harsoliya. Contact Details: R.N.Sharma: 8005721411, 9414906614

5 अप्रैल को फरीदाबाद में महासभा की त्रैमासिक बैठक और हरियाणा प्रदेश सभा और महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह की कुछ झलकियां

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

HYUNDAI
25
YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL SHARMA
(CHOYAL)

FOUNDER

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road
Call : 9099978327

Satellite
Call : 9099978334

Parimal Garden
Call : 9099978328

Naroda
Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MG
MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Registered With The Registrar of
News Papers For INDIA,
Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26
of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डावला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)

मासिक पत्रिका

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 April 2026
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

फोन